तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

■ रायपुर, शुक्रवार, 13 जून 2025 ■ आषाढ़ कृष्ण पक्ष-2 ■ वर्ष- 41 ■ अंक-076 ■ पृष्ठ-8 ■ डाक संस्करण 14 जून 2025 ■ मूल्य 2.00 रु.

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

पीएम पहुंचे अहमदाबाद, देखा तबाही का मंजर

विमान हादसे की जगह का प्रधानमंत्री मोदी ने लिया जायजा, मंत्री-अधिकारियों से ली जानकारी

अहमदाबाद, 13 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह अहमदाबाद पहुंचे। उन्होंने मेघाणीनगर में क्रैश हुई एअर इंडिया फ्लाइट के पीड़ितों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने सिविल अस्पताल में भर्ती कराए गए एकमात्र जीवित यात्री से भी मुलाकात की। पीएम मोदी के साथ केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री और स्थानीय अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने हादसे के बारे में सूचना दी।

एअर इंडिया विमान हादसे की जगह पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रियों और अधिकारियों से गुरुवार को हुए दर्दनाक हादसे की जानकारी ली। पीएम मोदी के साथ नागरिक उड्डयन मंत्री रामनोहन नायडू, गुजरात के गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, गृह मंत्री हर्ष संघवी और केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री उस जगह भी गए जिस हॉस्टल पर विमान गिरा था। बता दें कि इस भीषण हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी समेत कुल 266 लोगों की मौत हुई है। इनमें 241 लोग विमान में सफर कर रहे थे। बाकी हताहत लोग विमान के क्रैश होते समय मेघाणीनगर में घटनास्थल पर मौजूद थे।

अहमदाबाद में क्रैश हुए विमान के मलबे के पास पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेहद बारीकी और विस्तार से दुर्घटना के बाद के हालात और रेस्क्यू ऑपरेशंस की जानकारी ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एयर इंडिया विमान दुर्घटना का जायजा लेने के बाद अहमदाबाद हवाई अड्डे पर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विमान हादसे में बचे युवक ने पीएम को बताई दास्तां

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सिविल अस्पताल में विमान हादसे में घायल लोगों से मुलाकात की। इस विमान हादसे में एकमात्र जिंदा बचे यात्री रमेश विश्वास कुमार से भी मुलाकात की। विश्वास ने कहा कि मैं विमान से कूदा नहीं था बल्कि सीट समेत विमान से बाहर आ गया था। विश्वाश ने बताया, उड़ान भरने के तीस सेकंड बाद एक तेज आवाज हुई और फिर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह सब बहुत तेजी से हुआ। हादसे के बाद जब मुझे होश आया तो मैंने देखा कि मेरे चारों तरफ लाशें पड़ी थीं। मैं डर गया। मैं खड़ा हुआ और भागा। मेरे चारों तरफ विमान के टुकड़े पड़े थे। किसी ने मुझे पकड़ लिया और एम्बुलेंस में डालकर अस्पताल ले गया।

इजरायल का ईरान पर अब तक का सबसे बड़ा हमला

■ दर्जनों मिलिट्री और न्यूक्लियर साइट्स तबाह, चीफ कमांडर हुसैन सलामी की भी मौत

यरूशलेम, 13 जून। इजरायल ने ईरान पर हमला कर दिया है। इजरायल ने ईरान पर अबतक का सबसे बड़ा हमला करते हुए दर्जनों मिलिट्री और न्यूक्लियर साइट्स तबाह कर दिए हैं। इजरायली सेना ने ईरान की राजधानी तेहरान में बम और मिसाइल से हमला किया है। इजरायल के हमले में ईरान के रेवाल्यूशनरी गार्ड के चीफ कमांडर हुसैन सलामी की भी मौत हो गई है। ईरानी मीडिया ने खुद इसकी पुष्टि की है। साथ ही कई परमाणु वैज्ञानिकों और कमांडरों को भी मारने का दावा इजरायरल डिफेंस फोर्स ने किया है। इधर तेहरान के जवाबी कार्रवाई को देखते हुए इज़रायल ने इमरजेंसी घोषित कर दी है। ईरान पर इजरायल के हमले के कई वीडियो भी सामने आए हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि आसमान से मिसाइल और बमों से हमले हो रहे हैं। हमले के बाद हर तरफ आग की लपटें दिखाई दे रही है।

ईरान ने जवाब में 100 ड्रोन दागे

इजराइल पर ईरान के ड्रोन हमले का वीडियो भी सामने आया है, जो इराक के आसमान में उड़ान भरता हुआ दिख रहा है। ईरान ने इजराइल पर जवाबी हमले में 100 से ज्यादा ड्रोन दागे हैं। इजराइल डिफेंस फोर्सेस ने कहा है कि ये ड्रोन अगले 1 से 2 घंटे में इजराइल पहुंच सकते हैं। फिलहाल ये ड्रोन इराक और जॉर्डन के एयरस्पेस में है। जॉर्डन की राजधानी अम्मान में सायरन बजने शुरू हो गए हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि ईरान जल्द ही एक बड़ा मिसाइल हमला कर सकता है। इससे पहले आज सुबह इजराइल ने ईरान पर 200 फाइटर जेट्स से हमला किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इजराइली सेना ने तेहरान के आसपास कम से कम 6 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है।

संक्षेप

उत्तर-पश्चिमी कांगो में नौका डूबने से 30 लोगों की मौत

कांगो, 13 जून। क्षेत्रीय प्रशासक जस्टिन मपुतु ने स्थानीय मीडिया को बताया कि नौका बिकोरो क्षेत्र में टुम्बा झील के किनारे ग्रामीणों और सामान को ले जा रही थी, जब बुधवार देर रात यह डूब गई। मध्य अफ्रीकी देश कांगो के उत्तर-पश्चिमी इक्वेटर प्रांत में खराब मौसम के कारण एक नौका के डूब जाने से कई छात्रों सहित कम से कम 30 यात्रियों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों और मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कई लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। क्षेत्रीय प्रशासक जस्टिन मपुतु ने स्थानीय मीडिया को बताया कि नौका बिकोरो क्षेत्र में टुम्बा झील के किनारे ग्रामीणों और सामान को ले जा रही थी, जब बुधवार देर रात यह डूब गई। उन्होंने बताया कि 30 शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि कई अन्य लोग लापता हैं।

दिल्ली दंगा मामला: कोर्ट ने 12 लोगों को किया बरी, एक दोषी करार

नई दिल्ली, 13 जून। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 2020 में हुए दंगों से संबंधित एक महत्वपूर्ण मामले में दिल्ली की एक अदालत ने 12 आरोपियों को हत्या, दंगा और गैरकानूनी जमावड़े जैसे गंभीर आरोपों से मुक्त कर दिया है. अदालत ने यह निर्णय परिस्थितिजन्य साक्ष्यों में ठोस कड़ियों की कमी के आधार पर लिया. हालांकि, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला ने आरोपी लोकेश सोलंकी को भारतीय दंड संहिता की धारा 153 (धर्म या जाति के आधार पर द्वेष फैलाना) और धारा 505 (सार्वजनिक अव्यवस्था भड़काने वाला बयान देना) के तहत दोषी ठहराया है. अभियोजन पक्ष का कहना है कि सभी 13 आरोपी एक उग्र भीड़ का हिस्सा थे, जिसने इस हत्या को अंजाम दिया. अदालत के 62 पन्नों के आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि लोकेश सोलंकी 'कट्टर हिंदू एकता' नामक व्हाट्सएप ग्रुप का सक्रिय सदस्य था. न्यायाधीश ने उल्लेख किया कि इस ग्रुप में मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने वाले संदेशों का लगातार आदान-प्रदान किया गया, जिसमें मुस्लिम समुदाय के प्रति हिंसा के लिए उकसाने की बातें की गई थीं.

ईडी के डिप्टी डायरेक्टर रघुवंशी को नहीं मिली जमानत, याचिका खारिज

भुवनेश्वर, 13 जून। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के डिप्टी डायरेक्टर चिंतन रघुवंशी को विशेष सीबीआई कोर्ट ने रिश्वत मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया है. 2013 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी रघुवंशी को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष टीम ने 20 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा था. पूछताछ के दौरान वह इस राशि के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दे सके, जिसके बाद उनकी औपचारिक गिरफ्तारी हुई. रिपोर्ट्स के अनुसार, रघुवंशी ने एक मध्यस्थ के जरिए कई बार रिश्वत ली थी. मामला धेनकनाल के खनन व्यापारी रोहित रंजन राउत की शिकायत से सामने आया. राउत ने आरोप लगाया कि रघुवंशी ने उनके खिलाफ एक मामले को निपटाने के लिए शुरू में 5 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी.

मुसीबत में एयर इंडिया

थाईलैंड में करनी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

बैंकॉक, 13 जून। अहमदाबाद में बड़े हादसे के बाद एयर इंडिया का एक अन्य विमान भी मुसीबत में आ गया है। यह विमान थाईलैंड के फुकेत से दिल्ली के लिए उड़ान भर रहा था। इस विमान की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। बताया जाता है कि इस विमान को लेकर बम की धमकी मिली थी। विमान में कुल 156 यात्री सवार थे। एयर इंडिया के इस विमान ने शुक्रवार सुबह करीब नौ बजकर तीस मिनट पर फुकेत से राजधानी दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। लेकिन अंडमान सागर में ही विमान को वापस लौटना पड़ा और यह फिर से थाई द्वीप के एयरपोर्ट पर उतर गया।

पिछले साल खूब मिली थीं धमकियां: फिलहाल बम की धमकी को लेकर बहुत ज्यादा डिटेल नहीं मिली है। वहीं, बताया गया है कि विमान की तलाशी के दौरान किसी तरह का बम नहीं मिला है। गौरतलब है कि पिछले साल इंडियन एयरलाइंस और एयरपोर्ट्स को बड़ी संख्या में बम की झूठी धमकियां मिली थीं। पहले 10 महीनों में ही ऐसे करीब 1000 फोन और मैसेज आए थे। साल 2023 की तुलना यह 10 गुना था।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश ने दिलाई 'पटना प्लेन हादसे' की याद

» कटी पतंग की तरह गिरा था विमान, लग गया था लाशों का ढेर

अहमदाबाद, 13 जून। विमान में 242 यात्री सवार थे। इस विमान हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी की भी जान चली गई। इस हादसे में केवल एक यात्री जिंदा बचा है। वहीं, इस हादसे से राजधानी पटना में 25 साल पहले हुए विमान हादसे की यादें भी ताजा हो गई। तब अलायंस एयर बोइंग 737-2एबी विमान हादसे का शिकार हो गया था। विमान कटी पतंग की तरह पटना के गर्दनीबाग में जमीन पर आ गिरा था। उस दौरान हादसे में 66 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

राजधानी पटना में 17 जुलाई 2000 का दिन इतिहास के पन्नों में एक डरावने अध्याय के रूप में दर्ज है। दरअसल, उसी दिन कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से दिल्ली के लिए उड़ान भरने एलायंस एयर का विमान पटना एयरपोर्ट पर लैंडिंग के पहले गर्दनीबाग में गिर गया था। दुर्घटना में विमान में सवार 56 यात्रियों और चालक दल के छह सदस्यों समेत गर्दनीबाग स्थित सरकारी आवास के पांच लोगों की जाने चली गई थी। पटना में धमाके की आवाज से लोगों की नींद खुली थी। आवासीय कॉलोनी में लोगों की चीख पुकार और अफरातफरी का माहौल बना था।

बेंगलुरु में भीषण सड़क हादसा

बस-ट्रक में टक्कर से चार लोगों की मौत, 16 घायल

बेंगलुरु, 13 जून। बेंगलुरु ग्रामीण में शुक्रवार को भीषण सड़क हादसे में 2 बच्चों समेत 4 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 16 से ज्यादा लोग घायल हैं। इनमें से 2 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आंध्र प्रदेश आरटीसी बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। पुलिस के अनुसार सभी मृतक आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले से ताल्लुक रखते हैं। मृतकों की पहचान 44 वर्षीय केशव रेड्डी, 21 वर्षीय तुलसी, 4 साल की बच्ची प्रणनती और 1 साल की नवजात मारिया के रूप में हुई है। वहीं, हादसे में 2 लोगों को गंभीर चोटें आईं हैं। हादसे में घायल सभी 16 लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि बस ड्राइवर को झपकी आने की वजह से यह हादसा हुआ है। होसकोटे पुलिस इस पूरी घटना की जांच कर रही है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब होसकोटे हाईवे पर ऐसा हादसा हुआ है। इससे पहले 21 मई को भी यहां एक बस, ट्रक और एसयूवही में टक्कर हो गई थी। इस हादसे में 6 लोगों की जान चली गई।

भारत ने इजराइल और ईरान से शांति बनाए रखने की अपील की

नई दिल्ली, 13 जून। भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह ईरान और इजराइल के बीच हाल के घटनाक्रमों को लेकर बहुत चिंतित है और उभरते हालात पर 'बारीकी से नजर' रख रहा है।

नयी दिल्ली ने दोनों देशों से किसी भी तरह के तनाव बढ़ाने वाले कदमों से बचने का आग्रह किया है। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि क्षेत्र में सभी भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतने, सुरक्षित रहने और स्थानीय सुरक्षा परामर्श का पालन करने की सलाह दी गई है। ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ने के बीच विदेश मंत्रालय ने यह बयान जारी किया। खबरों के अनुसार, इजराइल ने ईरान में परमाणु संवर्धन केंद्रों समेत कई जगहों पर हमले किए हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने भी इसकी पुष्टि की है।

विमान हादसे के राज से पर्दा उठने की संभावना, डीवीआर बरामद

अहमदाबाद, 13 जून। एयर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे से डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) बरामद किया गया है। इस बरामदगी से जांच एजेंसियों को दुर्घटना के कारणों का पता लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है। अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के बाद लंदन जाने वाले एयर इंडिया के बोइंग ड्रीमलाइनर का मलबा जिला अस्पताल के पास मिला है।

जांच में शामिल एटीएस टीम के एक अधिकारी ने विमान में डीवीआर की खोज की, जिससे घटना की जांच में तेजी आ सकती है। रिपोर्ट बताती है कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना के परिणामस्वरूप कुल 297 लोगों की जान चली गई है। विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत की पुष्टि हो चुकी है, साथ ही आवासीय क्षेत्र में दुर्घटना से जुड़ी 56 अतिरिक्त मौतें भी हुई हैं।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के लिए दावा निपटान प्रक्रिया में ढील दी है और इस प्रक्रिया में तेजी भी लाई है। निगम ने कहा कि वह विमान दुर्घटना में प्रभावित लोगों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है और पीड़ितों के लिए दावा निपटान में तेजी लाएगा।

बीमा कंपनी ने एक बयान में कहा, एलआईसी ने एलआईसी पॉलिसियों के दावेदारों की कठिनाइयों को कम करने के लिए कई रियायतों की घोषणा की है। मृत्यु प्रमाण पत्र के बदले, विमान दुर्घटना के कारण पॉलिसीधारक की मृत्यु के सरकारी रिकॉर्ड में कोई भी सबूत या केंद्र/राज्य सरकार/एयरलाइन अधिकारियों द्वारा भुगतान किया गया कोई भी मुआवजा मृत्यु के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

दुर्घटना के बाद भी लोग लापता: प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दुर्घटना के बाद भी लोग लापता हैं। ए.आई.-171 विमान दुर्घटना के बारे में बीजे मेडिकल कॉलेज के एक कर्मचारी ने एएनआई को बताया, हम अपनी जान बचाने के लिए नीचे की ओर भागे। हमें कुछ पता नहीं चला। उस समय हम रोटियाँ बना रहे थे... 3 से 4 बच्चे मर गए, और 3 से 4 को आई.सी.यू. में भर्ती कराया गया। कल से एक महिला और 2 साल का बच्चा लापता है।

सरकारी गाड़ी के बोनट पर बैठकर अधिकारी की पत्नी ने काटा केक, वीडियो हुआ वायरल

बालोद, 13 जून। बालोद जिले में बटालियन में पदस्थ पुलिस उप अधीक्षक (डीएसपी) तस्लीम आरिफ की पत्नी फरहीन खान द्वारा अपनी जन्मदिन पार्टी सरकारी गाड़ी के बोनट पर केक काटकर मनाने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस मामले में डीएसपी और उनकी पत्नी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक पुलिस अधिकारी की पत्नी को नीली बत्ती वाली सरकारी गाड़ी के बोनट पर बैठकर केक काटते हुए देखा गया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है और अब यह अनुशासनात्मक कार्रवाई की जद में आता दिख रहा है। डीएसपी तस्लीम आरिफ की पत्नी फरहीन खान द्वारा किए गए इस कार्य ने प्रशासन और जनता के बीच गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस वीडियो में उनके साथ कुछ अन्य लोग भी मौजूद हैं, जो इस जन्मदिन पार्टी में शरीक होते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान न सिर्फ सरकारी संसाधनों का निजी उपयोग हुआ, बल्कि इसे सार्वजनिक रूप से शो-ऑफ भी किया गया। सरकारी वाहनों का ऐसा उपयोग नियमों के खिलाफहै। इस मामले ने अधिकारियों को गंभीर चिंतन के लिए मजबूर कर दिया है। माना जा रहा है कि आला अधिकारी इस मामले की जांच के आदेश जल्द दे सकते हैं। डीएसपी तस्लीम आरिफ ने बयान देते हुए कहा कि उन्हें इस वीडियो की जानकारी नहीं थी, और अगर किसी ने इसे सोशल मीडिया पर शेयर किया है, तो वह अनाधिकृत है। उन्होंने यह भी कहा कि वे वाहन का उपयोग घरेलू कार्यों में करते हैं, परंतु यह सफाई नियमों के उल्लंघन के सामने बेमानी लग रही है।

राज्यपाल दरभंगा में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में हुए शामिल

सीमा की सुरक्षा प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य: राज्यपाल डेका

रायपुर, 13 जून। राज्यपाल रमेन डेका गत दिवस बिहार राज्य के दरभंगा में राष्ट्रीय सनातनी सेवा संघ द्वारा ''सीमा सुरक्षा हम सब की जिम्मेदारी'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत एक विशाल और विविधतापूर्ण देश है, जिसकी सीमाएँ हिमालय की ऊँचाइयों से लेकर हिंद महासागर की गहराइयों तक फैली हुई हैं। सीमा की सुरक्षा केवल सैनिकों और सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

राज्यपाल श्री डेका ने अपने उद्बोधन में कहा कि सीमा की रक्षा राष्ट्रीय एकता, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने का आधार है। सीमा की सुरक्षा, देश की आंतरिक और बाह्य स्थिरता के लिए आवश्यक है। यह न केवल बाहरी खतरों जैसे आतंकवाद, घुसपैठ और तस्करी से रक्षा करती है, बल्कि देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को भी संरक्षित करती है। भारत की सीमाएँ, पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और म्यांमार जैसे पड़ोसी देशों के साथ साझा की जाती हैं, और प्रत्येक सीमा की अपनी अनूठी चुनौतियाँ हैं।

डेका ने कहा कि हमारे सैनिक, प्राणों की बाजी लगाकर सीमा की सुरक्षा करते हैं लेकिन उनकी यह जिम्मेदारी तब और प्रभावी होती है, जब समाज और नागरिक उनका साथ देते हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख सकते हैं और स्थानीय प्रशासन या सुरक्षा बलों को सूचित कर सकते हैं। असामान्य गतिविधियों, जैसे तस्करी या घुसपैठ, की जानकारी देना, देश की सुरक्षा को मजबूत करता है। आज के युग में सीमा सुरक्षा में तकनीक का उपयोग बढ़ रहा है। ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी, और स्मार्ट फेंसिंग जैसे उपकरण सीमा पर निगरानी को और प्रभावी बना रहे हैं। श्री डेका ने कहा कि नागरिक के रूप में, हम तकनीकी नवाचारों को समर्थन दे सकते हैं और सरकार के डिजिटल सुरक्षा प्रयासों में सहयोग कर सकते हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय सनातनी सेवा संघ के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बर्खास्त सहायक शिक्षकों के समायोजन का आदेश जारी, काउंसिलिंग 17 से

रायपुर, 13 जून। बर्खास्त 2621 बीएडधारी सहायक शिक्षकों के समायोजन के लिए समयोजन के लिए छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिया है. इन शिक्षकों का सहायक शिक्षक विज्ञान पद पर समायोजन के लिए 17 से 26 जून तक एससीईआरटी परिसर शंकर नगर रायपुर में ओपन काउंसिलिंग का आयोजन किया जाएगा. काउंसिलिंग के बाद अभ्यर्थी द्वारा चुने गए विद्यालय के लिए नियुक्ति पत्र जारी किया जाएगा.

कुल 2621 अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग में सम्मिलित किया गया है. इन अभ्यर्थियों के समायोजन के लिए राज्य के 29 जिलों के स्कूलों में 2621 रिक्त पद निर्धारित किए गए हैं. काउंसिलिंग प्रक्रिया को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए इसे दो पालियों में आयोजित किया जाएगा. प्रथम पाली में 150 एवं द्वितीय पाली में 150 अर्थात रोज कुल 300 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग होगी. काउंसिलिंग में सम्मिलित होने वाले सभी अभ्यर्थियों की सूची स्कूल शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट httpsÑ//eduportal.cg.nic.in/ पर उपलब्ध है. उप संचालक लोक शिक्षण संचालनालय ने अभ्यर्थियों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित समय पर आवश्यक दस्तावेजों सहित काउंसिलिंग स्थल पर उपस्थित रहे.

एक नजर

ईश्वर सिंह ठाकुर ने अटल परिसर का निरीक्षण किया

जामुल, 13 जून। नगर पालिका जामुल में अटल परिसर का कार्य लगभग पूर्णता की ओर है । जिसका निरीक्षण नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने किया । निरीक्षण अवसर पर ठाकुर ने कहा कि अटल परिसर सिर्फ निर्माण कार्य ही नहीं है बल्कि यह एक संदेश है कि सरलता एवं सुगमता के साथ जनता को हर उस योजना का लाभ मिले जिसके लिए सरकारें बनती है इसके माध्यम से अंतिम छोर के व्यक्ति को एवं क्षेत्र में विकास कार्य संपादित हो जिसकी अपेक्षा हर वर्ग के लोग करते हैं । इसी तारतम्य में हमारे पालिका क्षेत्र जामुल में तीस लाख रूपये के लागत से वार्ड 13 में अटल परिसर का निर्माण लगभग पूर्णतः की ओर है । निरीक्षण अवसर पर जलकार्य प्रभारी रामदुलार साहू, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति प्रभारी चुम्मन वर्मा, वरिष्ठ पार्षद दीपक गुप्ता, उप अभियंता सचिन भागवत उपस्थित थे ।

नशीला पदार्थ हेरोइन बेचने वाला युवक गिरफ्तार

भिलाई, 13 जून। भिलाई नशीली पदार्थ हेरोइन बेचने वाले एक तस्कर को खुर्सीपार पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से हेरोइन कुल वजनी 05.30 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है खुर्सीपार पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि दीपक शाह जो लाल टी शर्टए नीचे हाफ बरमुडा कत्था कलर का पहने हुआ हैं सिद्धी बैट्री दुकान के सामने नहर किनारे ट्रांसपोर्ट नगर जाने वाली रोड खुर्सीपार में अवैध लाभ अर्जित करने लोगों को नशीली चिट्टा ध्यहेरोइनद्ध बेच रहा है। सूचना पर खुर्सीपार थाना प्रभारी वंदिता पनिकर एक विशेष टीम बनाकर घटना स्थल पर घेराबंदी कर संदेही दीपक शाह य36 वर्षद्ध निवासी इंदिरा चौक न्यू खुर्सीपार को हिरासत में लेकर तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक काले रंग के प्लास्टिक झिल्ली में नशीला पदार्थ चिट्टा ध् हेरोइन मिला। जब्त हेरोइन की कुल वजनी 05ण्30 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया।

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वालों की पुलिस ने ली क्लास

दुर्ग, 13 जून। दुर्ग जिले में अब सार्वजनिक स्थान पर बैठकर शराब पीना महंगा पड़ेगा क्योंकि पुलिस ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। देर रात दुर्ग, भिलाईनगर, छावनी अनुविभाग क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर बैठकर शराब पीने वालों की जमकर क्लास ली है। इस दौरान पुलिस ने शराब प्रेमियों से उठक बैठक भी कराई है पुलिस प्रवक्ता पद्मश्री तंवर ने बताया कि शाम 6 से रात 12 बजे तक अड्डेबाजी, सार्वजनिक स्थलों पर शराब का सेवन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग, भिलाई नगर, छावनी के नेतृत्व में अभियान चलाया गया छावनी अनुविभाग में नगर पुलिस अधीक्षक छावनी हरीश पाटिल के नेतृत्व में थाना छावनी के बैकुंठधाम, सुंदरनगर, सुभाषनगर, मूढ़कट्टा स्कूल थाना जामुल के शिवपुरी, सुरडुंग, हाउसिंग बोर्ड, काली बाड़ी, कुरूद बस्ती थाना खुर्सीपार के आईटीआई ग्राउंड, जीरो प्वाइंट, ट्रांसपोर्ट नगर, तेलहा नाला, वीर नारायण सिंह वार्ड थाना पुरानी भिलाई के पुरैना, विश्वबैंक कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड चरोदा, उमदा तथा थाना कुम्हारी के बाजार पारा, उड़िया बस्ती, खपरी, रामपुर में चेकिंग की थाना जामुल से 4 व्यक्तियों के विरुद्ध आबकारी की कार्रवाई की अड्डेबाजी के लिए स्पॉट बनने वाले होटल, ढाबा, ठेला और दुकानों को रात 11.30 बजे तक बंद कराया गया खुले में शराब पीने वालों से सीएसपी ने लगवाई उठक बैठक।

भारतीय पद्धति से दिव्यांग कन्याओं का होगा निशुल्क विवाह

भिलाई, 13 जून। आस्था बहुउद्देशीय कल्याण संस्था द्वारा 11 दिव्यांग कन्याओं का निशुल्क विवाह कराया जाएगा। यह विवाह गायत्री मंदिर सेक्टर 6 में गायत्री परिवार के आचार्य द्वारा भारतीय पद्धति से संपन्न कराया जाएगा। विवाह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती रजनी विजय बघेल वर-वधु को आशीर्वाद देने पहुंचेंगे। दिव्यांग विवाह कार्यक्रम में विवाह करने हेतु छत्तीसगढ़ के अलावा उड़ीसा से मध्य प्रदेश से महाराष्ट्र से जोड़े पहुंचेंगे। सभी जोड़ों को जीवन उपयोगी समान वितरण किए जाएंगे। जीवन यापन हेतु रोजगार हेतु उन्हें सिलाई मशीन भी दी जाएगी। विवाह पूर्ण रूप से निशुल्क होगा।

बेरोजगारों को व्यवसाय शुरू करने दिया जाएगा ऋण, आवेदन आमंत्रित

दुर्ग, 13 जून । जिले के बेरोजगारों को खुद का व्यवसाय शुरू करने जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्या. दुर्ग द्वारा आवेदन आमंत्रित किया गया है, जिसमें अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग अंतर्गत बैंक प्रवर्तित अंत्योदय स्वरोजगार योजना एवं आदिवासी स्वरोजगार योजना का लाभ दिया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत छोटे-छोटे व्यवसायियों को अंत्योदय स्वरोजगार योजना अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के शिक्षित बेरोजगारों को बैंक के माध्यम से ऋण प्रदाय कर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार किया जा सकेगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति दुर्ग से मिली जानकारी के अनुसार आवेदक किसी भी प्रकार का वैध व्यवसाय जैसे खोमचे, पान दुकान, मोटर सायकिल रिपेयरिंग, टेलरिंग, सिलाई मशीन, मोची दुकान, गुपचुप ठेला, सब्जी धंधा आदि छोटे-छोटे व्यवसाय ऋण हेतु आवेदन कर सकते है।

पांडातराई थाना ने दो तस्करों को 2.397 किलोग्राम गांजा के साथ किया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 13 जून। जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पांडातराई पुलिस द्वारा दो व्यक्तियों को 2 किलो 397 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया है। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (आईपीएस), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल और पंकज पटेल के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी बोड़ला श्री अखिलेश कौशिक के पर्यवेक्षण में की गई।दिनांक 12.06.2025 को ग्राम रैतापारा में दो संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा सफेद प्लास्टिक बोरी में गांजा लेकर ग्राहक की तलाश किए जाने की सूचना प्राप्त हुई। तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों व्यक्तियों को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपियों के नाम होली राम चंद्रवंशी पिता चंदू राम

चंद्रवंशी उम्र 57 वर्ष निवासी रैतापारा तथा भुखन दास मानिकपुरी पिता प्रेमदास मानिकपुरी उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम चरखुरा कला हैं।गवाहों की उपस्थिति में तलाशी के दौरान उनके कब्जे से कुल 2 किलो 397 ग्राम गांजा बरामद किया गया जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 23,000 रुपये है। बरामद गांजा को विधिवत सीलबंद कर जब्त किया गया तथा मौके पर ही अपराध क्रमांक 81/2025 धारा 20(ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया।इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला, निरीक्षक मनीष मिश्रा, साइबर सेल प्रभारी एएसआई संजीव तिवारी, सहायक उपनिरीक्षक रघुवंश पाटिल, प्रधान आरक्षक चुम्मन साहू, अभिनव तिवारी, आरक्षक लेखा चंद्रवंशी,सहायक आरक्षक नरेन्द्र चंद्रवंशी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।पुलिस द्वारा की गई यह कार्यवाही ऐसे सभी लोगों के लिए कड़ा संदेश है जो इस प्रकार की अवैध गतिविधियों में संलिप्त हैं। जिले में किसी भी प्रकार की मादक पदार्थ तस्करी, बिक्री या संग्रहण की अनुमति नहीं दी जाएगी। कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दो दिवसीय धम्म संस्कार प्रशिक्षण शिविर का समापन

भिलाई, 13 जून। महामानव मल्टीपर्पस सोसायटी एवं विशाखा बौद्ध महिला मंडल द्वारा दो दिवसीय धम्म संस्कार प्रशिक्षण शिविर सुगत बुद्ध विहार अंबेडकर नगर सुपेला में आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ बौद्ध कल्याण समिति, बुद्ध भूमि कोसा नगर के अध्यक्ष नरेन्द्र शेंडे व विशाखा बौद्ध महिला मंडल की अध्यक्ष विद्या ताई बौद्ध ने किया। डॉ.भदंत जीवक, भदंत सारिपुत्त, भदंत सम्पजनो, भदंत उतमग्गो, भदंत सोमानंद महाथेरो, भदंत चंद विमला महाथेरो (श्रीलंका) ,पी.आर.उके भोपाल ने धम्म प्रशिक्षण दिया। निशा उके का गब्भमंगल संस्कार किया गया। शिविर के समापन पर प्रशिक्षार्थियों को भंते डॉ.जीवक, महामानव मल्टीपर्पस सोसायटी के अध्यक्ष आशीष चौहान, विशाखा बौद्ध महिला मंडल भिलाई कि अध्यक्ष विद्या ताई बौद्ध ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। संचालन इंदू उके ने एवं धन्यवाद ज्ञापन नमेश्वरी सोनपिपरे ने किया।

पीएम आवास योजना का 17 जून को लॉटरी पद्धति से होगा आवंटन

भिलाई, 13 जून। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के नागरिकों की सुविधा को देखते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना की खुली लाटरी पद्धति का आयोजन 17 जून को रखा गया है। जिसमें मोर मकान-मोर चिन्हारी एवं मोर मकान-मोर आस घटक से निर्मित मकानों का आबंटन होना है। जो हितग्राही पूर्व से आवेदन कर चुके हैं और मकान का 10 प्रतिशत अंशदान की राशि जमा किए हैं, उन्हें निगम मुख्य कार्यालय सभागार में समय दोपहर 3 =30 बजे से लॉटरी निकालकर मकान आवंटन किया जाएगा। पात्र हितग्राहियों को जिस स्थल का मकान निर्माण पूर्ण हो गया है, उन जगहों का मकान आबंटन किया जाएगा। हितग्राही निर्धारित समय पर उपस्थित होकर लाटरी में भाग ले सकते हैं।

मैत्री बाग में पहुंचेगा तेंदुआ और भालू का जोड़ा, संरक्षण की ओर एक और कदम

भिलाई, 13 जून। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के अंतर्गत उद्यानिकी अनुभाग द्वारा संचालित मैत्री बाग चिड़ियाघर अब तेंदुए और भालू के जोड़े का स्वागत करने जा रहा है। इनके लिए विशेष रूप से निर्मित बाड़ों की तैयारी पूर्ण हो चुकी है, जो भारतीय केंद्रीय ज़ू प्राधिकरण (सीज़ेडए) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप है। मैत्री बाग के प्रभारी एवं महाप्रबंधक (उद्यानिकी) डॉ. नवीन कुमार जैन ने जानकारी दी कि यह पशु-विनिमय प्रक्रिया केंद्रीय ज़ू प्राधिकरण द्वारा विधिवत अनुमोदित की जा चुकी है। बाड़ों

का निर्माण, वातावरण का अनुकूलन और पशुओं के स्वागत की समस्त पूर्व तैयारी पूर्ण कर ली गई है। नए जीवों के आगमन के उपरांत उनकी सतत निगरानी की जाएगी, जिससे उनकी अनुकूलता और स्वास्थ्य की स्थिति सुनिश्चित की जा सके। तेंदुए और भालू का यह जोड़ा नंदनवन जंगल सफारी, नया रायपुर व बिलासपुर चिड़ियाघर से विनिमय के अंतर्गत प्राप्त हो रहा है। विनिमय योजना के तहत, 24 सांभर हिरण भी नंदनवन भेजे जाएंगे, जिससे प्रजातीय आदान-प्रदान और पर्यावरणीय संतुलन को बढ़ावा मिलेगा। डॉ. जैन के अनुसार मैत्री बाग में पशु कल्याण के उच्चतम मानकों को अपनाया गया है। प्रत्येक प्रजाति को उसकी पोषण आवश्यकताओं और पसंद के अनुसार संतुलित भोजन उपलब्ध कराया जाता है। सामान्यतः प्रातः एक बार भोजन दिया जाता है, जो उनके पाचन चक्र के अनुकूल है। वर्तमान में मैत्री बाग में लगभग 340 वन्य जीव निवासरत हैं। इनके रखरखाव के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र के दो स्थायी चिड़ियाघर परिचारक (ज़ू कीपर) कार्यरत हैं, जिन्हें 30 ठेका कर्मियों का सहयोग प्राप्त है। पूरे परिसर और बाड़ों की दिन में दो बार सफाई की जाती है, जिससे संक्रमण की संभावना न्यूनतम रहे।

गांव में डायरिया का प्रकोप, 20 से अधिक पीड़ित, 3 लोगों की मौत

जांजगीर चांपा, 13 जून। अकलतरा विकासखंड के अकलतरी गांव में डायरिया का प्रकोप फैला हुआ है. यहां 20 से अधिक लोग पीड़ित हैं. वहीं हफ्तेभर में तीन पीड़ितों की मौत हुई है. गांव में डायरिया फैलने की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग ने गांव में कैंप लगाकर मरीजों का प्राथमिक उपचार शुरू कर दिया है। गांव में डायरिया फैलने का कारण अज्ञात है. स्वास्थ्य विभाग की टीम और पीएचईके अधिकारी डायरिया फैलने की वजह जानने में जुटे हैं. गांव के पानी की जांच करने सैंपल भेजा गया है. स्वास्थ्य विभाग की टीम ग्रामीणों के इलाज में जुटी है. वहीं गंभीर मरीजों को अकलतरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा जा रहा है।

दूषित पानी से डायरिया फैलने की आशंका, जांच के लिए भेजा सैंपल

इस मामले में प्रशासन ने दूषित पानी से डायरिया फैलने की आशंका जताई है. पानी की जांच के लिए सैंपल भेजा गया है. घरों में ओआरएस घोल के पैकेट और दवाइयां बांटी गई है. पीड़ितों का इलाज गांव में ही कैंप लगाकर किया जा रहा है. एक गंभीर मरीज को अकलतरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है.

15 जून को पेयजल आपूर्ति रहेगी बाधित

भिलाई, 13 जून। वर्षा ऋतु के पूर्व नगर पालिक निगम भिलाई के शिवनाथ इंटेकवेल में संधारण कार्य किया जाना अति आवश्यक है। इस हेतु 14 जून को समय सुबह 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक शटडाउन लिया जायेगा। शट-डाउन लिये जाने से शिवनाथ इंटेकवेल से जल प्रदाय पूर्णतः बाधित होने के कारण दिनांक 15 जून को नगर निगम भिलाई एवं नगर निगम रिसाली के समस्त उच्चस्तरीय जलागारों में जलप्रदाय आंशिक रूप से बाधित रहेगी। संधारण कार्य पूर्ण होने पश्चात पूर्व की भांति जल प्रदाय चालू कर दिया जायेगा।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों पर की कड़ी कार्रवाई

दुर्ग, 12 जून 2025/ माननीय सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार यातायात नियमों के उल्लंघन करने वालों चालकों पर परिवहन विभाग द्वारा कार्यवाही करते हुए उनके चालक लायसेंस को निलंबन किया गया है। यातायात नियमों का उल्लघंन करने वाले चालकों पर यातायात विभाग, पुलिस विभाग द्वारा कार्यवाही करते हुए परिवहन विभाग को मोटरयान अधिनियम में उल्लेखित प्रावधानों के अध्ययधीन यातायात नियमों का उल्लंघन पर कड़ी कार्यवाही की गई है। साथ ही उनके चालक लायसेंस को आगामी 03 माह के लिए निंलबित किया गया है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के अनुसार प्रमुख रूप से दुर्घटनावश मृत्यु 02, नशे में गाड़ी चलाना 53, तेज़ गति 68, लाल बत्ती पार करना 09, मोबाइल फ़ोन का इस्तेमाल 35, बिना हेलमेट 15 और अन्य 27 चालक शामिल है।इसी प्रकार शिक्षण सत्र प्रांरभ होने के पूर्व निर्धारित 14 बिन्दुओं पर जिला के शैक्षणिक संस्थानों के स्कूल बसों को निरीक्षण/परीक्षण एवं चालक/परिचालकों को स्वास्थ्य परीक्षण हेतु जांच शिविर 14 एवं 15 जून 2025 को प्रातः 8 बजे से सेक्टर 06 भिलाई में आयोजित की गई है। जांच शिविर में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी दुर्ग, यातायात पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग दुर्ग के संयुक्त तत्वाधान में किया जाएगा। जिससे क्षैणिक कार्य एवं स्कूली छात्र-छात्राओं का सुरक्षित आवागमन हो सके।

विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत किसानों को दी गई जानकारी

दुर्ग, 13 जून। विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत ग्राम बेल्हारी में कृषि विज्ञान केंद्र पाहंदा (अ) दुर्ग के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉक्टर ललिता रामटेके ने मिट्टी परीक्षण के महत्व, धान की कतार बुवाई, बीज उपचार, स्वस्थ बीज की पहचान, कृषि में उपयोग होने वाले कृषि उपकरण, टपक सिंचाई पद्धति, मशरूम उत्पादन तथा कृषक महिलाओं से फल एवं सब्जियों के तुड़ाई के बाद भण्डारण व प्रसंस्करण के विषय पर चर्चा की गई। साथ ही बीज उपचार का भी जीवन प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जनप्रतिनिधि श्री लखेश्वर साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री बीएस वर्मा व समिति प्रबंधक उपस्थित थे। इन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी एवं रथ की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम को प्रारंभ किया। कार्यक्रम में उपस्थित कृषि विभाग के कर्मचारियों द्वारा राज्य शासन एवं केंद्र शासन द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी गई। कार्यक्रम में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सहित 50 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

बहू ने की सास की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बालोद, 13 जून। दो दिन पहले सास की हत्या करने वाली बहू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. शादी के 8 साल बाद भी बहू को बच्चा नहीं होने से सास उन्हें बांझ बोलकर बेटे को दूसरी शादी करने कहती रहती थी. रोज-रोज के ताने से तंग होकर बहू ने कुल्हाड़ी से वारकर सास को मौत के घाट उतारा था. पुलिस ने आरोपी बहू को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है. पूरी घटना बालोद थाना क्षेत्र के बघमरा गांव की है.

10 जून को बालोद पुलिस को ग्राम बघमरा में गीता देवांगन की लाश खून से लथपथ घर में पड़ी होने की सूचना मिली थी. इस पर पुलिस ने तुरंत घटना स्थल पहुंचकर मृतिका के शव को पीएम के लिए भेजकर मकान का बारीकी से निरीक्षण किया. घर वालों और आस

पड़ोस से घटना के संबंध में पूछताछ करने पर मृतिका के बहु खिलेश्वरी देवांगन पर बालोद पुलिस को संदेह हुआ, जिसको हिरासत में लिया गया.हत्या की गुत्थी सुलझाने संदेही बहू से बार-बार पूछताछ करने पर मृतिका की बहु खिलेश्वरी देवांगन ने बताया कि मेरी सास गीता बाई देवांगन आए दिन बांझ निःसंतान हो, आज तक बच्चा पैदा नहीं कर सके, तुम बोझ हो कहकर ताना मारती थी और अपने पुत्र को मुझे छोड़ने के लिए भड़काती थी. मेरे पति अपनी मां की बातों में आकर आये दिन मुझसे लड़ाई झगड़ा करता था।

आरोपी बहू ने बताया, 10 जून को भी उसी बात को लेकर पुनः झगड़ा कर रही थी, तब गुस्से में आकर पास रखे हसिया से पहले उसके पैर, फिर चेहरा, जहां दिखा वहां बार-बार मारने लगी. मेरी सास लेटे-लेटे अपने हाथ से रोकने का प्रयास कर रही थी मैं हसिया से मारते जा रही थी जब मेरी सास मर गई तब मैं कुछ देर वहां बैठकर सोचती रही, उसके बाद मोहल्ले वालों को जाकर बताया कि मेरी सास खुद को चाकू मारकर बेहोश हो गई है. हसिया से मेरे दाहिने हाथ के अंगूठे के पास छोटी उंगली में चोट आई है. आरोपी महिला ने अपराध स्वीकार किया, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर ज्यूडिशियल रिमांड पर भेजा.

हत्या मामले में बाप-बेटा गिरफ्तार

वहीं एक और हत्या मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. रनचिरई थाना के खुटेरी में सड़क पर ग्रामीण की हत्या मामले में पुलिस ने गांव के ही सुदामा ठाकुर और उनके बेटे को गिरफ्तार किया है. मृतक देवव्रत बिरझर द्वारा मीटिंग में ज्यादा बोलते हो कहकर मारपीट करने, उनके खिलाफ रिपोर्ट लिखाने और घर में जाकर जान से मारने की धमकी देने पर बाप-बेटे ने मिलकर उनकी हत्या की थी।

लगभग 200 पदों पर भर्ती के लिए प्लेसमेंट कैम्प 16 जून को

धमतरी 13 जून। धमतरी जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए कम्पोजिट बिल्डिंग, कलेक्टोरेट परिसर में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 16 जून को किया जाएगा। सुबह 11 से शाम 4 बजे तक चलने वाले इस प्लेसमेंट कैम्प में धमतरी और रायपुर के निजी संस्थाओं द्वारा 196 पदों पर भर्तियां की जाएंगी। इस प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से चयनित होने वाले जिले के युवाओं को औसतन 12 हजार से 23 हजार रूपये मासिक वेतन वाला रोजगार मिल सकेगा। इस प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से जिला प्रबंधक, सेल्स ऑफिसर, सिक्यूरिटी गार्ड, सिक्यूरिटी सुपरवाईजर, स्मार्ट मीटर टेक्निशियन, स्मार्ट मीटर ऑपरेटर, एल्यूमीनियम विंडो इंस्टालर और विंडो असेम्बलर जैसे पदों पर भर्तियां की जाएंगी। प्लेसमेंट कैम्प में रोजगार प्राप्त करने के लिए दसवीं, बाहरवीं पास से लेकर आईटीआई, ग्रेजुएशन पास हों, ऐसे प्रतिभागी शामिल हो सकते हैं। प्लेसमेंट कैम्प में शामिल होने के लिए प्रतिभागियों को अपने सभी शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता संबंधी दस्तावेज, निवास एवं जाति प्रमाण पत्र, रोजगार कार्यालय का पंजीयन प्रमाण पत्र और दो पासपोर्ट साईज फोटो प्रस्तुत करने होंगे।जिला रोजगार अधिकारी अधिकारी ने बताया कि रायपुर द्वारा सेक्यूरिटी गार्ड के 50 और सेक्यूरिट सुपरवाईजर के 10 पदों पर भर्ती की जाएगी।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से छात्रा की मौत

दुर्ग, 13 जून। भिलाई के रूंगटा कॉलेज में एडमिशन की बात कर अपनी बहन के साथ लौट रही स्कूटी सवार सुहानी सिंह की ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत हो गई. वहीं उसकी दूसरी बहन खुशी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे एम्स रायपुर रेफर किया गया है. इस घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया

आंगनबाड़ी सहायिका के एक रिक्त पद पर 25 जून तक आवेदन आमंत्रित

दुर्ग, 13 जून। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01, जिला-दुर्ग में आंगनबाड़ी सहायिका के 01 रिक्त पद पर भर्ती किया जाना है। इसके अंतर्गत नगर पालिक निगम भिलाई के वार्ड क्र. 22, आंगनबाड़ी केन्द्र कुरूद-01 में सहायिका हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए है। आवेदन संबंधित ग्राम/वार्ड की आवेदिकाओं द्वारा आवेदन पत्र भरकर निर्धारित तिथि में दिनांक 25 जून 2025 तक आवेदिका द्वारा एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय भिलाई-01 (जुनवानी चिखली मुख्य मार्ग भिलाई) में कार्यालयीन समय 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक (शासकीय अवकाश को छोड़कर) सीधे अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा जमा किये जाएंगे।

नपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश ने उपलब्धियों की पुस्तिका का विमोचन किया, प्रेस कान्फ्रेंस में बताया जनसेवा हमारा संकल्प

कवर्धा,13 जून। नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चंद्रवंशी ने अपने कार्यकाल के पहले 100 दिन पूरे होने पर नगर पालिका परिषद कवर्धा में उपस्थित प्रमुख अतिथियों को अपनी उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर 100 दिन पूरे होने पर पुस्तक का विमोचन कर जनता के नाम समर्पित किया । साथ ही प्रेस कॉन्फ्रेंस में अब तक किए गए कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य शहर को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाना है। उन्होंने बताया कि बीते 100 दिनों में नगर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है, साथ ही कई वार्डों में सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट की मरम्मत और नालियों की सफाई जैसे बुनियादी कार्यों को प्राथमिकता दी गई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अध्यक्ष चंद्रवंशी ने पारदर्शी प्रशासन और जनता की सहभागिता को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि नगरवासियों का सहयोग और विश्वास ही उनकी असली ताकत है और आगे भी शहर के विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। उन्होनें कहा कि नगर पालिका टीम पूरे कवर्धा वासियों को विश्वास में लेकर काम कर रही है उन्होनें भरोसा जताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव की छत्तीसगढ़ सरकार में उप मुख्यमंत्री कवर्धा

विधायक विजय शर्मा जी के कुशल नेतृत्व एवं सांसद संतोष पाण्डे के मार्गदर्शन में कवर्धा नगर पालिका ट्रिपल इंजन वाली सरकार की गति से आगे बढ़ रही है और आने वाले समय में कवर्धा नगर पालिका नई ऊंचाइयों को छुएगी। स्वचछता के क्षेत्र में कार्य करते हुए सभी वार्डो में स्वच्छता अभियान के साथ-साथ प्रत्येक रविवार हमने तालाबो के सफाई का अभियान हमने जन भागीदारी बढ़ाने और जागरूकता के दृष्टि से प्रारभ किया है। कवर्धा नगर पालिका अध्यक्ष के पद पर कार्य करते हुए 100 दिन पुरे हो रहे है। यह 100 दिन हमने अपना 100 प्रतिशत मेहनत व लगन से स्वच्छ, सुंदर और विकसित कवर्धा बनाने के दिशा में एक कदम आगे बढाया है। आप सभी के विश्वास और आशीर्वाद व मार्गदर्शन से नगर विकास की एक नई इबारत लिखी जा रही है। कार्यकाल के प्रथम 100 दिनों में जहां पारदर्शिता, जन संवाद और साफ-सफाई को प्राथमिकता दी गई, वहीं भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई बड़े निर्माण कार्य भी शुरू किए गए हैं। कवर्धा नगर वासियों ने जिस विश्वास के साथ हमारी टीम को सेवा करने का मौका दिया है नगर पालिका जनता और पालिका के सहयोग से चलने वाली सरकार है शहर को आगे बढ़ाने के लिए स्वच्छ सुंदर बनाने के लिए सयुक्त भागीदारी की हमेशा आवश्यकता होती है। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने आज 100 दिन कार्यकाल के पुरे होने पर ''शहर विकास पर आधारित पुस्तिका का विमोचन अपने स्थानीय प्रतिनिधित्व पूर्व विधायक अशोक साहू, जिला भाजपा अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुमार भट्ट, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर, देवकुमारी चंद्रवंशी, मनहरण कौशिक, राजेन्द्र सलूजा, जिला भाजपा उपाध्यक्ष नितेश अग्रवाल भाजपा प्रवक्ता जसविंदर बग्गा, शहर मंडल अध्यक्ष सतविंदर पाहुजा सहित नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, सभापतिगण, पार्षदगणों की मौजूदगी में कराया जाकर कवर्धा की जनता को समर्पित किया। इसमें 100 दिनों के कार्यो के झलकियाँ दिखाने का प्रयास एवं बीते 100 दिनों के भीतर हुए प्रमुख कार्यों, विकास योजनाओं और नागरिक सेवाओं का विवरण दिया गया है। श्री चंद्रवंशी ने पुस्तिका विमोचन के अवसर पर कहा, यह पुस्तिका केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि जनता के प्रति हमारी जवाबदेही और पारदर्शिता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इस पुस्तिका में क्षेत्रवार विकास कार्यों की जानकारी, संदेश, भविष्य का विजन व स्वच्छता के क्षेत्र में किये गये कार्यो को दर्शाया गया है।नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने नगर पालिका क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यो की विस्तृत जानकारी दी, उन्होनें बताया कि कवर्धा शहर के करपात्री स्कूल के सामने हनुमंत वाटिका का निर्माण, नगर पालिका कार्यालय के सामने चौपाटी निर्माण, नगर पालिका के पीछे वन विभाग कार्यो के सामने फूड पार्क का निर्माण, शिवाजी चौक का निर्माण, अटल परिसर का निर्माण,, पुराना नगर पालिका में पालिका बाजार का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा चुका है इसी तरह घोठिया रोड़ का चौड़ीकरण, रायपुर बिलासपुर मार्ग का सड़क निर्माण तथा वार्ड क्रं. 25 व 26 के निवासियों के लिए पानी टंकी का निर्माण किया जा रहा है।

संकल्प को सिद्धि के धरातल पर साकार करने का बीड़ा उठाया गरिमा ने

■ विधि स्नातक गरिमा अग्रवाल ने शिक्षित होकर दो नहीं, बल्कि अपने भाई गौरव के साथ मिलकर कई परिवारों की बेटियों को शिक्षित करने का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया

रायपुर, 13 जून। यह एक स्थापित सत्य है कि बेटी जब शिक्षित होती है तो वह अकेली नहीं, अपितु दो परिवार और कुल शिक्षित होते हैं। लेकिन एक बेटी ने शिक्षित होकर दो नहीं, बल्कि अपने भाई के साथ मिलकर कई परिवारों की बेटियों को शिक्षित करने का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करके आत्मकेंद्रित और भौतिकवादी होते जा रहे हमारे सामाजिक सरोकारों को एक रचनात्मक दिशा दी है।

अपने स्वस्फूर्त संकल्प को सिद्धि के धरातल पर साकार करने वाली राजधानी के व्यवसायी उमेश अग्रवाल की बिटिया विधि-स्नातक गरिमा अग्रवाल और बेटे गौरव अग्रवाल ने दिव्यांग बेटियों के हॉस्टल एवं शिक्षा हेतु मुक्तहस्त से अविस्मरणीय दान किया है। गरिमा ने लगभग 30 बच्चियों के लिए कन्या छात्रावास की व्यवस्था करने का बीड़ा उठाया है और उनके भाई गौरव अग्रवाल इस पवित्र संकल्प की पूर्ति में अपनी बहन के साथ कदम-से-कदम मिलाकर चल रहे हैं। भाई-बहन के इस संवेदनक्षम संकल्प की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है।

गरिमा और गौरव ने राजधानी के बजाज कॉलोनी (न्यू राजेन्द्र नगर) में संचालित अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल में कन्या छात्रावास के निर्माण का सारा खर्च वहन करने का निर्णय लेकर इस दिशा में सार्थक पहल की। इस विद्यालय में दिव्यांग बेटियों को पढ़ाने की व्यवस्था थी लेकिन बहुत-से गरीब परिवारों की बच्चियाँ आवास की सुविधा न होने के चलते शिक्षा से वंचित थीं। विदित रहे, अर्पण दिव्यांग स्कूल में ब्वॉय%ज हॉस्टल तो है लेकिन गर्ल्स हॉस्टल नहीं होने के कारण ग्रामीण क्षेत्र की दिव्यांग बच्चियाँ शिक्षा से वंचित हो रही थीं क्योंकि इन परिवारों की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे शहर में अपनी बच्चियों की पढ़ाई का खर्च बिना आवासीय सुविधा के उठा सकें। दिव्यांग बच्चियों की पढ़ाई के प्रति ललक और शिक्षा से वंचित रह जाने की पीड़ा ने तब एक स्वस्फूर्त संकल्प को जन्म दिया और गरिमा अग्रवाल ने बेटियों की शिक्षा के लिए प्रशंसनीय कार्य कर कन्या छात्रावास के निर्माण का पूरा खर्च उठाकर अविस्मरणीय कार्य किया। इससे यह स्पष्ट है कि एक 23 साल की लॉ ग्रेजुएट गरिमा के मन में यह भाव एक बेटी होने के नाते ही आया और गरिमा ने अपने नाम के अनुरूप बेटियों के लिए गरिमापूर्ण कार्य किया।

समाचार संक्षेप

कन्हारपुरी में पेड़ों की अवैध कटाई ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव13 मई। नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 34 कन्हारपुरी में हरे भरे पेड़ों की अवैध कटाई मामले में कुछ ग्रामीणों ने एसडीएम से शिकायत की है। शिकायत में उन्होंने बताया है कि गांव में कुछ लोगों ने 100 से ज्यादा पेड़ों की अवैध कटाई कन्हारपुरी से सुंदरा और मुक्ति धाम जाने वाले मार्ग में की है। उन्होंने पेड़ कटाई के दोषी व्यक्तियों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही करने की मांग की है। ग्रामीणों ने आगे बताया कि कन्हारपूरी वार्ड नं 34 राजनादगांव में कुछ लोगों द्वारा जिनका नाम इस प्रकार है टोपराम साहू, एवं माधो बजरंग पिता, रामलाल बजरंग और इनके साथियों द्वारा एक समिति बनाकर कन्हारपूरी से सुंदरा एवं मुक्तिधाम जाने वाले मार्ग के किनारे की लगभग 100 पेड़ो को जो शासकीय भूमि में थी उसे अवैध तरीके से कटाई कर बेचा जा रहा है और इनके द्वारा पूर्व में भी लाखो रुपये मे पेड़ो को बेचा गया है जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है और भारत सरकार द्वारा पर्यावरण एवं हरे भरे वृक्ष को बचाने का जो कानून बना है उसका उल्लंघन खुलेआम किया जा रहा है इस मामले में समिति के नाम पर खाता खुलवाया गया है उसकी जांच कर जल्द से जल्द कार्यवाही करें और अवैध पेड़ों कि कटाई करने वालो के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग की गई है।

मोहड नदी में अवैध रेत उत्खनन

राजनांदगांव, 13 जून। ग्राम मोहड नदी में अवैध तरीके से रेत निकालने के लिए रैम्प निर्माण के लिए जेसीबी चालक पहुचा था। जिसे रोकने लिए कुछ ग्रामीण घटना स्थल पर पहुचे जहां कार में 7 - 8 लोग उतर कर ग्रामीणो से मारपीट करने लगे आहत जितेन्द्र साहू ने बताया कि उस कार में ग्राम मोहड के पार्षद संजय रजक भी शामिल था। घटना में गांव के रोशन ठाकुर ,जितेंद्र साहू , ओम प्रकाश साहू को चोट आया मामला बढते देख अज्ञात व्यक्तियो के द्वारा फायरिंग कर अपनी अपनी कार से घटना स्थल से भाग गये मौके पर जेसीबी चालक भगवती निषाद व पार्षद संजय रजक उपस्थित थे जिसे ग्रामीणो द्वारा घेर कर रखा गया था । जिसे पुलिस टीम के द्वारा सुरक्षित थाना लाया गया। प्रार्थी जितेन्द्र साहू की रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर मे अपराध क्रमांक 257/2025 अपराध धारा 109(2), 191(2), 191(3), 190, 296, 115(2), 351(2) बीएनएस 25 ,27 आर्मस एक्ट एवं मायनिंग एक्ट की धारा 21 कायम कर विवेचना मे लिया गया है । घटना स्थल पर फायरिंग हुए तीन खाली खोखे व बुलेट के सामने वाले हिस्से को बरामद किया गया है । घटना से संबंधित जेसीबी व हाईवा गाडी क्रमांक ष्ट त 08ु ञ 5089 को जप्त कर लिया गया है । घटना मे शामिल जेसीबी चालक भगवति निषाद पिता परदेशी निषाद उम्र 49 साकिन ग्राम झोला थाना अंडा जिला दुर्ग व संजय रजक पिता शंकर लाल रजक उम्र 48 वर्ष साकिन मोहड़ जिला राजनांदगांव को आज दिनांक 12/06/2025 गिर0 कर न्यायालय पेश किया जा रहा है । फरार आरोपीयो की गिर हेतू अलग- अलग टीम रवाना किया गया है।

पुलिस चौकी चिचोला द्वारा अवैध शराब बिक्री पर कार्यवाही

राजनांदगांव, 13 जून। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग व मान अति. पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव राहूल देव शर्मा व मान पुलिस अनुविभागीय अधिकारी आशीष कुंजाम के दिशा-निर्देशन पर जिले में चलाये जा रहे अवैध शराब की बिक्री रोकने की मुहीम पर पुलिस चौकी प्रभारी निरीक्षक कृष्णा पाटले के नेतत्व में पुलिस चौकी चिचोला हमराह स्टाप दिनांक 11.06.2025 को मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम मुंगलानी रोड साहू किराना स्टोर के पास लालबहादूर नगर में एक महिला अपने हाथ में एक प्लास्टिक की थैला में अवैध रूप से शराब रखी है। जो अवैध रूप से धन अर्जित करने हेतु अवैध शराब बिक्री कर रही है। कि सूचना पर हमराह स्टाप एवं गवाहन के मौके पर रेड कार्यवाही किये मौके एक महिला लाल नीले रंग का थैला पकड़े खड़ी थी। उसका नाम पता पूछने पर अपना नाम कविता साहू पति नंदकुमार साहू उम्र 26 साल साकिन पाथरी लालबहादूर नगर पुलिस चौकी चिचोला जिला राजनांदगांव (छ0ग0) का रहने वाली बताई तलाशी लेने पर एक लाल नीला छींटदार प्लास्टिक के थैला में रखा 18 पौवा शोले प्लेन देशी शराब प्रत्येक पौवा में 180 मि.ली. व शराब बिक्री रकम 400/रू जुमला शराब 3.240 बल्क मिलीलीटर जुमला किमती 1840/रू समक्ष गवाहन के बरामद कर जप्त कर आरोपी का कृत्य धारा- 34(1) आबकारी एक्ट का घटित करना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफतार किया मामले जुर्म जमानतीय होने पर जमानत मुचलक पर रिहा किया गया।

■ आरोपी कविता साहू से 18 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 400 जब्त किया गया

नगर के कांग्रेसी पार्षद नरेश पटेल के अनुकरणीय कार्य को निवासियों ने सराहा

नगरी, 13 जून। नगर पंचायत नगरी के वार्ड क्रमांक 4 के कांग्रेसी पार्षद नरेश पटेल जो पेसे से सब्जी व्यापारी है और दैनिक बाजार में उनका सब्जी का दुकान है, नगर पंचायत चुनाव के दौरान अपने वार्ड वासियों से वादा किया था कि अगर आप मुझे पार्षद चुनते हैं तो मेरे द्वारा किसी भी वैवाहिक कार्यक्रम ;जन्मोत्सव एवं शोक कार्यक्रम में अपनी तरफ से 1000 की राशि दूंगा जिसे पार्षद बनते ही उन्होंने स्वयं की योजना जिसका नाम सेवा ही धर्म योजना बताते हुए चालू कर दिए है पार्षद नरेश पटेल बताते हैं कि सरकार किसी भी गरीब व्यक्ति के निधन होने पर 2000 की राशि श्रद्धांजलि योजना के अंतर्गत देती है और मैं अपनी स्वयं के तरफ से 1000 की राशि शोक संपत परिवार को देता हूं जिससे मुझे उस परिवार के साथ दुख की घड़ी में खड़े होने का अवसर भी मिलता है, इस कार्य से मुझे आत्मीय संतुष्टि मिलती है कि मैं किसी जरूरतमंद के काम आ पाया वैसे ही किसी भी गरीब कन्या का विवाह हो या किसी के यहां कोई शिशु जन्म ले और जन्म उत्सव कार्यक्रम हो तो मेरे द्वारा वहां भी 1000 की सहायता राशि दी जाती है जिसे मैं अनवरत जब तक पार्षद रहूंगा चलता रहूंगा जिसका जीता जागता उदाहरण कल नगर पंचायत में देखने को मिला वार्ड क्रमांक 04 के गीता बाई यादव पति मुरारी यादव के मृत्यु पर पुत्र दीपक यादव को नगर पंचायत की ओर से श्रृद्धाजंलि राशी 2000 रुपए और पार्षद नरेश पटेल की ओर से 1000 रुपए सहयोग राशि प्रदान किया गया। पार्षद नरेश पटेल की सेवा ही धर्म योजना का पूरे नगरी नगर में भूरी भूरी प्रशंसा हो रही है।

एक नजर

पीडब्ल्यूडी विभाग को जगाने किया धरना प्रदर्शन

राजनांदगांव, 13 जून। चार गांव के सैकड़ो लोगों ने कोपेडीह नेशनल हाईवे के पास चक्का जाम कर दिया है। जिससे दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। यह आंदोलन कोपेडीह आलीखुंटा, आरगांव और बोदेला रोड जर्जर होने के चलते किया गया है। इस साल के बजट में रोड डामरीकरण के लिए प्रशासकीय स्वीकृति नहीं होने से लोग लोक निर्माण विभाग सहित सरकार पर गुस्सा उतार रहे हैं। ज्ञात हो कि नेशनल हाईवे ह॥ (रायपुर से नागपुर) से लगा हुआ ग्राम कोपेडीह, आलीखुटा, आरगांव, बोदेला पहुंच मार्ग 05 कि.मी. जो काफ जर्जर हो गया है 2023-24 के बजट में शामील होने के बाद भी रोड को नही बनाया गय है। ग्रामवासीयो को और स्कूली बच्चो को आवागमन करने में बहुत परेशानी होता है। मजबुतीकरन एवं डामरीकरन करने के लिए विगत 10 वर्षो से ग्राम वासियो के द्वारा मांग किया जा रहा है। आंदोलन के सभा को संबोधित करते हुए जिला किसान कांग्रेस के अध्यक्ष मदन साहू ने कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार थोथा चना बाजे घना की तर्ज पर काम कर रही है एक ओर विकसित भारत का सपना दिखाती है और दूसरी ओर बुनियादी समस्याएं हल नहीं कर पाती है यह कैसी सरकार है।

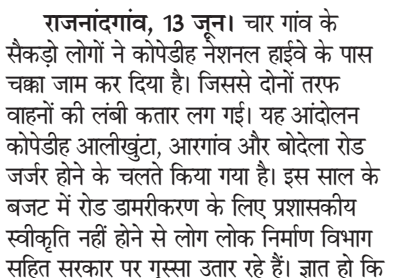

देश विदेश में बसा सिंधी समाज शंकराचार्यों के गो प्रतिष्ठा आन्दोलन को देगा साथः साईं मसंद

रायपुर, 13 जून। परमाराध्य परमधर्माधीश ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामिश्री॰ अविमुक्तेश्वरानंद॰ सरस्वती जी महाराज द्वारा देश के अन्य शंकराचार्यों एवं अनेक गोप्रेमी संगठनों का साथ लेकर गौमाता के प्राणों की रक्षा व उनको राष्ट्रमाता घोषित कराने हेतु चलाए जा रहे गौमाता राष्ट्रमाता प्रतिष्ठा आंदोलन को देश विदेश में बसा सिंधी समाज तन-मन-धन से साथ देगा। यह संकल्प परम धर्म संसद 1008 के केन्द्रीय कार्यालय श्रीविद्यामठ, वाराणसी में मसन्द सेवाश्रम रायपुर छत्तीसगढ़ के पीठाधीश एवं परम धर्म संसद 1008 के संगठन मंत्री, सिंधी समाज के विख्यात संत साईं जलकुमार मसंद साहिब जी की अध्यक्षता में आयोजित शंकराचार्य स्वामिश्री॰ अविमुक्तेश्वरानंद॰ सरस्वती जी महाराज द्वारा देश विदेश में बसे सिंधी समाज के गो प्रतिष्ठा अभियान से जुड़ने सम्बंधी पुस्तिका के किये गये विमोचन के कार्यक्रम में उभर कर सामने आया।

हम सभी की साझी भागीदारी से ही पर्यावरण संरक्षण का संकल्प होगा पूराः साय

रायपुर 13 जून। मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा, विकास का मूलमंत्र है और यह राष्ट्र के समग्र विकास की प्रारंभिक तथा अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि निजी शिक्षण संस्थानों ने भी शिक्षा के विस्तार में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसे प्राप्त करने में हम सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। राज्य सरकार ने इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विकसित छत्तीसगढ़ का विज़न डॉक्यूमेंट तैयार किया है और इस दिशा में निरंतर प्रयासों को गति प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 25 वर्ष का छत्तीसगढ़ आज अपनी रजत जयंती मना रहा है और इस यात्रा में राज्य ने चहुंमुखी विकास की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे प्रतिष्ठित केंद्रीय संस्थान कार्यरत हैं, जो राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की गंभीर चुनौती से जूझ रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने वर्ष 2070 तक नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य तय किया है, जिसकी दिशा में देश ने तीव्र गति से कदम बढ़ाए हैं।

नारी शिक्षा और सशक्तिकरण में अहिल्याबाई होल्कर का महत्वपूर्ण योगदानः सीएम साय

■ महारानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का अनावरण

■ कन्वेंशन सेंटर का नामकरण महारानी अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर करने की घोषणा

रायपुर, 13 जून। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज कोरबा जिले के प्रवास के दौरान कन्वेंशन सेंटर में लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का लोकार्पण किया और कन्वेंशन सेंटर को महारानी के नाम पर करने की घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने जिलेवासियों को लगभग 223 करोड़ 88 लाख रूपए से अधिक लागत के 66 विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर प्रजावत्सल और न्यायप्रिय शासक थीं। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए, नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ ही उन्होंने देश के महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों, धार्मिक स्थलों को संवारा और नई पहचान दिलाई। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कन्वेन्शन सेंटर को वातानुकूलित बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वे छः माह पहले भी कोरबा आये थे, इस दौरान भी 600 करोड़ रूपए से अधिक की राशि के विभिन्न विकास कार्यों की सौगातें दी गई। आज सवा दो सौ करोड़ के विकास कार्यों की सौगात से कोरबा जिले के लोगों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री साय ने ऐलुमिनियम पार्क की स्थापना के लिए आवश्यक पहल करने की बात कही। उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम के तहत कन्वेन्शन सेंटर परिसर में सिंदूर का पौधा भी लगाया। उन्होंने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जीवनी पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री अरूण साव और उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन भी ने सम्बोधित किया।

लोकार्पण एवं शिलान्यास - मुख्यमंत्री साय द्वारा लोकार्पित किए गए कार्यों में मुख्य रूप से जल जीवन मिशन के अंतर्गत 11 गांवों में एकल ग्राम नल-जल योजना, 3 गांवों में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन, स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय नवीन भवन/जीर्णोद्धार कार्य, और 47 छात्रावासों-आश्रमों में 2.4 किलोवाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट स्थापना कार्य शामिल हैं। इसी प्रकार भूमि पूजन के प्रमुख कार्यों में नगर पालिक निगम कोरबा हेतु 100 टीपीडी सालिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट, प्रधानमंत्री ई-बस सेवा अंतर्गत सिटी बस डिपो-टर्मिनल कॉपलेक्स, 100 बेड हॉस्पिटल में एसएनसीयू हॉल, प्रशिक्षण हॉल सहित अन्य निर्माण कार्य, अयोध्यापुरी तालाब में जल संवर्धन कार्य एवं जिला खनिज संस्थान न्यास मद तथा 15 वें वित्त आयोग के विभिन्न कार्य शामिल हैं।

भाजपा के कुशासन में संस्कारधानी में खुले आम चल रहा गुंडाराजः मिश्रा

■ कहा - ग्रामीण, आदिवासियों पर रेत तस्कर चला रहे गोली, संसद विधायक महापौर तीनों इंजन ठप

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 13 जून। राजनांदगांव के मोहड़ वार्ड में रेत तस्करी का विरोध कर रहे ग्रामीणों पर गोली चलने के मामले पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया पैनलिस्ट अभिमन्यु मिश्रा ने भाजपा सरकार की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि भाजपा राज में जो कभी नहीं हुआ वो भी हो रहा है, संस्कारधानी राजनांदगांव में लगातार हो रही रेत तस्करी का विरोध कर रहे ग्रामीणों पर तस्करों ने बंदूक तान दी यहां तक गोली भी चला दी जिससे एक आदिवासी युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती किया गया है एक और ग्रामीण जितेंद्र साहू को भी जिला चिकित्सालय भेजा गया है, हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से कामना करते हैं । राजनांदगांव जिला जिसे वीआईपी जिला माना जाता है उपमुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा यहां के प्रभारी मंत्री हैं, हर बात में श्रेय लेने आगे रहने वाले दूसरी बार के सांसद संतोष पांडे का संसदीय क्षेत्र, पूर्व मुख्यमंत्री वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह यहां के विधायक हैं उसके अलावा शहर के तीसरी बार के महापौर मधुसूदन यादव भी हैं इन सभी के राजनांदगांव को समृद्ध व विकासशील बनाने के खोखले दावों के बीच तस्कर खुले आम जनता पर गोली चला रहे हैं विष्णुदेव के कुशासन में आदिवासियों पर गोली चल रही है लेकिन अबतक ये सभी नेता मौन हैं, यहां तक वार्ड पार्षद के भी मिले होने की बात बताई जा रही है जो कि ग्रामीणों के घेरने के बाद डर कर पुलिस के वाहन में बैठ कर निकाला, यह सिद्ध करता है कि किस तरह तीनों इंजनों की हवा निकल चुकी है।

दोहरे हत्या कांड मामले का पुलिस ने किया खुलासा

राजनांदगांव, 13 जून। बोरतलाव क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम बागरेकसा जंगल रास्ते में एक अज्ञात शव मिलने की सूचना पर थाना बोरतलाव पुलिस द्वारा मौके पर पहुंच कर मर्ग कायम कर जांच कार्यवाही प्रारंभ की गई थी मर्ग जाच के दौरान मृतक की पहचान सूरज सेन पिता कृत लाल सेन उम्र 23 वर्ष, निवासी सहसपुर दल्ली थाना ठेलकाडीह, जिला खैरागढ़ के रूप में हुई थी एवं पीएम रिपोर्ट के आधार पर मृतक की मृत्यु किसी भारी वस्तु/ पत्थर से वार कर गंभीर चोट पहुंचाकर हत्या करने के फलस्वरूप होने की जानकारी मिली थी। मर्ग जांच पर से थाना बोरतलाव में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 27/25, धारा 103 (1) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही किया जा रहा था।

तीन माह से नहीं मिला मनरेगा कर्मियों का वेतन सीईओ को दिया ज्ञापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरिया, 13 जून। हर हाथ को काम देने वाले मनरेगा कर्मियों को तीन माह से अधिक हो जाने के बाद भी वेतन नहीं मिलने से परेशान होकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत छुरिया को ज्ञापन सौंपा कर अपना पीड़ा बताया।छत्तीसगढ़ राज्य में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजनांतर्गत मनरेगा कर्मी कार्यरत है, वेतन भुगतान हेतु राशि आंबटन अप्राप्त होने के कारण मनरेगा कर्मियों को 03 माह से वेतन नहीं मिला है। जिसके कारण न केवल कार्यालयीन कार्य अपितु घरेलु आवश्यकताऐं, बच्चों की स्कूल फीस, मकान का किराया एवं रोजमर्रा की जरूरते पूरी करने में विभिन्न परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर मनरेगा संघ द्वारा मनरेगा कर्मी को हर माह वेतन देने के सम्बन्ध में पूर्व में ही उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जा चूका है इसके बावजूद भी समस्या थमने का नाम नहीं ले रहा है, मनरेगा विभाग के अंतर्गत मनरेगा प्रभारी कार्यक्रम अधिकारी, प्रोग्रामर, लेखापाल, सहायक ग्रेड तीन, कंप्यूटर ऑपरेटर,भृत्य, ग्राम रोजगार सहायक सहित अन्य पदों पर अधिकारी कर्मचारी कार्यरत हैं।

धरना- प्रदर्शन में हुए सामिल हुए जिले के हजारों आदिवासी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरिया, 13 जून। अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन सहित एटी.एसी.वर्ग के 16 सामाजिक संगठनों के अगुवाई एवं सहभागिता से आरक्षित वर्ग के पदोन्नति में आरक्षण सहित 9 सूत्रीय मांगों को लेकर गत 11जून को तूता रायपुर में आयोजित राज्यव्यापी धरना-प्रदर्शन में राजनांदगाँव जिले के हजारों आदिवासी सामिल होकर अपनी आवाज़ बुलंद की। सर्व आदिवासी समाज के जिला संरक्षक, कोयतुर गोंड़ समाज ब्लाक इकाई छुरिया-डोंगरगढ़ के अध्यक्ष एवं अजजा शासकीय सेवक विकास संघ ब्लाक इकाई छुरिया के संरक्षक दिनेश कुरेटी दिलेर ने बताया कि छत्तीसगढ़ अजाक्स,अजजा शासकीय सेवक विकास संघ,छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल आरक्षित वर्ग अधिकारी कर्मचारी कर्मचारी संघ एवं छत्तीसगढ़ सोशल जस्टिस एंड लीगल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के 16 सामाजिक संगठनों के अगुवाई एवं सहभागिता से गत 11जून को आरक्षित वर्ग के पदोन्नति में आरक्षण सहित आरक्षित वर्ग के 9 सूत्रीय मांगों को लेकर तुता मैदान नवा रायपुर में राज्यव्यापी धरना-प्रदर्शन किया गया।

जीवन कालोनी तथा अटल आवास के पास सामुदायिक भवन बनाने महापौर मधुसूदन यादव ने किया भूमिपूज

■ आंगनबाडी में नवजात शिशुओ का हुआ अन्नप्राशन एवं गर्भवती महिलाओ को सुपोषण कीट वितरण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 12 जून। नगर विकास की कडी में नगर निगम द्वारा मूलभूत सुविधा रोड नाली के अलावा सामुदायिक भवन, उद्यान, मुक्तिधाम उन्नयन, तालाब सौंदर्यीकरण कार्य कराया जा रहा है। इसी कडी में आज महापौर मधुसूदन यादव ने वार्ड नं. 45 के जीवन कालोनी तथा अटल आवास 150 क्वाटर के पास अधोसंरचना पर्यावरण उपकर निधि अंतर्गत 10-10 लाख रूपये की लागत के सामुदायिक भवन निर्माण के लिए दोनो स्थानो में अलग अलग आयोजित कार्यक्रम में भूमिपूजन पूजा अर्चना कर श्रीफल फोड कर किया। इस अवसर पर महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य आलोक श्रोती, श्रीमती वर्षा सिन्हा, श्रीमती केवरा राय, डिलेश्वर साहू, वार्ड पार्षद दुरेन्द्र साहू, पार्षद श्रीमती श्रुति लोकेश जैन,रवि सिन्हा, श्रीमती अमृता सिन्हा, सतीश साहू, सेवक उईके, शेखर यादव, शेखर लश्करे, श्रीमती खेमीन राजेश यादव, पूर्व पार्षद अतुल रायजादा, शरद सिन्हा, विजय राय, पार्षद प्रतिनिधि पंकज कुंजरेकर, सामाजिक कार्यकर्ता सुमित भाटिया, श्रीमती आरती पवार, लाल मुनाई विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में महापौर सहित अतिथियों ने आंगन बाडी में गर्भवति महिलाओ को सुपोषण कीट का वितरण कर नवजात शिशुओ का अन्न प्रासन कराया। कार्यक्रम में महापौर यादव ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं सांसद संतोष पाण्डे की अनुशंसा पर शासन द्वारा मूलभूत सुविधा रोड नाली निर्माण सहित राज्य प्रवर्तित योजनांतर्गत सामुदायिक भवन,मुक्तिधाम उन्नयन, तालाब सौंदर्यीकरण, उद्यान निर्माण कार्यो के लिये राशि उपलब्ध कराये है।

संपादकीय

छात्रों की खुदकुशी

उच्चतम न्यायालय ने डांटने के बाद छात्र के आत्महत्या करने के मामले में आरोपी को बरी कर दिया। पीठ ने कहा कि कोई भी सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता कि डांटने के कारण ऐसी दुखद घटना घट सकती है। अदालत ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने के अपराध से शिक्षक को बरी करने से इनकार कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा इस तरह की डांट-फटकार कम-से-कम यह सुनिश्चित करने के लिए थी कि दूसरे छात्र द्वारा की गई शिकायत पर ध्यान दिया जाए और सुधारात्मक उपाय किए जाएं। आरोपी के अनुसार, यह डांट-फटकार अभिभावक के रूप में थी, ताकि छात्र गलती दोबारा न दोहराए। दोनों के दरम्यान कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, छात्रों की आत्महत्या के मामलों में तेजी आती जा रही है। 2024 में लांच की गई रिपोर्ट, छात्र आत्महत्याएं- भारत में फैली महामारी के अनुसार छात्रों में आत्महत्या के मामलों में 4 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि देखी गई है, जो राष्ट्रीय औसत से दोगुनी है। पिछले दशक में 0-24 वर्ष के छात्रों की खुदकुशी की संख्या बढ़कर साढ़े तेरह हजार तक हो गई है। बीते हफ्ते ही सबसे बड़ी अदालत ने राजस्थान सरकार को कोटा में बढ़ती जा रही छात्रों की आत्महत्याओं पर न सिर्फ फटकार लगाई है बल्कि जांच करने को भी कहा है। नई पौध का जीवन बेशकीमती होता है। बावजूद इसके कि सारी दुनिया में तनाव, अवसाद व चिंता के मामले बढ़ते जा रहे हैं। जिनकी चपेट में आने से कोई वर्ग बचा नहीं है। छात्रों पर पढ़ाई का अत्यधिक बोझ तो है ही। उन पर शिक्षास्थल के वातावरण, प्रतिस्पर्धा, रिहायश, खान-पान का भी काफी दबाव बढ़ता जा रहा है। कई मर्तबा वे अपने गृहनगर व परिवार से दूरियों से भी जूझ रहे होते हैं। जरूरी नहीं कि हर मामले में शिक्षक या संबंधित शख्स की मंशा स्पष्ट हो। बेशक यह साक्ष्यों पर निर्भर करता है, परंतु किशोरावस्था में स्वाभिमान पर लगने वाली ठेस भी कभी-कभी जानलेवा हो सकती है। जरूरी है कि किशोरवय में उचित काउंसलिंग और मनोविश्लेषकों की मदद की सुविधा अनिवार्य की जाए। बच्चों को नियम-कायदों में रहना चाहिए मगर प्रबंधन व शिक्षकों को भी उनके बेशकीमती जीवन व स्वाभिमान का ख्याल रखना सीखना चाहिए।

राशिफल

मेष आज आपका दिन अच्छे पल लेकर आया है। रूका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो फायदा हो सकता है। आज व्यस्तता से भरी दिनचर्या रहेगी, फिर भी आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभा लेंगे। आज घर में खास मेहमानों के आने से खुशी भरा माहौल रहेगा। अगर आप किसी उद्देश्य से यात्रा का प्लान कर रहे हैं, तो वह उत्तम रहेगा। आप जितनी मेहनत करेंगे आपको उतने ही बढ़िया नतीजे भी मिलेंगे।

वृष आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे जिनसे अच्छा ताल मेल बनेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स के व्यापारियों का कारोबार तेजी से आगे बढेगा। आज काम करने के तरीको में बदलाव न करके मौजूदा स्थिति पर ही फोकस करेंगे। आज बिजनेस के कामों में कोई भी फैसला लेते वक्त परिवार वालों की सलाह जरूर लें, आपको उचित समाधान मिलेगा।

मिथुन आज आपका दिन आपके लिए बहुत ही खास होने वाला है। आज नया सीखने की चाहत आपके अनुभव को और अधिक बढ़ाएगी। आज कोई भी समस्या होने पर अनुभवी लोगों का सहयोग मिलने से समस्या दूर होगी। आज राजनीतिक व सामाजिक संपर्क सूत्र आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे।

कर्क आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिये आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। दफ्तर में कोई उलझा हुआ मामला आज सुलझ सकता है। आज ऑफिस में खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करने का बेहतरीन समय है। नौकरी कर रहे व्यक्ति अपने उच्चाधिकारियों के साथ अच्छा व्यव्हार करेंगे और समय पर अपने काम को पूरा करें।

सिंह आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। दाम्पत्य जीवन में चल रही नोक झोंक ख़त्म होगी, जीवनसाथी के साथ रिश्ता मजबूत बनेगा। आज व्यवसाय में भविष्य की कार्य योजनाओं के लिए उचित मंथन करने की जरूरत है। आज व्यवसायिक कामों में सहयोगियों और जीवनसाथी के निर्णय को प्राथमिकता देंगे। आज घर में किसी मांगलिक कार्य संबंधी योजना बनेगी और सुखद माहौल रहेगा।

कन्या आपका दिन आपके परिवार वालों के लिए खुशियां लेकर आया है। आज अपनी दिनचर्या को लेकर बनाए गए नियम आपको राहत देंगे तथा कार्य व्यवस्थित रूप से संपन्न होते जाएंगे। आज किसी विशेष पॉलिसी में निवेश निकट भविष्य में फायदेमंद साबित होगा। आज पैतृक संपत्ति से संबंधित मामला आपसी मध्यस्थता से हल हो सकता है।

तुला आज आपका दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज जरुरी काम के लिए समय निकालना मुश्किल होगा, लेकिन दोपहर बाद समय मिल जायेगा। रियल स्टेट से जुड़े लोगों की आज फायदेमंद डील हो सकती हैं। आज कार्यस्थल पर पेपर वर्क करते समय सावधानी रखने की जरुरत होगी। आज जीवनसाथी तथा परिवारजनों के सहयोग से घर में सुखद व्यवस्था रहेगी।

वृश्चिक आज आपका दिन ठीक - ठाक बीतेगा। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा और शैक्षिक कार्यो में सफलता मिलेगी। लेखन, बौद्धिक आदि कार्यो से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज किसी पर भी भरोसा करने से पहले सोच विचार अवश्य कर लें। आज व्यक्तिगत कार्यो के साथ-साथ घरेलू जिम्मेदारियां भी बढ़ेगी।

धनु आपके लिए अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। आज आपको गतिविधियों को गोपनीय रखना होगा साथ ही आसपास की गतिविधियों को नजरअंदाज ना करें। आज दूसरों से मदद की उम्मीद ना रखकर अपनी कार्य क्षमता पर विश्वास रखें। ध्यान रखें कि आपकी जिद से आपका काम खराब हो सकता है। परिवारजनों के साथ मनोरंजन में अच्छा समय बीतेगा।

मकर आज आपके लिए दिन पाज़िटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपकी अच्छी बनी रहेगी। सॉफ्टवेयर इंजीनियर अपने क्षेत्र में अच्छी मेहनत करेंगे। आज दिन की शुरुआत में कोई उलझन रह सकती है, लेकिन परिवार की मदद मिलेगी। आज नई योजना पर काम करने से अच्छे नतीजे मिल सकते हैं। आप चुनौतियों को एक्सेप्ट करेंगे और क्रिएटिव रहेंगे। इस राशि के विद्यार्थियो की मेहनत रंग लाएगी।

कुंभ आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आज आप पर अधिक जिम्मेदारियां रहेंगी जिन्हें आप काफी हद तक पूरा भी कर लेंगे। नए लोगों से जुड़ने से आपको कई बेहतरीन जानकारियां भी मिलेंगी। आज आध्यात्मिक गतिविधियों में कुछ समय बिताने से आप अपने अंदर शांति महसूस करेंगे। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा, अधिकारियों से खास मामलों पर बातचीत होगी।

मीन आज आपका दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज कारोबारी गतिविधियों को व्यवस्थित करने में अभी और कोशिश करनी होंगी। अपने काम की क्वालिटी को और अधिक बेहतर बनाएंगे। पार्टनरशिप संबंधी व्यवसाय में आपका उचित तालमेल बना रहेगा। इस राशि के लोगों को अपनी जिम्मेदारियों को समझकर काम नियत समय पर पूरा करने की जरूरत है। लवमेट आज घूमने जाने का प्लान बनायेंगे।

बीज से बाजार तक: किसान कल्याण को समर्पित सरकार

किसानों की उपज का उचित दाम; मोदी सरकार की गारंटी

✍ **शिवराज सिंह चौहान**
(केंद्रीय कृषि मंत्री)

भारत एक कृषि प्रधान राष्ट्र है, जहां किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक

संरचना का एक मजबूत स्तंभ है। जब किसान मिट्टी को जोतता है तो वह सिर्फ फसल नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों के लिए जीवन और समृद्धि का बीज बोता है। कृषि क्षेत्र करोड़ों लोगों को आजीविका देता है। साथ ही, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास का प्रमुख आधार भी है। ऐसे में राष्ट्र की प्रगति के लिए हमारे किसान भाइयों-बहनों की उन्नति आवश्यक है।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार ने कृषि और किसान कल्याण को नीति-निर्माण की सर्वोच्च प्राथमिकता में स्थान दिया है। किसानों की मेहनत को उचित सम्मान मिले, उनकी फसल को सही दाम मिले और उनका जीवन खुशहाली से भरा हो, इसके लिए केंद्र सरकार संकल्पित है। आज संपूर्ण देश ऐसी नीतियों और प्रयासों का साक्षी बना है, जो किसानों की समृद्धि व आत्मनिर्भरता के लिए अटूट प्रतिबद्धता दर्शाते हैं।

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सरकार का हर कदम-हर योजना-हर निर्णय किसानकल्याण के लिए समर्पित है। बीते दशक में केंद्र सरकार ने किसानकल्याण के लिएऐतिहासिक कदम उठाए हैं, जिनसे न केवल किसानों की आय बढ़ी, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी सुदृढ़ हुआ है। चाहे न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में अभूतपूर्व वृद्धि हो, फसलों की खरीद में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो या तकनीकी नवाचारों के माध्यम से खेती को आधुनिक बनाने का प्रयास; केंद्र सरकार ने हर क्षेत्र में किसानों के लिए दिन-रात काम किया है। किसान हितैषी नीतियों, तकनीकी के उपयोग, नवाचार और बाज़ार तक सुगम पहुंच के माध्यम से भारत एक ऐसी कृषि व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जो टिकाऊ, समावेशी और भविष्य उन्मुख हो।

पहले के समय में हमारे किसान फसल लागत से नाममात्र का लाभ कमा पाते थे, पर आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने स्पष्ट नीति बनाई कि हर फसल पर उसकी लागत से ऊपर, कम से कम 50त्न मुनाफा सुनिश्चित होगा। आज खरीफव रबी की प्रमुख फसलों के MSP में 1.8 से 3.3 गुना तक की वृद्धि की गई है। कभी धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2013-14 में 1310 प्रति क्विंटल था, जो 2025-26 में बढ़कर 2369 हो गया है। इसी तरह ज्वार का MSP 1500 से बढ़कर 3699, बाजरा 1250 से 2775, रागी 1500 से 4886, मक्का 1310 से 2400, तूर (अरहर) 4300 से 8000, मूंग 4500 से 8768, उड़द 4300 से 7800, मूंगफली 4000 से 7263, सूरजमुखी बीज 3700 से 7721, सोयाबीन (पीला) 2560 से 5328, तिल 4500 से 9846, रामतिल 3500 से 9537, कपास 3700 से 7710 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। रबी फसलों में गेहूं का रूस्क्र 1400 से 2425, जौ 1100 से 1980, चना 3100 से 5650, मसूर 2950 से 6700, रेपसीड/सरसों 3050 से 5950, कुसुम्भ 3000 से 5940, पटसन 2400 से 5650 और कोपरा 5250 से 11582 रुपये प्रति क्विंटल तक बढ़ाया गया है। इन सभी फसलों के MSP में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है, जिससे किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम मिलना सुनिश्चित हुआ है।

2004-14 के मुकाबले 2014-2025 के दौरान MSP पर खरीदी गई फसलों की मात्रा और भुगतान में भी रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। धान की खरीद 45 करोड़ 90 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 76 करोड़ 8 लाख मीट्रिक टन (1.7 गुना), गेहूं 22 करोड़ 54 लाख से 33 करोड़ 37 लाख (1.4 गुना), दलहन 6 लाख 29 हजार से 1 करोड़ 80 लाख (28.6 गुना), तिलहन 47 लाख 75 हजार से 1 करोड़ 27 लाख (2.7 गुना), वाणिज्यिक फसलें 35 लाख 27 हजार से 80 लाख 83 हजार (2.3 गुना) और सभी MSP फसलें मिलाकर 69 करोड़ 87 लाख से 113 करोड़ 92 लाख मीट्रिक टन (1.6 गुना) हो गई हैं। किसानों को भुगतान की गई MSP राशि भी सभी फसलों के लिए 7 लाख 41 हजार करोड़ से बढ़कर 23 लाख 61 हजार करोड़ रुपये (3.2 गुना) हो गई है। धान के लिए 4 लाख 44 हजार करोड़ से 14 लाख 16 हजार करोड़ (3.2 गुना), गेहूं के लिए 2 लाख 56 हजार करोड़ से 5 लाख 65 हजार करोड़ (2.2 गुना), दलहन के लिए 19 सौ करोड़ से 98 हजार करोड़ (51 गुना), तिलहन के लिए 9 हजार करोड़ से 65 हजार करोड़ (7.1 गुना), वाणिज्यिक फसलों के लिए 26 हजार करोड़ से 1 लाख 33 हजार करोड़ (5 गुना) रुपये का भुगतान हुआ है।ये आंकड़े किसानों के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता, किसानों की मेहनत

का सम्मान और उनकी आर्थिक मजबूती का प्रमाण हैं।

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि दलहन, तिलहन और वाणिज्यिक फसलों जैसे तिल, मूंगफली और सूरजमुखी में भी रिकॉर्ड MSP वृद्धि हो, ताकि किसानों को फसल विविधता का लाभ मिले और उनकी आय में स्थिरता आए। केंद्र सरकार ने केवल MSP बढ़ाने तक ही खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया है कि यह लाभ सीधे किसानों के खाते में पहुंचे। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से हमने पारदर्शिता और गति के साथ किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम दिलाया है। यह एक ऐसी कृषि क्रांति है, जो हमारे किसान भाइयों-बहनों का जीवन व खेती की दशा-दिशा बदल रही है। अब किसान निश्चिंत होकर खेती करता है, क्योंकि उसे पता है कि उसकी फसल का उचित मूल्य व समय पर भुगतान सुनिश्चित मिलना है।

आज केंद्र सरकार बीज से बाजार तक, हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड से किसानों को अपनी मिट्टी की सेहत जानने और सही फसल चुनने में मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक सुरक्षा दे रही है। ई-नाम के जरिए डिजिटल बाजार से जुड़कर किसानों को बेहतर दाम मिल रहा है। ड्रोन और स्मार्ट सिंचाई तकनीक खेती को आसान और आधुनिक बना रहे हैं। इसके साथ ही, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, और कृषि यंत्रों पर अनुदान के माध्यम से हमने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का हरसंभव प्रयास किया है।सरकार ने किसानों को ब्याज सहायता के तहत किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) के माध्यम से 3 लाख रुपये तक का अल्पकालिक ऋण 7% ब्याज पर उपलब्ध कराया है, समय से चुकाने पर 3त्न अतिरिक्त छूट मिलती है, जिससे प्रभावी ब्याज दर 4% रह जाती है। देश में 7.75 करोड़ से अधिक KCC खाते हैं, जिससे किसानों को सस्ता व सुलभ ऋण मिल रहा है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, ई-नाम, ड्रोन, स्मार्ट सिंचाई, प्राकृतिक खेती, कृषि यंत्रों पर अनुदान आदि के माध्यम से खेती को आधुनिक-टिकाऊ बनाया जा रहा है।

चना, मसूर, उड़द और अरहर जैसी फसलों की खरीद और भुगतान की व्यवस्था को और मजबूत किया गया है, ताकि किसानों को समय पर उसका पूरा हक मिले। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (PM-AASHA) के तहतमूल्य समर्थन योजना (PSS), मूल्य न्यूनता भुगतान योजना (PDPS), बाजार हस्तक्षेप योजना (MIS) और मूल्य स्थिरीकरण निधि (PSF) को लागू किया गया हैं। PSS के तहत दलहन, तिलहन व कोपरा की MSP पर खरीद सीधे किसानों से की जाती है। 2024-25 में सोयाबीन की 19.97 लाख मीट्रिक टन व मूंगफली की 17.73 लाख मीट्रिक टन खरीद की गई, जो अब तक की सबसे अधिक है। तूर, उड़द और मसूर की 100% खरीद सुनिश्चित की गई है, जिससे इन फसलों की खेती को बढ़ावा मिला है। PDPS के तहत तिलहन किसानों को MSP व बाजार मूल्य के अंतर की भरपाई सीधे उनके खाते में की जाती है।

राज्यों को खरीद के लिए पर्याप्त मात्रा स्वीकृत की गई है और आवश्यकता अनुसार समय-सीमा भी बढ़ाई जाती है। MIS के तहत अदरक की खरीद कर्नाटक में, लाल मिर्च की खरीद आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में, टमाटर की खरीद मध्यप्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में NCCF व NAFED के माध्यम से की गई है। गुजरात को चना खरीद के लिए 3.27 लाख मीट्रिक टन की स्वीकृति दी गई। महाराष्ट्र में तूर और असम में सरसों की खरीद की अवधि बढ़ाई गई है। कर्नाटक में अदरक की खरीद के लिए MIS लागू किया गया है। सरकार ने मिशन आत्मनिर्भरता इन पल्सेज़ के तहत PSS के लिए सरकारी गारंटी 45,000 करोड़ से बढ़ाकर 60,000 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव भी रखा है, ताकि खरीद व भंडारण की प्रक्रिया को और मजबूत किया जा सके। साथ ही, खरीदी गई फसलों के शीघ्र निपटान के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने TOP (टमाटर, प्याज, आलू) फसलों के भंडारण और परिवहन लागत की प्रतिपूर्ति के लिए भी नई व्यवस्था लागू की है।

आज का युग विज्ञान और तकनीक का है। खेती को उन्नत और विकसित बनाने के लिए हमारे वैज्ञानिक कई तरह के प्रयोग कर रहे हैं। लैब में होने वाली रिसर्च लैंड तक पहुंचे और किसान सीधे विज्ञान से जुड़े, इसके लिए देशभर में विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत 29 मई से 12 जून तक देश के 700 से अधिक जिलों में 16 हजार वैज्ञानिक गांव-गांव जाकर किसान भाइयों-बहनों को उन्नत खेती की तकनीक, बेहतर बीज, जैविक खाद और जलवायु अनुकूल खेती के तरीकों की जानकारी दे रहे हैं, जिससे न सिर्फ उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि उन्नत कृषि के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था को भी और गति मिलेगी। इन सभी पहलों और उपलब्धियों के साथ, मोदी सरकार ने किसानों के हित में ऐतिहासिक व निर्णायक कदम उठाए हैं। तकनीकी नवाचारों के साथ ये पहलें किसानों को आत्मनिर्भर, समृद्ध व खुशहाल बनाने की दिशा में मील का पत्थर हैं। यह प्रतिबद्धता भविष्य में भी अटूट रहेगी, ताकि हमारे किसान सशक्त बने व देश कृषि महाशक्ति की ओर अग्रसर हो।

संकल्प से सिद्धि

मोदी युग ने गढ़ी नए भारत की सशक्त, सुरक्षित और विकसित तस्वीर

✍ **पीयूष गोयल**
(केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री)

वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली, तब भारत एक अहम मोड़ पर खड़ा था। एक ऐसा देश, जहां

आकांक्षाएं तो थीं लेकिन उनके पूरे होने की दिशा स्पष्ट नहीं थी। लेकिन बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिस दिशा और गति से विकास की यात्रा तय की है, वह आज 'न्यू इंडिया' के रूप में दुनिया के सामने खड़ा है। आज भारत आत्मविश्वास से भरा, आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर और वैश्विक मंच पर अपनी स्पष्ट आवाज रखने वाला राष्ट्र है।

इस बदलाव की शुरुआत गरीबों के जीवन स्तर को सुधारने से हुई। आजादी के छह दशकों बाद भी भारतवासी घर, शौचालय, जल और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहे। इस दिशा में पहल करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छ भारत अभियान के तहत करोड़ों गरीब परिवारों को पक्के घर और शौचालय बनाकर दिए गए। उज्ज्वला योजना के माध्यम से निशुल्क गैस कनेक्शन देकर करोड़ों महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाई जबकि आयुष्मान भारत जैसी स्वास्थ्य योजनाओं ने गरीबों को ?5 लाख तक की बीमा सुरक्षा देकर उन्हें आर्थिक आपदा से बचाया। हर घर जल अभियान के माध्यम से करोड़ों ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया गया। ये योजनाएं सिर्फ कागजों की नीतियां नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत में तब्दील होकर आम जनजीवन को बदल चुकी हैं। जन धन योजना के माध्यम से आजादी के बाद पहली बार करोड़ों भारतीयों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा गया, जिससे देश में आर्थिक समावेशन को मजबूती मिली है। बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भी भारत ने ऐतिहासिक प्रगति की है। जिन गांवों में कभी बिजली और पक्की सड़कें एक सपना हुआ करती थीं, वहाँ अब सोलर लाइटें जलती हैं। दूर-दराज गांवों की राष्ट्रीय राजमार्गों से कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा चुकी है। शहरों में स्मार्ट सिटी मिशन और मेट्रो परियोजनाओं ने जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार किया है।

भारत की यह विकास यात्रा डिजिटल रूप से भी क्रांतिकारी रही है। डिजिटल इंडिया अभियान ने देश को तकनीकी रूप से सक्षम बनाया और यूपीआई ने आज भारत को दुनिया में सबसे अधिक डिजिटल लेन-देन करने वाला देश बना दिया है। आधार, मोबाइल और जनधन की 'त्रिमूर्ति' ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर को सहज बनाते हुए भ्रष्टाचार और बिचौलियों की भूमिका को लगभग समाप्त कर दिया। इससे सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र व्यक्ति तक पहुँच रहा है। महिला सशक्तिकरण नरेन्द्र मोदी सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में रहा। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान से लेकर मातृत्व अवकाश में वृद्धि और सुकन्या समृद्धि योजना जैसी योजनाओं ने महिलाओं और बेटियों को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त किया है। एनडीए और भारतीय सेना में महिलाओं को स्थायी कमीशन जैसी पहलों ने यह साबित किया कि सरकार के लिए महिला सशक्तिकरण केवल स्लोगन नहीं, बल्कि नीति और नीयत दोनों का हिस्सा बन चुका है।

कृषि प्रधान देश होने के बावजूद देश का कृषि क्षेत्र लंबे समय तक उपेक्षित रहा, सरकारों के तमाम कागजी दावों के उलट स्थिति ये थी कि किसान खेती छोड़कर नौकरी के लिए पलायन करने को मजबूर थे। बीते एक दशक में कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आए। आज पीएम किसान सम्मान निधि के माध्यम से देश के हर छोटे किसान को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता दी जा रही है। फसल बीमा योजना, ई-नाम पोर्टल, माइक्रो सिंचाई योजनाएं, और ड्रोन टेक्नोलॉजी के प्रयोग ने कृषि को सिर्फउपज की दृष्टि से नहीं, बल्कि आय के स्रोत के रूप में मजबूत किया गया है। इसी तरह शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में भी कई ऐतिहासिक पहल की गईं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक में गुणात्मक परिवर्तन आए। मातृभाषा में पढ़ाई को बढ़ावा, कौशल आधारित शिक्षा और डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म जैसे दीक्षा, स्वयम, और पीएम ई-विद्या ने शिक्षा को अधिक सुलभ और समावेशी बनाया है। स्किल इंडिया के अंतर्गत लाखों युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया गया है, जिससे युवा अब नौकरी मांगने वाले नहीं, देने वाले बन रहे हैं।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत ने कोविड-19 महामारी के दौरान जो साहसिक और तेज़ निर्णय लिए, वे पूरी दुनिया में सराहे गए। स्वदेशी वैक्सीन निर्माण और कोविन पोर्टल का सफल संचालन यह दर्शाता है कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, तकनीक और विज्ञान का निर्माता भी है। साथ ही फिट इंडिया, योग दिवस और आयुष मंत्रालय की सक्रियता ने भारतीय जीवनशैली को फिर से प्रासंगिक बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी की 'लोकल को ग्लोबल' बनाने की दूरदर्शी सोच ने मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से घरेलू उद्योगों और नवाचारों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उतारने की शक्ति दी है। भारत आज तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है, और पीएलआई स्कीम जैसे प्रोत्साहनों मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव और रक्षा विनिर्माण में भी भारत आत्मनिर्भर बनता जा रहा है।

दशकों तक बुनियादी ढांचा निर्माण के क्षेत्र में उस प्रगति से कार्य नहीं हुए जिसकी देश को जरूरत थी। बीते एक दशक में भारत माला, सागर माला, और उड़ान जैसी योजनाओं ने देश के दूरस्त इलाकों को सड़क, रेल, जल और वायु मार्गों से जोड़ने में नई ऊंचाई दी है। वंदे भारत ट्रेनें, बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट और रेलवे के विद्युतीकरण से न केवल यात्रा की गति बढ़ी है, बल्कि यात्रा को पर्यावरण के अनुकूल भी बनाया गया है। रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी भारत ने अभूतपूर्व आत्मनिर्भरता दिखाई है। दशकों से लंबित वन रैंक, वन पेंशन लागू हुआ, ब्रह्मोस, आकाश जैसे रक्षा उपकरणों से सेनाओं की न सिर्फ़ ताकत बढ़ी बल्कि भारत दुनिया में हथियार निर्यात भी कर रहा है। विक्रांत का निर्माण, अग्नि मिसाइलों की श्रृंखला और सीमा पर तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण भारत की सुरक्षा प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

एक ओर जहां आर्थिक और तकनीकी विकास हुआ, वहीं सांस्कृतिक और धार्मिक पुनर्जागरण ने भी समाज में नई चेतना पैदा की है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक और केदारनाथ पुनर्निर्माण जैसे प्रकल्पों ने सांस्कृतिक आस्था को सम्मान और भव्यता दोनों दिए है। योग दिवस को वैश्विक मान्यता दिलाकर भारत ने पूरी दुनिया को भारतीय दर्शन से जोड़ने का भी कार्य किया है। स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में स्वच्छ भारत मिशन ने समाज में जागरूकता की नई क्रांति लाई। भारत अब नेट जीरो 2070 के लक्ष्य की ओर कार्यरत है, और सौर ऊर्जा व इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी भारत ने पहली बार 'फॉलोवर' से 'लीडर' की भूमिका निभाई है। त20 की अध्यक्षता, वैक्सीन मैत्री, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, वॉइस ऑफ़ग्लोबल साउथ जैसे प्रयासों ने भारत को विकासशील देशों का नेतृत्वकर्ता बना दिया है। भारत अब संयुक्त राष्ट्र की स्थायी सदस्यता की दिशा में गंभीर दावेदारी कर रहा है। नरेन्द्र मोदी सरकार की सबसे बड़ी विशेषता उसकी राजनीतिक इच्छाशक्ति रही है, चाहे वह धारा 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय हो, तीन तलाक जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करना हो, या एक देश-एक कर जैसी जटिल लेकिन आवश्यक व्यवस्था को लागू करना हो। पारदर्शी शासन और टेक्नोलॉजी का उपयोग कर देश में 'अंत्योदय' को व्यवहारिक रूप दिया गया है।

आज जब बीते 11 वर्षों की ओर पीछे देखें, तो यह स्पष्ट दिखता है कि यह केवल योजनाओं की सूची नहीं है, बल्कि एक राष्ट्रीय पुनर्जागरण की जीवंत तस्वीर है। यह कालखंड केवल आर्थिक या भौतिक उपलब्धियों का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और राजनीतिक जागरूकता का युग रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का संकल्प लिया था वह अब सिर्फ एक नारा नहीं, भारत की पहचान बन चुका है। यह सिद्धि केवल सरकार की नहीं, हर उस नागरिक की है जिसने इस संकल्प में आस्था रखी और यही 21वीं सदी के भारत का असली परिचय है।

नॉलेज

गाय की ये प्रजातियां हैं सबसे ज्यादा प्रसिद्ध

दूध देने वाली गाय की कई प्रजातियां होती हैं, जो अपने दूध उत्पादन और खासियत के लिए जानी जाती हैं। इनमें से कुछ प्रजातियां अन्य की तुलना में अधिक लोकप्रिय हैं। इन प्रजातियों का चयन उनकी दूध देने की क्षमता, स्वास्थ्य, और पर्यावरण के अनुकूलता के आधार पर किया जाता है। आइए कुछ ऐसी ही प्रमुख गाय प्रजातियों के बारे में जानते हैं, जो दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं। होल्स्टीन फ्रिजियन गाय काले और सफेद रंग की होती हैं। यह प्रजाति दूध उत्पादन के लिए जानी जाती है और इनका पालन ज्यादातर डेयरी फार्म में किया जाता है। ये गायें अन्य प्रजातियों की तुलना में अधिक दूध देती हैं, जिससे इन्हें विश्वभर में सबसे अधिक पसंद किया जाता है। इनकी देखभाल और पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाता है ताकि इनका स्वास्थ्य अच्छा रहे और ये अधिकतम दूध उत्पादन कर सकें।

शॉर्टहॉर्न गाय: शॉर्टहॉर्न गाय इंग्लैंड की मूल प्रजाति होती हैं, जो अपने हल्के भूरे रंग और हल्के शरीर के लिए जानी जाती हैं। ये ज्यादा दूध देने वाली गायों में शामिल होती हैं और इनका इस्तेमाल मुख्य रूप से दूध उत्पादन के लिए किया जाता है। इनका दूध उत्पादन औसतन 6,500 लीटर प्रति वर्ष होता है। इनकी ज्यादा दूध देने की क्षमता इन्हें अन्य गायों से अलग बनाती है और इन्हें दूध उद्योग में पसंद किया जाता है।

ब्राउन स्विस गाय : ब्राउन स्विस गाय स्विट्जरलैंड से आई एक दुग्धीय प्रजाति है, जिनका पालन मुख्य रूप से दूध उत्पादन के लिए किया जाता है। इनका दूध अच्छी गुणवत्ता वाला होता है, जिसे बाजार में अच्छी कीमत मिलती है। ब्राउन स्विस गायें ठंडी जलवायु में अच्छी तरह से पनपती हैं और इनका पालन अलग-अलग जलवायु परिस्थितियों में किया जा सकता है। इनकी मांग बाजार में बहुत अच्छी है, जिससे ये किसानों के लिए फायदेमंद होती हैं।

जर्सी गाय : जर्सी गाय इंग्लैंड से आई एक दुग्धीय प्रजाति है, जिनका पालन मुख्य रूप से दूध उत्पादन के लिए किया जाता है। इनका दूध अच्छी गुणवत्ता वाला होता है, जिसे बाजार में अच्छी कीमत मिलती है। जर्सी गायें गर्म मौसम में भी अच्छा प्रदर्शन करती हैं और इनका पालन अलग-अलग जलवायु परिस्थितियों में किया जा सकता है। इनकी मांग बाजार में बहुत अच्छी है, जिससे ये किसानों के लिए फायदेमंद होती हैं।

गिर गाय: गिर गाय भारतीय नस्ल की सबसे प्रसिद्ध गायों में से एक मानी जाती हैं। इनका मूल स्थान गुजरात है और ये भूरे रंग की होती हैं। इनका वजन लगभग 400 से 500 किलोग्राम तक होता है। गिर गाय सालाना औसतन 3,000 से 5,000 लीटर दूध देती हैं, जो अच्छी गुणवत्ता का होता है।इनका दूध आयुर्वेदिक चिकित्सा में भी इस्तेमाल किया जाता है।

सु-दोकू 78

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 077 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

एक नजर

सांसद ने किसानों को व्यवसायिक खेती करने किया प्रेरित

कांकेर, 13 जून। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भारत सरकार द्वारा पूरे देश में विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में लोकसभा क्षेत्र कांकेर के सांसद श्री भोजराज नाग की मुख्य आतिथ्य में भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के आसुलखार बाजार स्थल में शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के गांव केंवटी, परवी, कनकपुर पेवारी, फरसकोट, किनारी, कुवापानी, जनकपुर और चिचमर्रा के किसान और संबंधित ग्राम के सरपंच शामिल हुए। सांसद श्री भोजराज नाग ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कृषि विभाग केवीके, कृषि महाविद्यालय, पशुपालन, मत्स्यपालन, उद्यानिकी विभाग के संयुक्त प्रयास से किसान हित में चलाए जा रहे यह अभियान प्रशंसनीय है। किसानों को परम्परागत खेती के साथ-साथ व्यवसायिक खेती को भी अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेती लाभ का धंधा तभी हो सकता है, जब किसान अपने भूमि में संयुक्त फार्मिंग सिस्टम को अपनाए। किसान अनाज उत्पादन के अलावा फसल चक्र अपनाते हुए बाजार मांग के अनुरूप खेती करें और कुछ भूमि में किसान दलहन, तिलहन, कोदो, कुटकी, रागी सब्जी की खेती, फलों की बागबानी, फूलों की खेती, मछली पालन, मुर्गी पालन, सुकर पालन, दुग्ध उत्पादन कर अपने सीमित भूमि से भी अधिक आमदनी ले सकते है। उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार और राज्य सरकार कृषि विभाग और कृषि से सम्बंधित विभागों के संयुक्त कार्यक्रम के तहत ही विकसित कृषि संकल्प अभियान शिविर आयोजित कर रही है। किसान भाई कृषि वैज्ञानिकों, पशुपालन, मत्स्यपालन एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों से संपर्क करके योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। शिविर में उपस्थित 20 किसानों को मक्का बीज का भी वितरण किया गया। शिविर में वैज्ञानिक कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा क्षेत्र के किसानों को उन्नत कृषि तकनीक एवं कृषक हितैषी योजनाओं की विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया।

विज्ञान एवं वाणिज्य शिक्षण केन्द्र कन्या दुर्ग एवं बालक जगदलपुर में प्रवेश हेतु आवेदन फॉर्म जिला कार्यालय में उपलब्ध

कांकेर, 13 जून । शिक्षा सत्र 2025-26 में आर्यभट्ट विज्ञान एवं वाणिज्य शिक्षण प्रोत्साहन योजनांतर्गत प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्र (टी.एस.पी. एरिया) में निवासरत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के ऐसे छात्र-छात्राओं के विज्ञान एवं वाणिज्य शिक्षण केन्द्र कन्या जिला दुर्ग तथा बालक जगदलपुर (बस्तर) में प्रवेश की कार्यवाही किया जाना है। उक्त शिक्षण केन्द्रों में प्रवेश हेतु आवेदन फार्म जिला कार्यालय में उपलब्ध हैं।आदिवासी विकास के सहायक आयुक्त ने जानकारी दी है कि उक्त शिक्षण केन्द्रों में नियमानुसार निर्धारित पात्रता अनुसार प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों में निवासरत कक्षा 12वीं उत्तीर्ण अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थी जिन्होंने 12वीं बोर्ड परीक्षा न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण की हो एवं विज्ञान एवं वाणिज्य विषय के साथ आगामी पढ़ाई के इच्छुक हों।ऐसे इच्छुक विद्यार्थियों को विभाग के साथ अनुबंध पत्र हस्ताक्षर करना होगा। साथ ही विज्ञान एवं वाणिज्य विषयों के स्नातक, स्नात्तकोत्तर तथा बी.एड. की पढ़ाई के पश्चात् वे प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं देने के लिए सहमत हैं। कण्डिका एक व दो की पूर्ति करने वाले विद्यार्थियों में से बालक एवं बालिकाओं को क्रमशः बस्तर एवं दुर्ग जिला मुख्यालय पर संचालित विज्ञान वाणिज्य केन्द्र पर अस्थायी प्रवेश दिया जाएगा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों प्रशिक्षकों और निर्णायकों को मिलेगा पुरस्कार

धमतरी 13 जून । खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा हर साल खिलाडियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों को राज्य खेल अलंकरण से सम्मानित किया जाता है। राज्य के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों को यह पुरस्कार दिए जाते हैं। खेल अधिकारी ने बताया कि इन पुरस्कारों के इच्छुक आवेदक आगामी 26 जून तक आवेदन कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित किये गये नियमों के तहत पात्रता रखने वाले आवेदकों को पुरस्कार के लिए प्रावीण्यता के आधार पर चयन किया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त विजेताओं को प्रोत्साहन नियम के तहत नगद राशि पुरस्कार अलंकरण प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023-24 में (01 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक) एवं वर्ष 2024-25 में (01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक) जिन खिलाडियों ने सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त किया है, वे खिलाड़ी जिला कार्यालय एवं अपने खेल संघों से आवेदन फार्म प्राप्त कर निर्धारित अंतिम तिथि तक जमा कर सकते हैं।

युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया में अनियमितताओं को लेकर बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल गंभीर, कमिश्नर को लिखा पत्र

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 13 जून। बस्तर जिले में शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण और काउंसलिंग प्रक्रिया को लेकर मचे बवाल के बीच अब बस्तर विधायक श्री लखेश्वर बघेल ने भी मोर्चा खोल दिया है उन्होंने कमिश्नर, बस्तर संभाग को एक पत्र लिखते हुए इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और त्रुटियों के निराकरण की मांग की है।

बस्तर विधायक श्री बघेल ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि वे स्वयं युक्तियुक्तकरण के पक्षधर रहे हैं और अपने आदिवासी विकास प्राधिकरण के अध्यक्षीय कार्यकाल में भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाते रहे हैं लेकिन वर्तमान में जिस तरह से बस्तर जिले में युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया संचालित की गई, उसने पारदर्शिता और न्यायसंगतता पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए हैं उन्होंने बताया कि सर्व शैक्षिक संगठन, जिला बस्तर द्वारा प्रस्तुत शिकायत में कई ऐसे तथ्यों का उल्लेख किया गया है, जिनसे स्पष्ट होता है कि प्रक्रिया में गंभीर स्तर की गड़बड़ियाँ हुई हैं शिक्षकों को बिना पक्ष रखने का अवसर दिए अतिशेष घोषित किया गया, रिक्त पदों को छिपाया गया, और एकल शिक्षकीय स्कूलों की स्थिति को गलत ढंग से प्रस्तुत किया गया यहाँ तक कि वरिष्ठता सूची में जन्मतिथि और नियुक्ति तिथि जैसी महत्वपूर्ण जानकारी तक नहीं दर्शाई गईबस्तर विधायक श्री बघेल ने यह भी कहा कि 2014 में युक्तियुक्तकरण के तहत पदस्थ शिक्षकों को पुनः अतिशेष बताया जाना गलत है साथ ही उन्होंने यह सवाल उठाया कि यदि एक खण्ड शिक्षा अधिकारी को गड़बड़ी के लिए निलंबित किया गया है, तो पूरी प्रक्रिया को अंतिम रूप देने वाली समिति के अन्य सदस्यों को क्यों बचाया जा रहा हैउन्होंने कमिश्नर से आग्रह किया है कि युक्तियुक्तकरण की पूरी प्रक्रिया की पुनः समीक्षा, परीक्षण और जांच करवाई जाए तथा इसके लिए एक निष्पक्ष समिति का गठन किया जाए, ताकि किसी भी शिक्षक के साथ अन्याय न होबघेल ने यह भी कहा कि विभागीय कार्यों में त्रुटियाँ होना संभव है, लेकिन उन त्रुटियों का समय रहते सुधार किया जाना आवश्यक है, ताकि शिक्षकों के मौलिक अधिकारों का हनन न हो अब यह देखना अहम होगा कि कमिश्नर इस मामले में आगे क्या निर्णय लेते हैं और युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया की पारदर्शिता को सुनिश्चित करने के लिए क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं।

बस्तर की नई उम्मीद- पुनः प्रारंभ होगी बहुप्रतीक्षित बोधघाट सिंचाई परियोजना

दंतेवाड़ा, 13 जून । बस्तर अंचल के समग्र विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए प्रदेश सरकार ने बोधघाट सिंचाई परियोजना को पुनः प्रारंभ करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में यह बहुप्रतीक्षित परियोजना अब विकास की नई धारा प्रवाहित करेगी, जिससे दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिलों के ग्रामीण अंचलों में स्थायी सिंचाई एवं ऊर्जा उत्पादन की मजबूत आधारशिला रखी जाएगी।करीब 49,000 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस परियोजना से 3,78,475 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा सुनिश्चित की जाएगी, जिससे तीनों जिलों के 269 गांव सीधे लाभान्वित होंगे। यह परियोजना बस्तर अंचल के कृषि क्षेत्र को नई ऊर्जा देगी तथा क्षेत्रीय खाद्य सुरक्षा को मजबूत करेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत गोदावरी और इंद्रावती नदी के जल संसाधनों का समुचित दोहन करते हुए नहर नेटवर्क, जलाशय और पंप हाउस का निर्माण होगा, जिससे किसानों को रबी और खरीफ दोनों सीजन में जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

ऊर्जा उत्पादन और रोजगार के नए द्वार

बोधघाट परियोजना से सिंचाई के साथ-साथ विद्युत उत्पादन की भी सुविधा विकसित की जाएगी। इंद्रावती-महानदी इंटरलिंक परियोजना के अंतर्गत करीब 125 मेगावाट बिजली उत्पादन और 4800 टन मछली उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो क्षेत्र में अतिरिक्त रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराएगा।

एनएमडीसी लिमिटेड में विभिन्न तकनीकी पदों पर होगी बंपर भर्तियां

दंतेवाड़ा, 13 जून । भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अधीन कार्यरत नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम एनएमडीसी लिमिटेड ने दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल, बचेली (छत्तीसगढ़) एवं डोनीमलाई (बेल्लारी, कर्नाटक) स्थित लौह अयस्क खदानों में विभिन्न तकनीकी पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए हैं।

एनएमडीसी लिमिटेड देश की प्रमुख खनन और खनिज अन्वेषण कंपनी है, जो लगातार लाभ अर्जित कर रही है। इसके टर्नओवर में निरंतर वृद्धि हो रही है। अब कंपनी ने अपनी खदानों में योग्य एवं प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार का अवसर देने के लिए अनेक पदों पर भर्ती निकाली है। एनएमडीसी लिमिटेड द्वारा अब बैलाडीला लौह अयस्क खदान, किरंदुल कॉम्प्लेक्स, बैलाडीला लौह अयस्क खदान, दंतेवाड़ा, छत्तीसगढ़ में बचेली कॉम्प्लेक्स तथा डोनीमलाई लौह अयस्क खदान, डोनीमलाई कॉम्प्लेक्स, बेल्लारी, कर्नाटक के लिए विभिन्न तकनीकी पदों के लिए उपयुक्त व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किया गया है।

जिले के 156 ग्रामों में आयोजित होंगे धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत शिविर

दंतेवाड़ा, 13 जून । जनजातीय ग्रामीण विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान÷के तहत दंतेवाड़ा जिले में 15 जून से 30 जून 2025 तक विशेष संतृप्तिकरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य जनजातीय बहुल ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं जैसी मूलभूत सुविधाओं को लोगों की आवश्यकता अनुसार सुगम और सशक्त बनाना है।इस संबंध में जिले के कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने बताया कि इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी संबंधित विभागों को निर्देश दे दिए गए है। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण पहल है जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक आवश्यकताओं की पहचान कर त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने सभी ग्रामीणों से अपील की है कि वे इन शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपने अधिकारों व सुविधाओं की जानकारी लें और योजनाओं का लाभ प्राप्त करें।इसके अंतर्गत दंतेवाड़ा जिले के 156 ग्राम को इस अभियान में शामिल किया गया है। इनमें विकासखण्ड दंतेवाड़ा के 34, गीदम के 42, कटेकल्याण के 51 एवं कुआकोंडा के 29 ग्राम शामिल है।ज्ञात हो कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत दंतेवाड़ा विकासखंड अन्तर्गत जारम, पोन्दुम, मुरकी, पुलनार, मटेनार, टेकनार, केशापुर, भोगाम, तुड़पारास, कुपेर, मगनार, कमालुर, कुम्हाररास, गामावाड़ा, धुरली, भांसी, बड़े कमेली, नेरली, पाढ़ापुर, दुगेली, मोलसनार, गंजेनार, मसेनार, गदापाल, पुलनार, तोयलंका, कांवड़ गांव, ढुमाम, मेटपाल,नेटापुर, चन्देनर। गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत कौरगांव, तुमरीगुंडा, पहुरनार, छिंदनार, मुचनार, हितामेटा, भाटपाल, कोरलापाल, उपेट, घोटपाल, कटूलनार, रोंजे, कासोली, हिरानार, मुसतलनार, गुमलनार, गुटोली, छोटे तुमनार, मोफलनार, पुंडरी, बोदली, बांगापाल, बड़ेसुरोकी, बड़े तुमनार, मुंडेर, फरसपाल, ल, बड़ेगुडरा, छोटेगुडरा, एटेपाल, टेटम, तुमकपाल, गुड़से, परचेली, चीकपाल, मारडुम, बड़ेगादम, जगमपाल एवं कुआकोण्डा विकासखण्ड अन्तर्गत गढ़मिरी, नकुलनार, कुआकोण्डा, हल्बारास, हितावर, मैलावाड़ा, गोंगपाल, कुटेपाल, श्यामगिरी, टिकनपाल,कड़मपाल, मदाड़ी, चोलनार, हिरोली, केरलापाल, समलवार, समेली, गुमियापाल, तनेली, अरनपुर, नहाड़ी, बुरगुम, कुटरेम, पोटाली, रेवाली, अरबे, जबेली, निलावया, पालनार, फुलपाड़ तथा रेगानार मैं शिविरों का आयोजन होगा।

आंगनबाडी में नवजात शिशुओ का हुआ अन्नप्राशन एवं गर्भवती महिलाओ को सुपोषण कीट वितरण

राजनांदगांव 13 जून। नगर विकास की कडी में नगर निगम द्वारा मूलभूत सुविधा रोड नाली के अलावा सामुदायिक भवन, उद्यान, मुक्तिधाम उन्नयन, तालाब सौदर्यीकरण कार्य कराया जा रहा है। इसी कडी में आज महापौर श्री मधुसूदन यादव ने वार्ड नं. 45 के जीवन कालोनी तथा अटल आवास 150 क्वाटर के पास अधोसंरचना पर्यावरण उपकर निधि अंतर्गत 10-10 लाख रूपये की लागत के सामुदायिक भवन निर्माण के लिए दोनो स्थानो में अलग अलग आयोजित कार्यक्रम में

भूमिपूजन पूजा अर्चना कर श्रीफल फोड कर किया। इस अवसर पर महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य श्री आलोक श्रोती, श्रीमती वर्षा सिन्हा, श्रीमती केवरा राय, श्री डिलेश्वर साहू, वार्ड पार्षद श्री दुरेन्द्र साहू, पार्षद श्रीमती श्रुति लोकेश जैन,श्री रवि सिन्हा, श्रीमती अमृता सिन्हा, श्री सतीश साहू, श्री सेवक उईके, श्री शेखर यादव, श्री शेखर लश्करे, श्रीमती खेमीन राजेश यादव, पूर्व पार्षद श्री अतुल रायजादा, श्री शरद सिन्हा, श्री विजय राय, पार्षद प्रतिनिधि श्री पंकज कुंजरेकर, सामाजिक कार्यकर्ता श्री सुमित भाटिया, श्रीमती आरती पवार, श्री लाल मुनाई विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में महापौर सहित अतिथियों ने आंगन बाडी में गर्भवति महिलाओ को सुपोषण कीट का वितरण कर नवजात शिशुओ का अन्न प्रासन कराया।कार्यक्रम में महापौर श्री यादव ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं सांसद श्री संतोष पाण्डे की अनुशंसा पर शासन द्वारा मूलभूत सुविधा रोड नाली निर्माण सहित राज्य प्रवर्तित योजनांतर्गत सामुदायिक भवन,मुक्तिधाम उन्नयन, तालाब सौदर्यीकरण, उद्यान निर्माण कार्यो के लिये राशि उपलब्ध कराये है जिससे सभी वार्डो में विकास कार्य कराये जा रहे है, इसी कडी में आज वार्ड नं. 45 के 150 क्वाटर अटल आवास के पास एवं जीवन कालोनी में सामुदायिक भवन निर्माण कराने भूमिपूजन किया जा रहा है।

भाजपाई कुशासन के दुशासन से माफिया हावी : गिरीश देवांगन

राजनांदगांव। विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी गिरीश देवांगन ने मोहड में अवैध रेत खनन रोकने मामले में युवकों पर हुई गोलीबारी को छत्तीसगढ़ सरकार की कुशासन नीति का परिणाम बताते हुए और कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री का विभाग खनिज के मामले में जिस प्रकार से गोलीबारी की घटना हो रही है उससे छत्तीसगढ़ अपराध गढ़ बन गया है 15 वर्षीय मुख्यमंत्री वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह के निर्वाचन मुख्यालय और प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा के प्रभार जिले में भाजपा नेताओं के संरक्षण में एक संगठित माफियाओं की सक्रियता के चलते यह गोलीबारी की घटना हुई है

सखी वन स्टॉप सेंटर महासमुंद में भर्ती प्रक्रिया हेतु पात्र-अपात्र सूची जारी

महासमुंद, 13 जून । महिला एवं बाल विकास विभाग महासमुंद अंतर्गत संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर में साइको-सोशल काउंसलर, केस वर्कर एवं कार्यालय सहायक सह कम्प्यूटर ऑपरेटर के रिक्त पदों हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदनों की पात्र एवं अपात्र सूची चयन समिति द्वारा तैयार कर ली गई है, जिसकी विस्तृत जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग महासमुंद के सूचना पटल एवं जिले की वेबसाइट **www.mahasamund.gov.in** पद पर अवलोकन किया जा सकता है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने बताया कि यदि किसी भी अभ्यर्थी को पात्रता सूची को लेकर कोई आपत्ति हो, तो वे 17 जून 2025 को शाम 05:00 बजे तक जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग महासमुंद में स्वयं उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं किया जाएगा।उन्होंने बताया कि चयन समिति द्वारा पात्र अभ्यर्थियों को 1:5 के अनुपात में साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा। साक्षात्कार हेतु पृथक से सूचना पत्र/मेसेज भेजे जाएंगे। केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में शामिल होने की अनुमति होगी जिन्हें सूचना प्राप्त होगी तथा साक्षात्कार में अनुपस्थित अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया से पृथक मान लिया जाएगा।

जैविक खेती को बढ़ावा देने 14 जून को बोडराबांधा में जिला स्तरीय कृषि मेला

महासमुंद, 13 जून 2025/ जिले में जैविक खेती को प्रोत्साहन देने एवं किसानों को नवीनतम जैविक तकनीकों की जानकारी देने हेतु जिला स्तरीय किसान जैविक कृषि मेला सह कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन 14 जून, शनिवार को बागबाहरा विकासखण्ड के ग्राम बोडराबांधा स्थित माध्यमिक शाला स्कूल मैदान में किया जा रहा है। इस आयोजन में लोकसभा महासमुंद की सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगी। कार्यक्रम में जिले के किसान, जनप्रतिनिधिगण, कृषि वैज्ञानिक, कृषि विभाग के अधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं जैविक खेती से जुड़े विशेषज्ञ बड़ी संख्या में भाग लेंगे। उप संचालक कृषि श्री एफ.आर. कश्यप ने जिले के सभी किसानों, कृषक समूहों एवं आमजन से अनुरोध किया है कि वे इस मेले में अधिकाधिक संख्या में शामिल होकर अपनी सक्रिय सहभागिता दें ।

श्वेत क्रांति में तेजी से भागीदार बनता धमतरी

दो महीने में दुग्ध संकलन 10 हजार लीटर प्रतिदिन पहुंचा

धमतरी 13 जून । धमतरी जिला बड़ी तेजी से श्वेत क्रांति में भागीदार बनता जा रहा है। पिछले दो महीने में ही दुग्ध उत्पादन-संग्रहण में बड़ी बढ़ोत्तरी हुई है। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के दुग्ध व्यवसाय को बढ़ाने, गौपालन को रोजगार का अतिरिक्त जरिए बनाने के प्रयासों से यह संभव हो सका है। दो महीने पहले जिले में प्रतिदिन केवल 6 हजार 410 लीटर दूध का संकलन किया जा रहा था, जो अब बढ़कर 10 हजार लीटर से अधिक हो गया है। जिले में दुग्ध व्यवसाय से ग्रामीणों को हर दिन फायदा पहुंचाने के लिए कई सुविधाएं भी दी जा रहीं हैं, जिससे उनका रूझान इस पुराने व्यवसाय की तरफ बढ़ता जा रहा है।

कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने धमतरी जिले में दुग्ध व्यवसाय की बड़ी संभावनाओं को ध्यान में रखकर इसके लिए विशेष कार्य योजना तैयार कर काम शुरू किया है। जिले में अधिक से अधिक पशुपालकों को दुग्ध उत्पादक-संग्राहक समितियों से जोड़ा जा रहा है। जिले में मिल्क रूट की पहचान कर लोगों को दुग्ध उत्पादन-संग्रहण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। दो महीने पहले जिले में केवल 47 दुग्ध समितियां सक्रिय थीं, लेकिन जिला प्रशासन और पशुपालन विभाग के मैदानी अमले के प्रयासों से अब जिले में 68 दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत है। इनके माध्यम से लगभग तीस हज़ार दुग्ध उत्पादक-संग्राहक जुड़े है। पिछले दो महीने में ही लगभग 20 नई समितियों का गठन किया गया है। इसी के साथ लंबे समय से अक्रियाशील समितियों को सक्रिय किया गया है। तेजी से समितियों के गठन और अक्रियाशील समितियों की छोटी-छोटी समस्याओं को सुलझाकर सक्रिय बनाने से अब दैनिक दुग्ध संग्रहण भी बढ़कर दस हज़ार लीटर से अधिक तक पहुँच गया है। जिला प्रशासन ने इसे लगभग पंद्रह हज़ार लीटर प्रतिदिन तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा है।दुग्ध समितियों को समय पर भुगतान नहीं हो पाने की समस्या से निपटने के लिए अब समितियों में माइक्रो एटीएम की सुविधा दी जाने लगी है। इससे दुग्ध उत्पादकों-संग्राहकों को अब उनके बैंक खातों में सीधे राशि मिलने लगी है और दुग्ध व्यवसाय के प्रति पशुपालकों का रुझान बढ़ा है। इसी के साथ नेशनल डेयरी विकास बोर्ड के माध्यम से जिले में दुग्ध समितियों को सशक्त करने का काम किया जा रहा है। सहकारी समितियों में एक दाम पर दुग्ध संग्रहण, चिलिंग प्लांट तक समय पर पहुंचाने से लेकर दुग्ध प्रोसेसिंग के लिए प्लांट तक पहुंचाने की मजबूत व्यवस्था भी की गई है। जिले में अभी सेमरा बी, भाठागाँव और मुजगहन में तीन दुग्ध चिलिंग प्लांट है इसके अतिरिक्त कुरूद क्षेत्र में चौथा प्लांट शुरू करने की तैयारी है, इसकी मंजूरी राज्य शासन में मिल गई है। जिले की गातापार ग्राम पंचायत में नव निर्मित दुग्ध प्रोसेसिंग प्लांट को भी जल्द शुरू करने की कोशिशें की जा रही है।ग्रामीण क्षेत्रों में मिल्क रूट की पहचान कर पशुपालकों को भी कई सुविधाएं प्रशासन दे रहा है। पशुपालन के लिए किसान क्रेडिट कार्ड बनवाए जा रहे हैं। अब तक लगभग डेढ़ हजार प्रकरण तैयार कर पशुपालकों को आकस्मिक व्यय के लिए बैंकों से सहायता दिलाई गई है। इसके साथ ही 44 संस्थाओं में कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है, जिससे पशुओं की नस्लों में सुधार हुआ है और दूध उत्पादन भी बढ़ा है। जिले में मगरलोड और नगरी क्षेत्रों को दुग्ध व्यवसाय से जोड़ने के लिए तेजी से नई समितियों का गठन करने का काम किया जा रहा है। नई समितियां गठित होने से धमतरी और कुरूद ही नहीं, बल्कि दूरस्थ मगरलोड और नगरी क्षेत्र के पशुपालक भी इस व्यवसाय से जुड़ेंगे ओर उन्हें अतिरिक्त लाभ होगा।पशुपालन के लिए ग्रामीणों को विशेष तकनीकी मार्गदर्शन भी विभागीय विशेषज्ञों द्वारा दिया जा रहा है। पशु चिकित्सकों द्वारा कृमिनाशक दवापान, जूं-किलनी नाशक दवा छिड़काव आदि के साथ-साथ बीमा पशुओं का उपचार भी किया जा रहा है। पशु पालन में कम लागत तकनीक द्वारा पशुओं को पोषण उपलब्ध कराने और पैरा का यूरिया उपचार, चूना का उपयोग, घर के खाद्यान्नों और दूसरे उत्पादों से दुधारू पशुओं के लिए पौष्टिक दाना बनाने के तरीके, पशुओं से स्वच्छ दूध उत्पादन और जीवन में दूध के महत्व को भी लोगों को समझाया जा रहा है।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई संदिग्ध व्यक्तियों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

सुकमा, 13 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण आईपीएस के निर्देश पर जिले में संदिग्ध एवं अप्रवासी व्यक्तियों की चेकिंग के लिए अभियान चलाया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा और एसडीओपी श्री परमेश्वर तिलकवार के नेतृत्व में थाना सुकमा की टीम ने निरीक्षक शिवानंद तिवारी के साथ मिलकर चेकिंग अभियान चलाया।

इस दौरान, दूसरे राज्यों से आए 11 संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जो बिना सूचना के थाना क्षेत्र में घूम रहे थे और पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे थे। गिरफ्तार व्यक्तियों में बिहार और झारखंड के निवासी शामिल हैः-1. मोहम्मद नूरनबी, ग्राम काजीकेरी, थाना बांका, बिहार 2. मोहम्मद इमरान, ग्राम बलियास, थाना धोरैया, बिहार 3. मोहम्मद शाहनवाज , ग्राम काजिकेरा, थाना बांका, बिहार 4. मोहम्मद निसार, ग्राम कई करी, थाना बांका, बिहार 5. मोहम्मद सोहेल, ग्राम काजीकेरी, थाना बांका, बिहार 6. गौतम राणा, ग्राम विजय, थाना बेंगाबाद, गिरिडीह, झारखंड 7. रवि राणा , ग्राम बिझैया, थाना बेंगाबाद, गिरिडीह, झारखंड 8. अन्य 4 संदिग्ध व्यक्ति इन सभी के विरुद्ध थाना सुकमा में पृथक-पृथक इस्तगासे तैयार कर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई और उन्हें कार्यपालिका मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेजा गया।

दीपिका शोरी ने शहीद एएसपी को दी श्रद्धांजलि

सुकमा, 13 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सुकमा जिले में आज आईडी ब्लास्ट में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरिपुंजे जी की शहादत पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी जी ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए अपूरणीय क्षति है मेरी संवेदना शोकाकुल परिवार के साथ हैं, ईश्वर उन्हें संबल प्रदान करें, साथ ही कहा कि नक्सलियों ने अपनी कायराना हरकत को अंजाम दिया है, साथ ही उन्होंने इस घटना में घायलों के लिए उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए उनके पुनः माँ भारती की सेवा में लौटने हेतु प्रार्थना की।

ग्राम बोगर में पंजीयन शिविर आयोजित

कांकेर, 13 जून। भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत बोगर में श्रम विभाग द्वारा पंजीयन एवं नवीनीकरण शिविर का आयोजन किया गया। जिला श्रम अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार शिविर में ग्रामवासियों को पंजीयन एवं राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कुल 110 हितग्राहियों का श्रमिक पंजीयन किया गया। शिविर में श्रम विभाग से श्रम कल्याण निरीक्षक प्रवीण सुकतेल, सुरेश कुमार, मनीष साहू, अनिता भदौरिया, लोकेश पवार, हरिशंक यशोधरा साहु उपस्थित थे।

15 से 30 जून तक कलस्टर स्तर पर होगा शिविर का आयोजन

मोहला 13 । जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती भारती चन्द्राकर ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान 2.0 के संबंध में प्रेसवार्ता ली। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि, केन्द्र सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आदिवासी क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरूआत भगवान बिरसामुंडा की 150 वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में 15 नवम्बर 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। 15 नवम्बर 2024 से 15 नवम्बर 2025 तक की अवधि को जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समुदायों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाना तथा उन्हें सरकारी योजनाओं की मुख्यधारा से जोड़ते हुए समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। अभियान के संचालन और नागरिकों के बीच व्यापक प्रचार प्रसार हेतु धरती आबा जनभागीदारी अभियान 15 जून से 30 जून तक विशेष रूप से चलाया जाएगा। अभियान में जनजाति समुदायों पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान में ग्रामों के चयन का आधार जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अंत्योदय सर्वे 2022 के डेटा को आधार मानकर किया गया है। जिसका दो मुख्य आधार निर्धारित किया गया है। इनमें ग्राम में जनजातीय वर्ग की जनसंख्या 50 प्रतिशत से अधिक होना चाहिए। इसी तरह ग्राम की कुल जनसंख्या 500 से अधिक होना चाहिए। निर्धारित किया गया है। जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के 03 विकासखण्डों के 23 ग्रामों का चिन्हांकन कलस्टर के रूप में किया गया है। जहां विशेष शिविर का आयोजन 16 जून से 30 जून तक किया जावेगा। जिसके अंतर्गत कुल 245 ग्रामों में अनुसूचित जनजाति वर्ग के व्यक्ति/समुदाय हेतु केन्द्र सरकार के 17 मंत्रालयों की 25 जनकल्याणकारी योजनाओं सेवाओं का का लाभ सीधे तौर पर पहुंचाया जायेगा। जिला स्तर पर कैम्पेन का आयोजन 16 जून 2025 से एवं विकासखण्ड/ग्राम पंचायत स्तरीय कैम्पेन का आयोजन 17-30 जून तक किया जायेगा। अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला स्तर पर सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार विकासखण्ड स्तर पर मुख्यकार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। 23 कलस्टरों हेतु विभिन्न विभागों के विकासखण्ड स्तरीय अधिकारियों को कलस्टर प्रभारी नियुक्त किया गया है। 23 कलस्टर ग्रामों में लगने वाले इन विशेष शिविर के माध्यम से व्यक्तिगत/सामुदायिक केन्द्रीय सेवा/योजना से वंचित जनजातीय वर्ग के व्यक्तियों का आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, राशन कार्ड, जाति निवास प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री किसान क्रेडिट कार्ड, समाजिक सुरक्षा अंतर्गत वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, नरेगा जॉब कार्ड, वन-धन योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, मुद्रा लोन, मातृ एवं शिशु कल्याण से लाभान्वित किया जायेगा।धरती आबा अभियाान के नेट, स्कील इंडिया, डिजिटल इनिशिएटिव, कृषि को बढ़ावा, मत्स्य पालन, पशु पालन, क्षमता विकास, जनजातीय होम स्टे एवं प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना को शामिल किया गया है।

एक नजर

आरएएमपी योजनान्तर्गत स्टॉक मार्केट लिस्टिंग पर कार्यशाला आयोजित

रायगढ़, 13 जून। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों हेतु अल्टरनेटिव फाइनेंसिंग को बढ़ावा देने के लिए आज जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र रायगढ़ में स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग किए जाने पर कार्यशाला आयोजित की गई। पर विषय-विशेषज्ञों ने विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों तथा उपस्थित चाटर्ड एकाउन्टेन्ट्स को एमएमई एक्सचेंज में लिस्टिंग की प्रक्रिया व इससे जुड़ी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कई उद्योग इकाईयों ने स्टॉक मार्केट एक्सचेंज में सूचीबद्ध होने हेतु अपनी गहरी रूचि दिखाई। मौके पर उपस्थित प्रतिभागियों की समस्त जिज्ञासाओं का भी समाधान किया गया।कार्यशाला में जिला पंचायत रायगढ़ के सदस्य व सभापति श्री गोपाल अग्रवाल, विषय विशेषज्ञ के रूप में श्री अविक गुप्ता चीफ मैनेजर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, पूर्वी क्षेत्र कोलकाता तथा श्री प्रवीण, सीनियर एक्जीक्यूटिव, अर्नेस्ट एण्ड यंग रायपुर उपस्थित रहे।

जिला सैनिक बोर्ड का प्रशासन स्तर पर किया जाएगा हर संभव सहयोग:कलेक्टर

रायगढ़, 13 जून। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी की उपस्थिति में आज कलेक्ट्रेट के सृजन सभा कक्ष में जिला सैनिक कल्याण द्वारा रायगढ़ एवं सारंगढ़ जिले के पूर्व सैनिक संगठन की बैठक आयोजित। कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने कहा कि जिला सैनिक कल्याण बोर्ड के प्रत्येक कार्यों में जिला प्रशासन हर संभव सहयोग करेगा। इस दौरान उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर बच्चे जो रक्षा क्षेत्र में जाने की रुचि रखते है, उनके लिए कार्ययोजना बनाने को कहा जिससे उनकी बेहतर तैयारियों के लिए आर्थिक रूप से मदद किया जा सके ताकि अच्छे कैरियर के साथ बच्चों को देश सेवा का अवसर प्राप्त हो सके।इस दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल आशीष पाण्डेय ने उपस्थित भूतपूर्व सैनिकों को केंद्र शासन एवं राज्य शासन से मिलने वाली सभी सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

पीएम आवास निर्माण में रायगढ़ लगातार पूरे प्रदेश में टॉप पर

रायगढ़, 13 जून। गरीब परिवारों के अपने खुद के पक्के मकान का सपना साकार करती पीएम आवास योजना का क्रियान्वयन रायगढ़ जिले में पूरी तेजी से जारी है। मकानों को मिशन मोड में पूरा किया जा रहा है। जिसका परिणाम रहा कि रायगढ़ जिले ने इस वर्ष 2024-25 में स्वीकृत मकानों में से 20 हजार आवासों को पूरा करने का लक्ष्य हासिल कर लिया है। रायगढ़ जिले में अब तक 20 हजार 67 मकान पूरे किए जा चुके हैं। यहीं नहीं रायगढ़ जिले में प्लिंथ लेवल जिओ टैगिंग वाले लगभग सभी आवासों को दूसरी किश्त भी जारी की जा चुकी है। सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव ने बताया कि रायगढ़ जिले में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में नियमित फील्ड मॉनिटरिंग, हितग्राहियों से संवाद और फील्ड में आ रही समस्याओं के त्वरित निराकरण इन तीन बिंदुओं पर फोकस करते हुए पीएम आवास निर्माण के लिए पूरे अमले ने मेहनत की। हितग्राहियों ने भी समय पर अपने आवास पूरा करने में गंभीरता दिखाई है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 52 हजार 226 मकानों को स्वीकृति दी जा चुकी है।

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण 2025 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए 15 जुलाई तक कर सकते है आवेदन

रायगढ़, 13 जून। दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण 2025 हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए पोर्टल www.awards.gov.in पर 15 जुलाई 2025 तक आवेदन/नामांकन जमा कर सकते है।उप संचालक समाज कल्याण विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, 5 वीं मंजिल, पं.दीनदयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ काम्पलेक्स, लोधी रोड नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के प्रावधानों के तहत सरकार का दिव्यांगजनों के व्यक्तिगत रूप से अथवा दिए गए योगदान/कौशल को मान्यता देते हुए दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के क्षेत्र में व्यक्तिगत, सरकारी और निजी निकायों द्वारा दिए गए योगदान को मान्यता देते हुए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान का प्रयोजन है। इस संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिए समाज कल्याण विभाग, रायगढ़ में संपर्क कर सकते है।

प्रताड़ना के बाद शौहर ने बीवी को तलाक बोलकर किया घर से बाहर

बिलासपुर,13 जून। तीन तलाक की प्रथा पर भले ही सरकार ने रोक लगाने के लिए कानून बना दिया हो, लेकिन मुस्लिम समुदाय आज भी इससे निजात नहीं पा सका है. इसका ताजा उदाहरण न्यायधानी में देखने को मिला, जहां बीवी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने के बाद शौहर ने तीन बार तलाक, तलाक, तलाक कहकर उसे घर से बाहर निकाल दिया. पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने शौहर सहित अन्य के खिलाफ मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण एक्ट, दहेज प्रताड़ना व अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

मामला शहर के तारबाहर थाना क्षेत्र का है. जहां पीड़िता का निकाह दिसंबर 2022 में सुपेला भिलाई निवासी नासिर अली से हुआ था. पीड़िता के परिजनों ने तब दहेज के रूप में नासिर के परिवार का

हर डिमांड पूरा किया था. लेकिन निकाह के 10 - 15 दिन बाद ही उसे प्रताड़ित किया जाने लगा. पति नासिर और सास उसे कम दहेज लाने, दहेज में बाइक लाने और चारित्रिक आरोप लगाकर प्रताड़ित करने लगे।

इस बीच ससुराल में अनबन को लेकर पीड़िता के परिवार वालों ने नासिर और उसके परिजनों को समझाने की कोशिश की. सामाजिक जमात की बैठक भी हुई. लेकिन उसके बावजूद शौहर नासिर और सास पीड़िता को प्रताड़ित करते रहे. पति और ससुराल वालों की प्रताड़ना के बाद भी पीड़िता सबकुछ झेलकर रिश्ते को बचाने में लगी रही.

लेकिन कुछ दिन ठीक रहने के बाद फिर से पीड़िता को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया गया. अंततः पति नासिर ने एक दिन तीन तलाक बोलकर पीड़िता को घर से निकाल दिया. जिसके बाद परिजनों के साथ पीड़िता ने इसकी शिकायत बिलासपुर में महिला थाने में दर्ज कराई है.पीड़िता और परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस ने पति नासिर, सास सहित अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. मामले में मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण एक्ट 2019, दहेज प्रताड़ना व अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है. मामले में जांच के साथ पुलिस अग्रिम कार्रवाई कर रही है.

रोड एक्सीडेंट के बाद गायब बच्ची की मिली लाश

कोरबा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा क्षेत्र के बछौद गांव में 7 साल की बच्ची को कार ने टक्कर मार दी थी। हादसे के बाद कार सवार युवक और महिला, बच्ची को उठाकर अपने साथ ले गए थे। बच्ची के नहीं मिलने परिजन काफी ज्यादा परेशान थे और पुलिस की टीम भी लगातर बच्ची की तलाश कर रही थी। पुलिस को जानकारी मिली थी कि, जिस कार ने बच्ची को ठोकर मारी थी वो कोरबा की है और इसके बाद पुलिस की टीम जांच के लिए कोरबा गई थी। कोरबा में जाँच के दौरान पुलिस की टीम को बड़ी सफलता मिली है।

विधिक साक्षरता शिविर के माध्यम से बाल सम्प्रेक्षण गृह में बच्चों दी गई कानूनी जानकारी

रायगढ़, 13 जून। विश्व बाल श्रम विरोध दिवस के अवसर पर श्री संजय जायसवाल, जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायगढ़ के निर्देशन में, श्री शान्तनु कुमार देशलहरे, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायगढ़ द्वारा बाल सम्प्रेक्षण गृह रायगढ़ में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में सचिव श्री शान्तनु कुमार देशलहरे, द्वारा बालकों को बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 पर विस्तार से जानकारी देते हुए यह बताया गया कि बाल श्रमिकों के हित के संरक्षण हेतु उक्त अधिनियम बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 बनाया गया है, जिसके अन्तर्गत अधिसूचित खतरनाक क्षेत्र जैसे- सीमेन्ट कारखाने में सीमेन्ट बनाना, बीड़ी बनाना, तम्बाकू प्रशंसकरण, चमड़ा या लाख बनाना, ईंट भट्ठा व खपरैल, आटोमोबाईल मरम्मत, जूट बनाना, मोटरगाड़ी वर्कशॉप व गैरेज इत्यादि में बाल श्रमिक का नियोजन पूर्णतः प्रतिबन्धित है।

सचिव श्री शान्तनु कुमार देशलहरे के द्वारा बालश्रम को केवल कानून से ही दूर नहीं किये जा सकने, अपितु इसके लिये समाजसेवी व्यक्ति तथा संगठन का योगदान आवश्यक होने पर बल देते हुए, बाल श्रम के उन्मूलन के लिये सघन कार्यवाही की जरूरत होना बताया गया। सचिव द्वारा यह भी बताया गया कि इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत रूप से भी सहयोग प्रदान किया जा सकता है। जैसे- घर में किसी बच्चे को कार्य पर न रखा जाए तथा अपने साथी कार्यकर्ताओं को भी बाल श्रमिक न रखने की सलाह दी जाए। इसके अलावा मजदूर कालोनी में भी मजदूरों के घर में बाल श्रमिकों को काम करने से रोकने की कोशिश की जा सकती है। काम करने के स्थान पर भी जाकर बाल श्रमिकों को काम पर न लगाने की सलाह प्रबंधकों को दी जा सकती है तथा कारखानों की कैंटीनों में काम करने वाले तथा ठेकेदार के अधीन काम करने वाले बाल श्रमिकों को काम करने से रोकने के लिये कहा जा सकता है।

एसडीएम अनुविभागीय स्तर पर ले बैठक फील्ड का करें निरीक्षण-कलेक्टर

रायगढ़, 13 जून। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर निगम आयुक्त श्री बृजेश क्षत्रिय, अपर कलेक्टर श्री अपूर्व प्रियेश टोप्पो, अपर कलेक्टर श्री रवि राही, संयुक्त कलेक्टर श्री राकेश कुमार गोलछा सहित समस्त एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार एवं राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुविभागीय स्तर पर प्रगतिरत कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते कहा कि योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन एवं कार्यों की प्रगति हेतु सभी एसडीएम अपने अनुविभागीय स्तर पर सभी विभागों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा करें। ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिलने के साथ ही विकास कार्यों को बेहतर गति मिल सके। इसके साथ ही प्रत्येक शनिवार को एसडीएम अनुविभागीय दौरा सुनिश्चित कर विकास कार्यों का निरीक्षण करें।

ग्राम बम्हनी एवं बेमचा में कृषि संकल्प यात्रा का आयोजन

महासमुंद 13 जून । विकासखंड महासमुंद के ग्राम बम्हनी एवं बेमचा में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत कृषि संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किसानों को कृषि से संबंधित नवीनतम तकनीकों, वैज्ञानिक विधियों तथा विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। ग्राम बम्हनी में आयोजित कार्यक्रम में उपसंचालक कृषि श्री एफ आर कश्यप, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री मनी राम ऊईके, कृषि विस्तार अधिकारी श्री मनोज पटेल, कृषि विज्ञान केंद्र महासमुंद से डॉ. रवीश केशरी, डॉ. एस. के. प्रधान, डॉ. पी. के. केसरिया, पशुपालन विभाग से श्री एल. आर. साहू, मत्स्य विभाग से श्री रेवती रमण, उद्यानिकी विभाग से श्री मति अलका सोनी एवं श्री मति उषा मरावी, उपस्थित रहे।इसके अलावा समिति अध्यक्ष श्री नामदेव साहू (बरोंडा बाजार), सरपंच बम्हनी श्रीमती रूपा ध्रुव, सरपंच चिंगरोद श्री छेरकू जी, सहकारी समिति प्रबंधक श्री हेमलाल साहू सहित कई जनप्रतिनिधि एवं किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे।कार्यक्रम में किसानों को मशरूम उत्पादन, लाइट ट्रैप एवं फेरोमोन ट्रैप,

जैविक कीट नियंत्रण, खेती की वैज्ञानिक विधियाँ, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य एवं कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही कृषि विभाग ने मौके पर ही किसानों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निराकरण की दिशा में कदम उठाए। ग्राम बेमचा में कृषि संकल्प यात्रग्राम बेमचा में आयोजित कृषि संकल्प यात्रा में जनपद सदस्य श्रीमती सुधा योगेश्वर चंद्राकर ने किसानों को संबोधित करते हुए हॉर्टिकल्चर फसलों को बढ़ावा देने, एफपीओ के गठन, तथा तकनीकी खेती को प्रोत्साहन देने की बात कही।कार्यक्रम में सरपंच श्री देवेंद्र चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि श्री राहुल चंद्राकर, सहकारी समिति अध्यक्ष श्री रामदयाल यादव, लोहारडीह के उपसरपंच श्री चेनेश कांत डहरिया, समिति प्रबंधक श्री फत्ते लाल निर्मलकर सहित अनेक ग्रामीण जनप्रतिनिधियों ने अपनी भागीदारी दी।कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से कृषि करने के लिए प्रेरित करना रहा, ताकि वे आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर खेती को अधिक लाभकारी बना सकें। विकसित कृषि संकल्प अभियान के माध्यम से ग्राम स्तर पर पहुंचकर कृषि वैज्ञानिकों एवं विभागीय अधिकारियों ने सीधे किसानों से संवाद कर उन्हें नवीन तकनीकों, योजनाओं एवं साधनों से परिचित कराया।

अवैध रेत उत्खनन पर कड़ी कार्रवाई तीन चैन माउंटेन वाहन जब्त

महासमुंद, 13 जून। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने हेतु खनिज विभाग द्वारा सतत कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में आज रायपुर जिले के चिखली रेत खदान की सीमा पर ग्राम सिरपुर, महानदी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 03 वाहनों को रेत के अवैध उत्खनन करते हुए पकड़ा गया।खनिज विभाग ,पुलिस एवं राजस्व की टीम ने 03 चैन माउंटेन मशीन (मशीन क्रमांक को अवैध रेत उत्खनन करते हुए जप्त किया गया। तीनों वाहनों को जब्त कर सुरक्षार्थ तुमगांव थाना में खड़ा किया गया है। खनिज अधिकारी श्री योगेन्द्र सिंह ने बताया कि उक्त वाहनों पर खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के अंतर्गत कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। इस प्रकरण में 2 से 5 वर्षों की सजा का प्रावधान है और संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध स्त्रढ्ढक्र दर्ज कर न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया जाएगा।पूर्व में भी खनिज पट्टेदारों एवं खनिज परिवहनकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं कि बिना वैध अभिवहन पास के खनिज का उत्खनन, परिवहन या भंडारण करना कानूनन अपराध है। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु खनिज विभाग का विशेष अभियान सतत जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बरसात के पानी को धरती मां की गोद में जाने दें

अंवरी,13 जून। भखारा भठेली वासियों में भूजल स्तर को बचाने चिंता बढ़ गई है तथा विशेषज्ञ सलाह लेकर रिचार्ज पिट बना रहे हैं।जिससे वाटर हार्वेस्टिंग हो सके।और भविष्य में भी जल स्तर स्रोत बन रह सके।आज नहीं चेते तो कल पछताना पड़ेगा। ऐसी ही प्रतिज्ञा लेकर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय और नगर पंचायत भखारा भठेली वासी के साथ पी एच ई इंजीनियर पी एस गजेंद्र,संचालिका ने करुणा बहन जी, विधायक प्रतिनिधि हरख जैन,ऊषा साहू वरिष्ठ शिक्षिका, भारती साहू पूर्व पार्षद,राजमिस्त्री प्रीतम साहू,सौरभ राय सोनी, शोभा राम साहू आदि उपस्थित थे। वाटर रिचार्ज पिट, जिसे भूजल रिचार्ज पिट या रिचार्ज पिट भी कहा जाता है, भूजल को भरने के लिए एक गड्ढा है जो बारिश के पानी को जमीन के अंदर रिसने में मदद करता है। यह बारिश के पानी को भूजल में भरने के लिए एक सरल और प्रभावी तरीका है।

वाटर रिचार्ज पिट के निर्माण का तरीका, स्थान का चयन-रिचार्ज पिट को भूजल के स्तर से कुछ दूरी पर और पौधे या वृक्षारोपण स्थल से दूर एक साफ जगह पर बनाया जाना चाहिए। गड्ढे की खुदाई-गड्ढे को लगभग 1-2 मीटर चौड़ा और 2-3 मीटर गहरा बनाया जाता है। गड्ढे को भरने का तरीका

गड्ढे को पत्थरों, बजरी और रेत के साथ क्रमबद्ध परतों में भरा जाता है। छिद्रित ढक्कनः

गड्ढे के निचले हिस्से को छिद्रित ढक्कन से ढका जा सकता है ताकि पानी रिसने में मदद मिले।

रिचार्ज पिट के फायदेःभूजल स्तर में वृद्धि:रिचार्ज पिट भूजल स्तर को बढ़ाने में मदद करते हैं, जिससे हैंडपंप, सबमर्सिबल और ट्यूबवेल में पानी का स्तर बढ़ता है। सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता

रिचार्ज पिट सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं। सूखे से बचाव-रिचार्ज पिट कूप या नलकूपों को सूखने से बचाने में मदद करते हैं। वर्षा जल का अधिकतम उपयोग

रिचार्ज पिट वर्षा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करते हैं और उसे बहने से रोकते हैं। उदाहरण-कूप रिचार्ज पिटकूप रिचार्ज पिट, जिसे रिचार्ज शाफ्ट या रिचार्ज पिट भी कहा जाता है, भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए एक विशेष प्रकार का रिचार्ज पिट है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग रिचार्ज पिटः रेन वाटर हार्वेस्टिंग रिचार्ज पिट वर्षा जल को इकट्ठा करने और भूजल में रिसने के लिए एक सरल और प्रभावी तरीका है।

चिन्हित हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की रोजाना लें हेल्थ अपडेट: कलेक्टर

रायगढ़, 13 जून। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मीटिंग लेकर विभागों के काम-काज की समीक्षा की। कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से कहा कि जिले में चिन्हित हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं और एनीमिक महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित मॉनिटरिंग जरूरी है। उन्होंने चिन्हांकित गर्भवती महिलाओं से रोजाना फोन एवं फील्ड लेवल स्टाफ के माध्यम से संपर्क कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली जाए।

उनकी नियमित जांच, दवाओं और खान-पान पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके लिए कार्ययोजना बनाते हुए तुरंत उसे अमल में लाने के निर्देश कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने स्वास्थ्य विभाग को दिए।कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने सभी एसडीएम को निर्देश देते हुए कहा कि जब भी फील्ड पर निरीक्षण के लिए निकलें तो आंगनबाड़ी, स्कूल, छात्रावास, स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण जरूर करें। शासन को योजनाओं के क्रियान्वयन की सब डिवीजन लेवल पर मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी एसडीएम की है। पंचायतों में गबन के मामलों में जिम्मेदार लोगों से वसूली के मामले में सभी एसडीएम को निर्देश देते हुए कहा कि बकाया राशि की वसूली शीघ्र की जाए। इसमें लापरवाही नहीं होनी चाहिए। हर हफ्ते इसकी समीक्षा की जाएगी।

कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने बैठक में फॉर्मर रजिस्ट्री को लेकर समीक्षा की। उन्होंने तहसीलवार जानकारी ली और सभी एसडीएम और तहसीलदारों से कहा कि फॉर्मर रजिस्ट्री में वेरिफिकेशन और अप्रुवल का काम तेजी से निपटाएं। इसकी अब रोजाना जानकारी ली जाएगी। उन्होंने जिले से नोडल डिप्टी कलेक्टर को नियमित प्रोग्रेस रिपोर्ट देने के लिए कहा। उन्होंने जनदर्शन में आने वाले आवेदनों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश देते हुए कहा कि अब इसकी रैंडमली जांच की जाएगी।

डिप्टी कलेक्टर के आवास पर चोरों का धावा

सरगुजा, 13 जून। अम्बिकापुर में चोरी की वारदातें लगातार सामने आ रही है। पुलिस गश्त और सतत निगरानी के बाद भी शातिर चोर हर दिन किसी न किसी आवास को अपना निशाना बना रहे है। ताजा मामला डिप्टी कलेक्टर के आवास से जुड़ा है, जहां बीती रात चोरो ने धावा बोल दिया था।

दरअसल डिप्टी कलेक्टर भागीरथी खाण्डे के सूने आवास में चोरी का मामला सामने आया है। चोरों ने आवास के पीछे का दरवाजा तोडकर कई सामान पार कर दिया है। डिप्टी कलेक्टर ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार भागीरथी खाण्डे कमिशनर ऑफिस में डिप्टी कलेक्टर के पद पर पदस्थ हैं। गांधी चौक स्थित एफ-2 अफसर कॉलोनी एसपी बंगला के सामने डिप्टी कलेक्टर का शासकीय आवास है। वह 6 जून की रात करीब 11 बजे शासकीय आवास का ताला बंदकर अपने गृह ग्राम गए थे। 11 जून को वापस लौटे तो आवास का पीछे का दरवाजा खुला था तथा रूम का अलमारी वगैरह खुला था और सामान इधर-उधर बिखरा पडा था।चोरों ने एक नग एलईडी टीवी, पर्स 3 नग, ट्रीमर 1 नग, बैड रूम का बल्ब 2 नग, ब्लूटूथ कनेक्टेड, वास बेसिन का 2 नग नल चोरी कर ले गए हैं। डिप्टी कलेक्टर ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 305 (ए), 331 (4) के तहत रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

आदिवासी सशक्तिकरण के लिए जागरूकता व लाभ शिविरों का 17 से 30 जून तक होगा आयोजन

महासमुंद, 13 जून । आदिवासी समुदायों के समग्र विकास और सरकारी योजनाओं के लाभों की शत-प्रतिशत पहुँच सुनिश्चित करने हेतु जिला प्रशासन महासमुंद द्वारा ÷धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत 17 जून से 30 जून 2025 तक ग्राम स्तर पर जागरूकता एवं लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार इन शिविरों में विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के चिन्हांकित गांवों में विभिन्न विभागीय सेवाओं और कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ प्रदान किया जाएगा।

सेन्ट्रल लाईब्रेरी एवं गारमेंट फैक्ट्री में नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया गया

बीजापुर 13 जून । भारत सरकार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय नई दिल्ली एवं समाज कल्याण संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा 1 जून से 26 जून 2025 तक अंतराष्ट्रीय नशा दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश के तारतम्य में दिनांक 11 जून को जिला बीजापुर अंतर्गत सेंट्रल लाईब्रेरी बीजापुर एवं गारमेंट फैक्ट्री में नशा निवारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में नशा-पान के दुष्प्रभाव के संदर्भ में संगोष्ठी आयोजित की गयी। नशे के दुष्परिणाम की विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी। उपसंचालक समाज कल्याण श्री कमलेश पटेल द्वारा जिले में संचालित समाज कल्याण की समस्त योजनाओं का विस्तार पूर्वक जानकारी से सभी को अवगत कराते हुए नशे से दुर रहने एवं छोड़ने की सभी को शपथ दिलाया गया । नशा निवारण माह अंतर्गत इस प्रकार के अन्य संगोष्ठीया भविष्य में भी आयोजित किये जाने की जानकारी समाज कल्याण विभाग द्वारा दी जायेगी ।

पालनार में बटा जाबकार्ड, मनरेगा से निर्माण कार्य प्रगति पर

बीजापुर 13 जून । दशकों तक माओवादियों की दशहत की गूंज के चलते पालनार में ग्रामीणों की जिंदगी सिसकियां ले रही थी। शासन की योजनाएं तो दूर प्रशासन स्तर के अधिकारी कर्मचारी को भी इस क्षेत्र में जाने की मनाही थी। आज उसी पालनार ग्राम में ग्रामीण शासन की योजनाओं से जुड़कर कंधे से कंधा मिलाकर विकास के पथ की ओर अग्रसर हो रहे हैं । पालनार में वर्तमान में महात्मा गांधी नरेगा योजना से पंचायत भवन , आंगनबाड़ी और डबरी निर्माण कार्य प्रगति पर हैं।यह सब संभव हो पा रहा है, छत्तीसगढ़ शासन की महत्वकांक्षी योजना नियद नेल्लानार की बदौलत। इस ग्राम में नए जुड़े मजदूरों को उनका महात्मा गांधी नरेगा से बने जॉबकार्ड वितरण किया गया। जॉबकार्ड अपने हाथों में पाकर ग्रामीण श्रमिको की खुशी देखते ही बन रही थी। पालनार में मनरेगा योजनांतर्गत 201 श्रमिक कार्ड है, जिसमें कुल 369 पंजीकृत श्रमिक है।

जाबकार्ड वितरण करने पहुंचे सहायक परियोजना अधिकारी मनीष सोनवानी और सहायक प्रोग्रामर बिच्चम ताती ने ग्रामीणों को मनरेगा योजना से हितग्राहियों को स्वीकृत होने वाले कार्यों जैसे कुआं निर्माण कार्य, डबरी के बारे में जानकारी दी। साथ ही बताया कि इन स्वीकृत निर्माण कार्यों में कार्य करने पर श्रमिकों को 261 रुपए की मजदूरी भी प्राप्त होगी।

आदिवासी एवं अनुसूचित जाति के उत्कृष्ट खिलाड़ी छात्राओं का प्रारंभिक चयन 1 से 3 जुलाई तक

रायगढ़, 13 जून। आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित शासकीय कन्या क्रीड़ा परिसर में नवीन सत्र 2025-26 के लिए आदिवासी एवं अनुसूचित जाति के उत्कृष्ट खिलाड़ी छात्राओं का प्रारंभिक चयन 1 से 3 जुलाई 2025 तक कन्या क्रीड़ा परिसर धरमजयगढ़ के मैदान पर आयोजित होगी। जिसके लिए आवेदन पत्र कार्यालय शा.कन्या क्रीड़ा परिसर धरमजयगढ़ में 16 जून से 30 जून 2025 तक प्रातः 10 से 12 बजे एवं शाम 4 से 5 बजे तक प्राप्त किए जायेंगे। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कार्यालय रायगढ़ से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रवेश हेतु छात्राओं को कक्षा 6 वीं से 8 वीं तक अध्ययनरत होना चाहिए। माध्यमिक स्तर तक अधिकतम आयु 14 वर्ष से कम (31 दिसम्बर 2025 की स्थिति में)हो, एक ही कक्षा में लगातार 2 वर्षो तक अनुतीर्ण न हो, प्रवेश के लिए जिले या क्षेत्र का कोई बंधन नहीं हो एवं आवेदन पत्र के साथ अंकसूची की सत्यापित प्रति, जाति प्रमाण-पत्र, खेलकूद प्रमाण-पत्र के साथ 1 से 3 जुलाई 2025 तक समय 8.30 बजे प्रातः काल अभिभावक के साथ शासकीय कन्या क्रीड़ा परिसर धरमजयगढ़ में उपस्थित हो सकते है। इसके लिए बैटरी टेस्ट 10 प्रकार के होंगे जिनमें 50/100 मीटर दौड़, 200/400 मी.दौड़, उछाल परीक्षण, शटल रन, स्फूर्तिदायक परीक्षण, शक्ति परीक्षण, अपर बाडी बेंडिंग, पुश अप, लेग रेजिंग, शीटअप शामिल है।

प्रवेशित छात्राओं को मिलेगी ये सुविधाएं-प्रवेशित छात्राओं को कन्या क्रीड़ा परिसर छात्रावास में निवास करना अनिवार्य होगा तथा निम्न सुविधायें जैसे 2 हजार रुपये प्रतिमाह की दर से शिष्यवृत्ति, प्रतिवर्ष गणवेश सुविधा, प्रतिवर्ष स्पोर्ट्स कीट्स साथ ही परिसर में हॉकी, नेटबाल, व्हालीबॉल, कबड्डी, हैण्डबाल एवं एथलेटिक्स विधाएं संचालित है।

भाजपा की सरकार आते ही बढ़ जाती है अवैध शराब बिक्री और रेत की कालाबाजारी :पिल्ले

राजनांदगांव, 13 जून। नगर निगम नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने जिले में बह रही अवैध शराब की गंगा और खनिज माफियाओं के अवैध रेत खनन व इसकी कालाबाजारी को देखते हुए भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि जब-जब भाजपा की सरकार सत्ता में आती है अवैध शराब के कारोबारी बढ़ जाते हैं और नदियों के अवैध रेत उत्खनन करने वालों को तो एक प्रकार से लायसेंस मिल जाता है। इससे इनकी बल्ले-बल्ले रहती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बह रही अवैध शराब की गंगा के चलते जहां तस्करों की चांदी हो जाती है वहीं धरती के सीने को खोखला करने वाले अवैध खनिज उत्खनन कर्ता व नदियों के सीने को चीर कर अवैध रेत निकालने वाले माफियाओं का पांचों उंगलियां घी में रहता है। भाजपा के राज में ये माफिया बड़े ठाठ से अपना धंधा चलाते हैं।

भाजपाइयों द्वारा इन तत्वों को शह- पिल्ले ने कहा कि इन तत्वों को सबसे ज्यादा शह भाजपा सरकार व उनके नुमाइंदे द्वारा दी जाती है जिसका जीता जागता सबूत शहर के मोहड़ वार्ड पार्षद हैं। उसके ही कारण मोहड़ से हो कर बह रही शहर की जीवनदायिनी नदी शिवनाथ से चोरी - छिपे रेती निकलने का कुचक्र किया जा रहा था। जेसीबी के माध्यम से अवैध रूप से रेती निकाली जा रही था। गनीमत है कि मोहड़ वार्ड वासियों की नजर उन पर पड़ गई और रोक थाम के लिए आगे बढ़े तो रेत माफियाओं ने उन पर गोलियां चला दीं। श्री पिल्ले ने कहा कि संस्कार धानी कहा जाने वाले क्षेत्र में इस तरह की यह पहली घटना है। यदि भाजपा वाले इस तरह को निंदनीय काम को अंजाम देते रहे तो देशी कट्टा की जगह ऐ के 47 जैसे आग्नेयास्त्र भी निकल सकता है। पिल्ले ने कहा कि प्रशासन को ऐसे तत्वों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई किया जाना चाहिए।

रायपुर। अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में स्वर्गलोक सिधारने वाले गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी 21 अप्रेल 2018 को अपने संक्षिप्त रायपुर प्रवास के दौरान समय निकाल कर भाजपा के प्रांतीय कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर का अवलोकन किया था और कार्यालय भवन की खूब प्रसंशा की थी। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक बजाज पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी एवं कार्यालय प्रभारी केदार गुप्ता आदि उपस्थित थे।

जलप्रपातों के आसपास सेल्फी लेने वालों पर होगी कड़ी कानूनी कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर। जिले में अनेक खूबसूरत जलप्रपात स्थित हैं, जिनमें अमृतधारा, रमदहा तथा कर्म घोंघा जिले की प्रमुख जलप्रपात हैं। इन प्राकृतिक स्थलों पर लगातार पर्यटकों की भीड़ उमड़ती है, लेकिन लापरवाही भरे व्यवहार से कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। विगत दिवस नागपुर तहसीलदार समीर शर्मा के नेतृत्व में अमृतधारा जलप्रपात पर कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार कृष गुप्ता पिता राजेंद्र प्रसाद गुप्ता उम्र 19 वर्ष निवासी बस स्टैंड के पास मनेंद्रगढ़ तथा मोहम्मद अरशद पिता समीम कुरैशी उम्र 20 वर्ष निवासी लोको कॉलोनी मनेंद्रगढ के दोनों युवक अमृतधारा जलप्रपात पर पहुंचे थे। इन्हें जलप्रपात के नीचे पानी के बेहद करीब नहाते हुए देखा गया, जिसके चलते इन्हें तत्काल गिरफ्तार कर थाना नागपुर ले जाया गया। थाने में परिजनों के निवेदन पर दोनों युवकों को सख्त समझाइश देकर रिहा किया गया। यह पहला मामला नहीं है, इससे पूर्व भी जिले के विभिन्न जलप्रपातों में इस तरह की

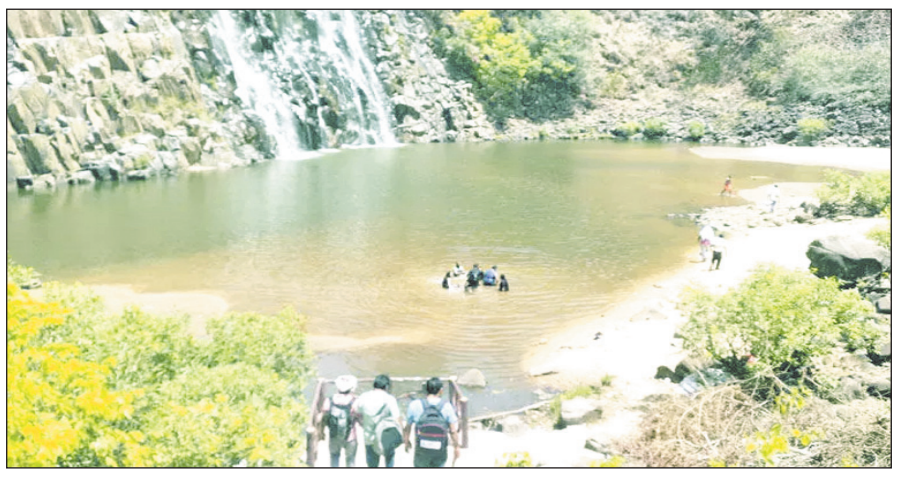

लापरवाहियों के कारण कई दुर्घटनाएं घटित हो चुकी हैं। इन्हीं घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने सख्त चेतावनी जारी की है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई भी व्यक्ति चाहे वह अकेले हो या समूह में जलप्रपात के आसपास नहाते हुए या सेल्फी लेते हुए पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कानूनी प्रकरण दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी पर्यटकों से अपील की है कि वे सुरक्षा मानकों का पालन करें और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद सुरक्षित दूरी से लें।

एक नजर

अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटनाग्रस्त पर विधायक इन्द्र साव ने जताया दुःख

भाटापारा, 13 जून। अहमदाबाद में गुरुवार की दोपहर में हुई विमान दुर्घटनाग्रस्त पर विधायक इन्द्र साव ने गहरा दुःख व्यक्त किया है और घटना में मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ लाभ की कामना की है।अहमदाबाद गुजरात में लंदन जा रहा एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हुआ है।उन्होंने कहा कि इस हृदय विदारक हादसे में भारतीयों सहित ब्रिटिश, पुर्तगाली और कनाडाई नागरिकों की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु अत्यंत पीड़ादायक है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और उनके परिजनों को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति दें। साथ ही सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूँ।

सदगुरु कबीर साहब 627 वा प्राकट्य दिवस पर बाबूजी फाउंडेशन द्वारा विविध आयोजन

भाटापारा, 13 जून। सदगुरु कबीर साहब की 627 वे प्राकट्य दिवस के पावन अवसर पर बाबूजी फाउंडेशन द्वारा शरबत,खीर, पूड़ी,सब्जी, चना, का भंडारा,प्रसादी का वितरण महतारी चौक बाबूजी मोबाईल परिसर मे आम जन मानस को कराया गया।संचालक बाबू तोरण साहू महोदय जी का कहना है।आज संपूर्ण भारत वर्ष को सदगुरु कबीर साहब के विचारों बताए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। जो तिल माही, तेल है जो चकमक में आग। तेरा साईं तुझ में है जाग सके तो जाग। जिस प्रकार तिल के अंदर तेल रहता है दिखता नहीं, चकमक को रगडने से आग की उत्पत्ति होती है नजर नहीं आता। ठीक उसी प्रकार परमात्मा सदगुरु ईश्वर हम सब के घट,अंदर विराजमान है वह सामान्यत दिखता नहीं। नगर के समाजसेवी तेज प्रकाश जैन, अरुण छाबड़ा, आकाश अग्रवाल, भंवर सिंह साहू अर्जुनी, दुर्गेश, दिलीप, तिलक, संतोष, केशव, चिंटू,आर्यन साहू हर्षित कबीर, राजलक्ष्मी, कल्याणी, डॉ वीणा कमला साहू, आदि।

रेडक्रॉस ने गौरव ग्राम मेघा में किया पौधारोपण

धमतरी, 13 जून। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा धमतरी के दिशा निर्देशन में ब्लॉक काउंसलर अवध राम साहू एवं वॉलिंटियर्स के द्वारा गौरव ग्राम मेघा में एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत आम नीम जामुन व अन्य पौधों का का रोपण किया गया पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी निभाते हुए पर्यावरण को स्वच्छ बनाने संकल्प लिया गया इस अवसर पर वॉलिंटियर्स शिक्षक शिक्षिकाओं का सहयोग रहा द्य स्कूल के प्राचार्य श्री एस के साहू । रेडक्रॉस काउंसलर अवध राम साहू लाइब्रेरियन विद्या साहू अमित कुमार कंवर कीर्ति लता साहू , दिलीप कुमार साहू भावना चावड़ा किरण साहू जयंत कुमार साहू प्रीतम लाल साहू टूकेश्वरी साहू एवं नवीन सूरज तुषार तुलेश्वर निखिल अंकित साहू समस्त छात्र-छात्राओं का कार्यक्रम में भरपूर सहयोग रहा।

5 नवीन पीडीएस दुकान संचालन हेतु आवेदन आमंत्रित

बलौदाबाजार, 13 जून। नगर पालिका बलौदाबाजार अंतर्गत स्वामी विवेकानन्द वार्ड, राजीव गांधी वार्ड,गुरु नानक देव वार्ड,चंद्रशेखर आजाद वार्ड एवं रानी लक्ष्मी बाई वार्ड में नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन किया जाना है। दुकान हेतु लैम्प्स, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति,वन सुरक्षा समिति, महिला स्व सहायता समूह, ग्राम पंचायतों अन्य सहकारी समितियों से आवेदन आमंत्रित किया गया है। समस्त दस्तावेजों के साथ आवेदन पत्र कार्यालय कलेक्टर खाद्य शाखा जिला बलौदाबाजार - भाटापारा कक्ष क्रमांक 80 में कार्यालय समय पर जमा कर सकते है।

आवासीय विद्यालय में प्रवेश हेतु मेरिट सूची जारी

बलौदाबाजार, 12 जून। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सोनाखान अंतर्गत कक्षा 6वीं में प्रवेश परीक्षा की काउंसिलिंग 19 एवं 20 मई को किया गया था जिसका मेरिट सूची जिले के वेब साईट http://balodabazar.gov.in पर जारी क्र दिया गया है।

सरस्वती शिशु मंदिर ने दी बच्चों को सौगात

नवनिर्मित केशव भवन शिक्षा, संस्कृति और संस्कारों का बनेगा संगमः साय

रायपुर, 13 जून। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज प्रदेश की ऊर्जाधानी कोरबा स्थित प्रदेश के सबसे बड़े सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में नन्हें-मुन्हें बच्चों के लिए नवनिर्मित केशव भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह भवन शिक्षा, संस्कृति और संस्कारों का संगम बनेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केशव भवन बच्चों के सर्वांगीण विकास का एक सशक्त माध्यम सिद्ध होगा। सरस्वती शिशु मंदिर संस्था शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। यहां विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि उत्तम संस्कार भी प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर केवल विद्यालय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की एक सशक्त आधारशिला है, जहाँ से सच्चे राष्ट्रभक्तों का निर्माण होता है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रप्रेम और नैतिक शिक्षा को समर्पित इस भवन को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करते हुए विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु तैयार किया गया है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री, श्री अरुण साव, उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, विद्यायक श्री प्रेम चंद पटेल, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंहदेव, महापौर कोरबा श्रीमती संजू देवी राजपूत सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सरस्वती शिशु मंदिर के प्रबंधन समिति से जुड़े सदस्यगण तथा शिक्षक उपस्थित थे।

गांजा तस्करी मामले में फरार आरोपी गोपाल बंजारे को किया गया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 13 जून। मुखबिर की सूचना पर थाना सिटी कोतवाली की पुलिस टीम द्वारा कृषि उपज मंडी के पास घेराबंदी कर आरोपी आकाश कुर्रे को अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया गया था तथा प्रकरण में आरोपी से 34 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त किया गया था। प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 384/2025 धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया था। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा प्रकरण में शामिल अन्य आरोपी के संबंध में लगातार छानबीन किया जा रहा था। इसी बीच परिस्थितिजन्य साक्ष्यों, तकनीकी विश्लेषण एवं आरोपी से विस्तृत पूछताछ के आधार पर आरोपी के साथ अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करने में सहयोग करने वाले आरोपी गोपाल बंजारे को हिरासत में लिया गया है, जो की पूर्व में गिरफ्तार आरोपी आकाश कुर्रे का रिश्ते में साला लगता है। पुलिस टीम द्वारा आरोपी से विस्तृत पूछताछ किया गया, जिसमें आरोपी द्वारा पूर्व में गिरफ्तार आरोपी आकाश कुर्रे के साथ अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करना स्वीकार किया गया। प्रकरण में आरोपी को आज दिनांक 11.06.2025 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समस्त प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

सीआईपीसी का राज्य स्तरीय पत्रकारिता महोत्सव 14 को

रायपुर, 13 जून। सेन्ट्रल इंडिया प्रेस क्लब की छत्तीसगढ़ इकाई का प्रथम राज्य स्तरीय पत्रकारिता महोत्सव कल 14 जून को रायपुर में आयोजित होने जा रहा है। सेन्ट्रल इंडिया प्रेस क्लब के प्रदेश अध्यक्ष पीयूष मिश्रा ने बताया कि आयोजन में छत्तीसगढ़ में मूल्य आधारित पत्रकारिता विषय पर परिचर्चा आयोजित की जाएगी। इसमें पत्रकारिता के अलावा विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका से जुड़ी अनेक दिग्गज हस्तियाँ अपने विचार रखेंगी। मिश्रा ने बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे.

45 लीटर महुआ शराब सहित 1100 किग्रा महुआ लाहन जब्त किया आबकारी विभाग ने

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 13 जून। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर जिले में अवैध शराब निर्माण, भंडारण एवं परिवहन पर आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी तारतम्य में गस्त के दौरान कसडोल क्षेत्र में आबकारी विभाग की टीम द्वारा 45 बल्क लीटर महुआ शराब सहित 1100 किग्रा महुआ लाहन जब्त की गई। आरोपी देवप्रसाद यादव पिता कंशराम उम्र 35 वर्ष, चौकी बया अंतर्गत ग्राम सैयहाभाठा के कब्जे से 20.00 बल्क लीटर हाथभट्ठी महुआ शराब एवं 600 कि.ग्राम महुआ लाहन जप्त किया गया। इसी तरह आरोपी वासुदेव यादव पिता नरेश यादव उम्र 32 वर्ष चौकी बया अंतर्गत ग्राम सैयहाभाठा से 25.00 बल्क लीटर हाथभट्ठी महुआ शराब एवं 500 कि.ग्राम महुआ लाहन कुल 45.00 बल्क लीटर महुआ शराब व

1100 कि.ग्राम महुआ लाहन जब्त किया गया। आरोपी के विरूध्द छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2)(1)(च) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। उक्त कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी जलेश कुमार सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गुढ़ियारी में चोरी की बड़ी वारदात, 11 लाख रु. से ज्यादा के जेवरात ले उड़े शातिर चोर

■ शादी में था परिवार

रायपुर, 13 जून। राजधानी क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं में एक बार फिर से इजाफा होता नजर आ रहा है। पुलिस के तमाम उपायों के बाद भी अपराधी अपनी कारगुजारियों को अंजाम देने से नहीं चूक रहे है और पुलिस के सामने चुनौतियां पेश कर रहे हैं। ताजा मामला रायपुर के गुढ़ियारी थाना क्षेत्र का है जहां शातिर चोरों ने चोरी की एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने यहाँ एक सूने घर पर धावा बोलकर करीब साढ़े 11 लाख रुपये कीमत के गहने-जेवरात पर हाथ साफ़ कर दिया। पीड़ित परिवार के मुताबिक वह एक शादी समारोह में शामिल होने गए हुए थे। देर रात करीब 3 बजे जब वह घर लौटे तो नजारा देखकर दंग रह गए। घर के सामान इधर-उधर बिखरे पड़े थे। चोर अपने साथ घर पर रखे गहने जेवरात, जिसकी कीमत करीब 11.51 लाख रुपये थी, ले उड़े थे। उन्होंने फ़ौरन इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत दर्ज करने के साथ ही मौके का मुआयना किया। चोरों की करतूत वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और तलाश शुरू कर दी गई है।

राज्य खेल अलंकरण : उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और निर्णायकों को मिलेगा पुरस्कार

■ एक से अधिक अलंकरण के लिए अलग-अलग करना होगा आवेदन, 26 जून तक आवेदन आमंत्रित

धमतरी 13 जून। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा हर साल खिलाडियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों को राज्य खेल अलंकरण से सम्मानित किया जाता है। राज्य के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों को यह पुरस्कार दिए जाते हैं। खेल अधिकारी ने बताया कि इन पुरस्कारों के इच्छुक आवेदक आगामी 26 जून तक आवेदन कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित किये गये नियमों के तहत पात्रता रखने वाले आवेदकों को पुरस्कार के लिए प्रावीण्यता के आधार पर चयन किया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त विजेताओं को प्रोत्साहन नियम के तहत नगद राशि पुरस्कार अलंकरण प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023-24 में (01 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक) एवं वर्ष 2024-25 में (01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक) जिन खिलाडियों ने सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त किया है, वे खिलाड़ी जिला कार्यालय एवं अपने खेल संघों से आवेदन फार्म प्राप्त कर निर्धारित अंतिम तिथि तक जमा कर सकते हैं। आवेदन संचालनालय, खेल एवं युवा कल्याण रायपुर अथवा खेल एवं युवा कल्याण विभाग धमतरी में कार्यालयीन समय में निर्धारित दस्तावेज सहित जमा किया जा सकता है।

इसी तरह खेलवृत्ति (डाईट मनी) के लिये जिन खिलाड़ियों ने अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त किया हो या राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया हो, खेलवृत्ति हेतु आवेदन कर सकेगें। खेलवृत्ति की अधिकतम आयु सीमा 19 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। खेल संघो से प्रोत्साहन के लिए उनके द्वारा वर्ष 2023-24 में (01 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक) एवं वर्ष 2024-25 में (01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक) अर्जित की गई उपलब्धि के लिए प्रेरणा निधि के आवेदन निर्धारित तिथि तक जिला कार्यालय में जमा कर सकेंगे। खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग धमतरी, संचालनालय, खेल एवं युवा कल्याण रायपुर में राज्य खेल संघो से अनुसंशा सहित आवेदन अंतिम तिथि तक जमा किया जा सकेगा। खिलाड़ी को एक से अधिक अलंकरण, सम्मान के लिए अलग-अलग आवेदन प्रस्तुत करना होगा। आवेदन पत्रों का प्रारूप और विस्तृत जानकारी खेल विभाग की वेबसाईट पर उपलब्ध है।

राज्य खेल अलंकरण के तहत सीनियर वर्ग के ऐसे खिलाड़ी जिनके द्वारा राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में या राष्ट्रीय खेलों में कोई पदक प्राप्त किया गया हो अथवा अधिकृत अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व किया गया हो।

समाचार संक्षेप

बाबा बैदनाथ इस्पात लिमिटेड गैतरा के विस्तार की जनसुनवाई सम्पन्न

तिल्दा-नेवरा, 13 जून। जब-जब भी कोई नया उद्योग लगता है या उद्योगों का विकास की बात होने लगती है तो कुछ लोगो के दवारा निजी स्वार्थ के चलते ग्रामीणों को बहका के विरोध करवाया जाता है हैं किंतु क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि जिला प्रशासन और ग्रामीणों की सकारात्मक सोच के परिणाम स्वरूप उद्योग का विकास भी होता है ग्राम गैतरा में खुलने वाले बाबा बैदनाथ इस्पात लिमिटेड गैतरा को जनसुनवाई अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल और पर्यावरण अधिकारी पी के रावड़े की उपस्थिति में ग्रामीणों ने कंपनी के पक्ष विपक्ष दोनों पक्षों के लोगों ने अपनी-अपनी बातें रखी ग्रामीणों के हल्के विरोध के साथ सफलता पूर्वक जनसुनवाई सम्पन्न हुआ क्षेत्रीय जनप्रिनिधियो ने कहा की उद्योग लगेगा तो रोजगार मिलेगा ग्रामीण बेरोजगार युवाओ के साथ साथ महिलाओं को भी रोजागार मिलेगी,कारखाने में विभिन्न पदों पर अस्थायी या संविदा के आधार पर रोजगार सृजन होगा। महिलाओं ने बच्चो की शिक्षा ,ग्रामीण महिलाओं एवं क्षेत्र के युवाओं को रोजगार ,गावों के सर्वांगीण विकास की शर्तों पर अपनी सहमति जताई। वही कम्पनी प्रबंधन ने क्षेत्रीय ग्रामीणों के फैक्ट्री में योग्यता अनुसार काम,स्थानीय को प्राथिमकता ,पर्यावरण संतुलन बनाये रखने ,गावों के विकास की बात कही है । उपरोक्त सभी बातों को देखते हुए जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने कहा की गांव में कम्पनी लगने से रोजी मजदूरी करने बाहर प्रान्त में नहीं जाना पड़ेगा।

काम से लौट रहे दो लोगों पर बियर बाटल से हमला

तिल्दा नेवरा, 13 जून। तिल्दा नेवरा क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियां लगातार बढ़ रही है दिन दहाड़े अपराध करने से भी नहीं चूक रहे है ग्रेविटी आयरन एंड पावर ग्राम चांपा के मैनेजर अतुल पांडे ने थाना प्रभारी तिल्दा नेवरा को आवेदन देकर बताया है की उनके प्लान्ट के दो कर्मचारी दिन में लगभग 4 . 45 के आसपास बजरंग पावर किरना से काम निपटा कर वापस आ रहे तभी वक्रांगी मिनरल ग्राम टंडवा के पहले दो मोटर सायकल सवार युवको ने बियर की बॉटल से सिर में जानलेवा हमला कर दिए किसी तरह से लहूलुहान हालत में कर्मचारी अपनी जान बचा कर भागे इसके बाद भी हमला करने वाले लोग मोटर सायकल से पीछा करते रहे अतुल पांडे ने थाना प्रभारी तिल्दा नेवरा ने अपराधियों को पकड़ कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है थाना प्रभारी तिल्दा नेवरा सत्यम सिंह श्याम ने कहा है की किसी भी अपराधी को बख्सा नहीं जायेगा उन पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम में शामिल हुए टंकराम वर्मा

तिल्दा नेवरा, 13 जून। भाजपा तिल्दा शहर मंडल के द्वारा आयोजन किया गया संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम का आमसभा जिसमें प्रमुख वक्ता के रूप में शामिल हुए मंत्री टंक राम वर्मा साथ में अनिल अग्रवाल जिला महामंत्री, चंद्रकला वर्मा अध्यक्ष नगर पालिका तिल्दा नेवरा ,उपाध्यक्ष पलक विकास सुखवानी एवं शहर और ग्रामीण क्षेत्र के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि हुए कार्यक्रम में सम्मिलित मुख्य वक्ता मंत्री टंक राम वर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी जी के अनेकों जन कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए मोदी जी के 11 वर्ष सफल कार्यकाल पूर्ण होने पर अपनी बात रखी एवं उन्होंने कहा कि जब से मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने हैं अनेकों समाज ,युवा वर्ग महिला उत्थान एवं विभिन्न क्षेत्रों में उन्होंने स्वर्णिम निर्णय लेते हुए विकास कार्यों का इतिहास रचा वही 12 जून को क्षेत्रीय विधायक एवं मंत्री टंक राम वर्मा जी का जन्म दिवस भी था लेकिन नगर में विभिन्न स्थानों पर उनके जन्म दिवस पर कार्यक्रम आयोजित था लेकिन उन्होंने गुजरात के हवाई क्रश के दुखद घटना को सुनने के बाद जानने के बाद सारी जन्मदिन की कार्यक्रमों को स्थगित किया कार्यक्रम में तिल्दा शहर और ग्रामीण मंडल के सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ मंडल अध्यक्ष भाजपा तिल्दा शहर मनोज निषाद, मंडल अध्यक्ष नरसिंह वर्मा ग्रामीण, राम पंजवानी ,नरेंद्र शर्मा, राजेश सतपाल, डॉक्टर खुमान वर्मा, दिनेश कुमार साहू पार्षद दिलहरण निषाद, विकास सुखवानी, हरीश वर्मा ,देवकी बाघमार, बेबी गोस्वामी, अनुराधा वर्मा, नंदनी खींचरिया, यशवंत वर्मा ,भागबली साहू , डागेश्वर साहू, गिरीश साहू ,एसडीएम आशुतोष देवांगन ,अनिल नायक, सुनील नायक, संतोष साहू ,अलख साहू, पवन अग्रवाल, सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं नीता खंडेलवाल, पति आशीष खंडेलवाल, निवासी बी-102 सी.जी हाईटस दलदल सिवनी रोड गुरूद्वारा के पास, दुबे कॉलोनी मोवा सड्डू रायपुर (छ.ग.) 492013 यह शपथ करती हूं कि मैं अपना पुराना नाम नीता ए खंडेलवाल, पति आशीष खंडेलवाल को त्याग कर नया नाम नीता खंडेलवाल, पति आशीष खंडेलवाल रख ली हूं। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम नीता खंडेलवाल, आशीष खंडेलवाल से ही जानी पहचानी जावे।

नीता खंडेलवाल

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आशीष खंडेलवाल, पिता श्री विरेन्द्र खंडेलवाल, निवासी बी-102 सी.जी हाईटस दलदल सिवनी रोड दुबे कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 492013 यह शपथ करता हूं कि मैं अपना पुराना नाम आशीष वी खंडेलवाल, पिता श्री विरेन्द्र खंडेलवाल को त्याग कर नया नाम आशीष खंडेलवाल, पिता श्री विरेन्द्र खंडेलवाल रख लिया हूं। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम आशीष खंडेलवाल, पिता श्री विरेन्द्र खंडेलवाल से ही जाना पहचाना जावे।

आशीष खंडेलवाल

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, बस्तर मण्डल, जगदलपुर

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है:-
निविदा डाऊनलोड करने की अंतिम तिथि:- 24/06/2025

स. क्र.	नि.आ.सु.क्र./ नि.आ.सु दिनांक	सिस्टम निविदा क्रमांक निविदा का क्रम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रूपए लाख में)
01	02	03	04	05
1	51/2025-26 दिनांक 09/06/2025	169769 (प्रथम आमंत्रण)	जिला-बीजापुर, ब्लाक-उसूर के बीजापुर-आवापल्ली-बासागुड़ा जगरगुण्डा मार्ग लम्बाई 43.50 में साधारण मरम्मत का कार्य।	40.00
2	52/2025-26 दिनांक 09/06/2025	169770 (प्रथम आमंत्रण)	जिला-बीजापुर, ब्लॉक उसूर के बीजापुर-आवापल्ली-बासागुड़ा जगरगुण्डा कि.मी. 1/2 से 1/8, 16/2 से 16/8, 17/8 से 18/8, 22/4 से 22/10, 25/6 से 26/4, 30/2 से 30/10, 34/4 से 35/4, 38/2 से 38/8, 41/4 से 41/10, 43/2 से 43/6 = 43.50 कि.मी. में बी.टी. पेच एवं डब्ल्यू.एम.एम. का कार्य।	70.00
3	53/2025-26 दिनांक 09/06/2025	169771 (प्रथम आमंत्रण)	जिला-बीजापुर, ब्लॉक-उसूर के बीजापुर-आवापल्ली-बासागुड़ा जगरगुण्डा मार्ग में रोड मार्किंग का कार्य।	15.00
4	54/2025-26 दिनांक 09/06/2025	169772 (प्रथम आमंत्रण)	जिला-बीजापुर, ब्लॉक-बीजापुर/भैरमगढ़ के अंतर्गत उपसंभाग क्र. 01 के मार्गों में रोड मार्किंग का कार्य।	24.97
5	55/2025-26 दिनांक 09/06/2025	169773 (प्रथम आमंत्रण)	जिला न्यायालय दंतेवाडा में न्यायिक कर्मचारियों हेतु 02 नग 'जी' टाईप, 52 नग 'एच' टाईप, 33 नग 'आई' टाईप, आवासीय भवनों में बाउण्ड्रीवाल, सी.सी. मार्ग एवं नाली निर्माण कार्य	50.00

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बस्तर मडल जगदलपुर

G-252601493/4

एक नजर

आंख में पट्टी, फिर भी महिला एसपी ने फोड़ दी मटकी

बलौदाबाजार, 13 जून। पुलिस ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच मेलजोल की भावना को और अधिक प्रगाढ करने एवं आपसी सामंजस्य स्थापित करने के उद्देश्य से पारंपरिक खेल प्रतियोगिता आयोजित किया गया। इस खेल में एसपी, एएसपी समेत जिले के सभी पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों ने हाथ अजमाया।

महिलाओं से की अभद्र टिप्पणी, वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने लिया एक्शन, दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 13 जून। कोरबा शहर में राह चलती महिलाओं पर टीका-टिप्पणी और अभद्र व्यवहार का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद कोरबा पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए त्वरित कार्रवाई की है। वायरल वीडियो में दो युवक मोटरसाइकिल से गुजरती महिलाओं पर अशोभनीय टिप्पणी करते नजर आ रहे थे।

पुलिस ने वायरल वीडियो में दिख रहे मोटरसाइकिल नंबर सीजी-12बीएल-1770 के आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में ले लिया है। गिरफ्तार युवकों में दीपक कुमार खुटे (पिता दृ शत्रुघ्न लाल खुटे, उम्र 25 वर्ष, निवासी दृ सैंडल, थाना दृ उरगा, जिला दृ कोरबा) और सुरेंद्र कुर्रे (पिता-तिहारू राम कुर्रे, उम्र 20 वर्ष, निवासी,चांपा जगदल्ला, अंबेडकर चैक, थाना-चांपा, जिला जांजगीर-चांपा) शामिल हैं।

निगम अपील समिति में 10 प्रकरणों की सुनवाई, 4 निराकरण की स्थिति में आये

रायपुर, 13 जून। आज रायपुर नगर पालिक निगम की अपील समिति की बैठक हुई, जिसमें 10 प्रकरणो की सुनवाई की गई.अपील समिति की बैठक होने के उपरांत महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि अपील समिति में कई वर्षों से मामले लंबित हैं, जिसकी लगातार सुनवाई करके सभी प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाएगा. 10 प्रकरणों में से 4 प्रकरण निराकरण की स्थिति में आ गए हैं, शहर की जनता पर किसी भी तरह से थोपे गए आदेशों के विरुद्ध अपील समिति से लोग न्याय की आशा रखते हैं. आज की अपील समिति की बैठक में बेजा कब्जा, राजस्व, नामांतरण, तोड़फोड़ के प्रकरण सुने गए. उक्त बैठक में नगर निगम अपील समिति की पदेन अध्यक्ष महापौर श्रीमती मीनल चौबे, समिति के मानद सदस्य एवं पार्षद श्री राजेश गुप्ता, श्रीमती स्वप्निल मिश्रा,श्री महेंद्र औसर, श्री विनय पंकज निर्मलकर, नगर निगम सचिव सूर्यकान्त श्रीवास्तव,निगम के विधिक सलाहकर स्थायी अधिवक्ता श्री टी.सी. गुप्ता उपस्थित थे.

स्वास्थ्य विभाग ने आकस्मिक निरीक्षण में 14 दुकानों से 12700 रूपये जुर्माना वसूला

रायपुर, 13 जून। आज नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप के आदेशानुसार और अपर आयुक्त (स्वास्थ्य) श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही, जोन 2 जोन कमिश्नर डॉक्टर आर. के. डोंगरे के निर्देश पर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 2 की स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा सफाई मित्रों और स्वच्छता दीदियों की सहायता से जोन 2 जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री रवि लावनिया की उपस्थिति में जोन 2 क्षेत्र के अंतर्गत बाजार क्षेत्रों में विभिन्न दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया और 14 दुकानों में आकस्मिक निरीक्षण के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक, गन्दगी मिलने, दुकानों में डस्टबिन नहीं मिलने पर कुल 12700 रूपये सम्बंधित दुकान संचालकों को भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए वसूलने की कार्यवाही की और इस सम्बन्ध में रायपुर नगर पालिक निगम स्वास्थ्य विभाग को प्राप्त पॉलीथिन, गन्दगी

वर्षाकाल में जलजनित रोगों के रोकथाम हेतु महापौर, जलकार्य विभाग अध्यक्ष, आयुक्त के निर्देश

रायपुर, 13 जून। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, जलकार्य विभाग अध्यक्ष श्री संतोष सीमा साहू, आयुक्त श्री विष्वदीप ने सभी जोन कमिष्नरों को वर्षाकाल में जलजनित रोगों के रोकथाम हेतु जोन स्तर पर आवष्यक कार्य कराये जाने हेतु निर्देश दिये है। जोन में स्थापित हैण्ड पंप, पावर पम्पों का डिसइन्फेक्शन का कार्य सोडियम हाइपोक्लोराइट या ब्लीचिंग पावडर का उपयोग कर प्रथम चरण दिनांक 25 जून 2025, द्वितीय चरण 10 जुलाई 2025 एवं तृतीय चरण 30 जुलाई 2025 तक कुल 03 चरणो में किया जावें। जोन में स्थापित हैण्ड पंप, पावर पम्पों के जल नमूने का भी गुणवत्ता परीक्षण नियमित रूप से कराया जाना सुनिश्चित किया जायें। प्रत्येक मंगलवार को जोन स्तर पर जल विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया जावें। जोन में स्थापित सार्वजनिक नल, हैण्ड पंप, पावर पंप के प्लेटफार्म पर संधारण कार्य तत्काल अनिवार्य रूप से किया जावें। जिन क्षेत्रों में पाईपलाईन नालियों के मध्य से गुजरी हुई हो या जिस पाईपलाईनों में इन्टरकनेक्शन किया गया हो उसे 7 दिवस के भीतर चिन्हित कर यदि उसमें कोई लिकेज हो तो ठीक करा लेवें । उच्चस्तरीय जलागार में न्यूनतम 1.0 पीपीएम रेसिड्यूअल क्लोरीन मिलना अनिवार्य है।

फूड पार्क के भवन और स्थापित मशीनों का अवलोकन

ट्राईफेड की फूडपार्क के संचालन के लिए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री कश्यप ने की बैठक

जगदलपुर 13 जून। ट्राइफूड परियोजना भारत सरकार के जनजातीय मामलों के मंत्रालय के ट्राइफेड द्वारा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सहयोग से जिला प्रशासन की सहायता से क्रियान्वित किया जाना है। ट्राइफूड का उद्देश्य आदिवासी वन संग्रहकर्ताओं द्वारा एकत्र किए गए लघु वनोपजों के बेहतर उपयोग और मूल्य संवर्धन के माध्यम से आदिवासियों की आय में वृद्धि करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री, गृहमंत्री और बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा और वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने जगदलपुर शहर के नजदीक सेमरा स्थित ट्राइफेड के ट्राईफुड पार्क के सभाकक्ष में बैठक लेकर ट्राईफुड पार्क के संचालन के लिए विस्तृत चर्चा की। ज्ञात हो कि ट्रायफेड द्वारा 8.20 करोड़ की लागत से सेमरा जगदलपुर में ट्राईफूड पार्क तैयार कर लिया गया है इसका सकल क्षेत्रफल लगभग 21.55 एकड़ है, जिसमें 4.36 एकड़ में प्लाट स्थापित है। उल्लेखनीय है कि जगदलपुर बस्तर में ट्रायफेड द्वारा स्थापित यह फूड पार्क वनोत्पाद और स्थानीय उत्पादों की एक प्रमुख प्रसंस्करण इकाई है, जिसमें वनधन केन्द्रों एवं स्थानीय जनजाति कृषकों से कच्ची सामग्री (विशेषकर लघु वनोपज) न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर लेकर उसका प्रसंस्करण कर उत्पादन, पैकेजिंग एवं ब्रांडिंग किया जाएगा। बैठक में इस फूड पार्क के व्यवस्थित संचालन एवं आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई। ट्राइफेड के अधिकारी ने बैठक में बताया कि इस फूड पार्क में शहद प्रोसेसिंग,काजू प्रोसेसिंग, इमली प्रोसेसिंग, मौसमी फल और मसालों की प्रोसेसिंग करने की योजना है साथ ही कोल्ड स्टोरेज की भी सुविधा रखी गई है। गृहमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर के मूल निवासियों का सहकारी समिति बनाकर फूड पार्क के लिए रॉ मटेरियल सप्लाई की व्यवस्था करें। फूड पार्क में इमली, महुआ, आम, काजू, साल-बीज जैसे स्थानीय उत्पाद को प्रोसेसिंग में प्राथमिकता दें। बैठक में संस्थान के संचालन करने वाले का चयन करने के लिए कमेटी बनाने पर चर्चा किया गया और उपस्थिति जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने संचालन के लिए अलग-अलग सुझायें मॉडल पर भी चर्चा किए।

विजय भाटिया को 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल

शराब घोटाला मामले में किया गया था गिरफ्तार

रायपुर, 13 जून। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में हुए शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार विजय भाटिया को कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक EOW ने विजय भाटिया को 2 जिन को गिरफ्तारी के बाद अलग अलग दिनों में करीब 11 दिन की पुलिस रिमांड लेकर लंबी पूछताछ की, जिसके बाद गुरुवार को पुलिस रिमांड खत्म होने पर कोर्ट में पेश पेश किया गया। कोर्ट में पेश करने के बाद EOW ने बाकी बचे दिनों की पुलिस रिमांड का कोई आवेदन नहीं लगाया जिसके बाद विशेष कोर्ट ने 14 दिन यानी 26 जून तक विजय भाटिया को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

विजय भाटिया से ईओडब्ल्यू को मिली अहम जानकारी

सूत्रों के मुताबिक बताया जा रहा है कि, पुलिस रिमांड के दौरान विजय भाटिया से EOW को घोटाले से जुड़ी कई अहम जानकारियां मिली है, हालांकि EOW ने इन बातों का खुलासा नहीं किया है। आरोपी विजय भाटिया को ACB/EOW कोर्ट के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया थे। आपको बता दे कि झारखंड में भी हुए आबकारी घोटाले में झारखंड एसीबी ने छत्तीसगढ़ के कई कारोबारियों को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किए थे।

छत्तीसगढ़ में होगी बड़ी कार्रवाई

लेकिन कोई भी कारोबारी झारखंड के एसीबी ऑफिस नहीं पहुंचने से कईयों के खिलाफ कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी करवाया है और कईयों को पूछताछ के लिए दुबारा जारी किया गया है। फिलहाल पूरे मामले की जांच झारखंड ष्टक्रभी कार रही है और छग के कई कारोबारी झारखंड एसीबी के रडार में है।

वीरेंद्र तोमर पर शिकंजा! पुलिस ने पत्नी को किया गिरफ्तार

इधर करणी सेना की महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष और मीडिया मैनेजर भी गिरफ्त में

रायपुर, 13 जून। राजधानी रायपुर में मारपीट, सूदखोरी और अवैध हथियार सहित अन्य गंभीर मामलों के आरोपी वीरेंद्र और रोहित तोमर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए हैं। इस बीच अब एक और बड़ी खबर सामने आई है। पुलिस ने वीरेंद्र तोमर की पत्नी शुभ्रा तोमर को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि पुरानी बस्ती थाना पुलिस ने उसे संगठित अपराध की धाराओं में दर्ज स्वढ्ढक्र मामले में गिरफ्तार किया है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।वहीं पुलिस ने पत्रकारों के साथ मारपीट को लेकर करणी सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष (महिला विंग) संगीता सिंह और मीडिया मैनेजर प्रभ्रंजन सिंह को भी गिरफ्तार किया है।

मामला क्या है?

राजधानी रायपुर में मारपीट, सूदखोरी और अवैध हथियार जैसे गंभीर मामलों के आरोपी वीरेंद्र और रोहित तोमर फरार हो गए हैं। इसी बीच वीरेंद्र की पत्नी शुभ्रा तोमर को संगठित अपराध की धाराओं में गिरफ्तार किया गया है।

शुभ्रा तोमर को किस मामले में गिरफ्तार किया गया है?

उन्हें पुरानी बस्ती थाना पुलिस ने संगठित अपराध की धाराओं में दर्ज FIR मामले में गिरफ्तार किया है और फिलहाल उनसे पूछताछ जारी है।

पत्रकारों के साथ क्या हुआ?

गुरुवार को तोमर ब्रदर्स के घर के बाहर पत्रकार कवरेज करने पहुंचे थे, जहां कुछ लोगों ने पत्रकारों के साथ मारपीट की, उनका कैमरा छीनकर उन्हें घर में बंधक बना लिया।

समाचार संक्षेप

मानसून के आगे बढ़ने के लिए बनी अनुकूल परिस्थितियां

रायपुर, 13 जून। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार ओड़िसा तथा आंध्रप्रदेश के ऊपर एक चक्रिय चक्रवात एवं पश्चिमी विक्षोप के कारण अगले 48 घंटे में दक्षिण पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने की संभावना है। फिर हॉल स्थानीय कारणों से वर्षा हो रही है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. चन्द्रा के अनुसार रायपुर तथा मध्य क्षेत्र में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। गरज चमक के साथ छींटे भी पड़ेगे। अगले 48 घंटे में दक्षिण पश्चिम मानसून को आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनने की संभावना है। एक द्रोणिका पंजाब के ऊपर स्थित चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण से दक्षिण पूर्व मध्य प्रदेश तक 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। डॉ. चन्द्रा ने बताया कि एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश और उससे लगे दक्षिण उड़ीसा के ऊपर 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है तथा यह दक्षिण पश्चिम दिशा में ऊंचाई के साथ झुका हुआ है। एक द्रोणिका उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश और उससे लगे उड़ीसा के ऊपर स्थित चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण से तटीय कर्नाटक तक छत्तीसगढ़, मराठवाड़ा, अंदरूनी कर्नाटक होते हुए 3.1 किलोमीटर से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक पश्चिमी विक्षोभ 62 डिग्री पूर्व और 28 डिग्री उत्तर में स्थित है। प्रदेश में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ अंधड़ चलने तथा वज्रपात होने की संभावना है। प्रदेश के दक्षिणी भाग में अधिकतम तापमान में गिरावट का दौर प्रारंभ होने तथा उत्तरी भाग में मामूली गिरावट होने की संभावना है। वर्षा का क्षेत्र मुख्यतः दक्षिण छत्तीसगढ में रहने की सम्भावना है । उत्तर छत्तीसगढ में एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। बीजापुर और उससे लगे जिलों में भारी वर्षा सम्भव है।

प्रदेश में एक दो स्थानों हल्की से मध्यम वर्षा तथा अंधड़ चलने की चेतावनी

महापौर मिनल चौबे से पंडरी कपड़ा बाजार के व्यापारियों ने नगर निगम में आकर चर्चा की

रायपुर, 13 जून। आज राजधानी शहर रायपुर के पंडरी कपडा बाजार के संबंधित 19 व्यापारीगण नगर निगम रायपुर मुख्यालय महात्मा गांधी सदन के महापौर कक्ष में आए एवं उन्होने महापौर श्रीमती मीनल चौबे, उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, आयुक्त श्री विष्वदीप से चर्चा कर दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए सीलबंदी कार्यवाही के प्रकरण में परीक्षण करवाने का आग्रह किया। इस दौरान महापौर कक्ष में नगर निवेषक श्री आभास मिश्रा, जोन 2 जोन कमिष्नर डॉ. आर.के. डोंगरे, कार्यपालन अभियंता श्री आषुतोष सिंह की उपस्थिति रही। अधिकारियों ने जानकारी दी कि नगर निगम ने सीलबंदी की कार्यवाही नियमानुसार की है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि व्यापारियों द्वारा वर्ष 2025 में कराये गये नियमितिकरण में दुकान के दोनो ओर प्रवेष द्वार खोलने की अनुमति व्यापारियों को नहीं दी गई है। महापौर ने व्यापारियों से शहर में अच्छी व्यवस्था देने जनहित में सहयोग देने कहा। रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने व्यापारियों से कहा कि सीलबंदी प्रकरण में प्रषासन ने नियमानुसार कार्यवाही की है। वे जनप्रतिनिधि विधायक है एवं इस प्रकरण में वे व्यापारियों के साथ खड़े है। उन्होने रायपुर शहर को सुन्दर बनाकर अच्छी व्यवस्था देने रायपुर नगर निगम को सहयोग देने कहा।

व्यापारियों ने दस्तावेज प्रस्तुत कर परीक्षण करवाने का आग्रह किया

युक्तियुक्तकरण: 12 स्कूलों में वाणिज्य विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों की हुई नियुक्ति

रायपुर, 13 जून। छत्तीसगढ़ शासन की युक्तियुक्तकरण नीति ने कबीरधाम जिले के विद्यार्थियों के भविष्य को एक नई दिशा दी है। इस नीति के तहत अब स्कूलों में विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों की तैनाती सुनिश्चित की जा रही है, जिससे छात्रों को उनकी कक्षा और विषय के अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में गणित, विज्ञान, रसायन और वाणिज्य जैसे प्रमुख विषयों के लिए योग्य शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। यह पहल न केवल शिक्षण व्यवस्था को संतुलित कर रही है, बल्कि ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी शिक्षा के समान अवसर प्रदान कर रही है। महत्वपूर्ण विषयों में शिक्षकों की तैनाती से छात्रों की पढ़ाई में आ रही बाधाएँ अब दूर होगी। शासन की मंशा है कि शहरी ही नहीं, बल्कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी उनकी रुचि और आवश्यकता के अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो। इसी उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए कबीरधाम जिले के 12 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में वाणिज्य विषय के लिए विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खैरबनाकला, रेंगखार कला, रामपुर, गेंदपुर, सिलहाटी, सूरजपुरा वन, नवघटा, कुकदूर, खैरझिटी पुराना, पलानसरी, पंडरिया और सिंघारी के स्कूल में वाणिज्य विषय के लिए विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। इन विद्यालयों में अब बच्चों को न केवल बेहतर शिक्षण सुविधा मिलेगी, बल्कि उन्हें विषय की गहरी समझ और मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा। स्कूलों में विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति से छात्रों की शैक्षणिक गुणवत्ता और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पहले जहां कई विद्यालयों में एकल शिक्षक के कारण विषय विशेष की शिक्षा बाधित हो रही थी, अब युक्तियुक्तकरण के तहत हर विषय के लिए योग्य शिक्षक उपलब्ध कराए जा रहे हैं शासन की यह नीति केवल शिक्षकों के युक्तिकरण की योजना भर नहीं है, बल्कि यह एक दूरदर्शी और क्रांतिकारी प्रयास है, जो शिक्षा के क्षेत्र में संतुलन, पारदर्शिता और प्रभावशीलता लाने का कार्य कर रही है। इससे शिक्षा व्यवस्था न केवल सुदृढ़ होगी, बल्कि परिणाममुखी भी बनेगी, जिसका प्रत्यक्ष लाभ छात्रों को मिलेगा। इस नीति का सबसे बड़ा लाभ ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों को मिलेगा।

झारखंड शराब घोटाला

सिद्धार्थ सिंघानिया के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

रायपुर, 13 जून। झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाले में रांची स्थित एंटी करप्शन ब्यूरो की स्पेशल कोर्ट ने झारखंड के शराब घोटाले में छत्तीसगढ़ के कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। इसके एक दिन पहले इसी मामले में रांची के ऑटोमोबाइल कारोबारी विनय कुमार सिंह के खिलाफ भी वारंट जारी हुआ था। एंटी करप्शन ब्यूरो ने इन दोनों को पूछताछ के लिए समन भेजा था, लेकिन दोनों तय तारीख पर उपस्थित नहीं हुए। इसके बाद ब्यूरो ने कोर्ट में इनकी गिरफ्तारी के लिए

वारंट की अर्जी लगाई थी। वारंट जारी होते ही एजेंसी ने दोनों के संभावित ठिकानों पर दबिश देनी शुरू की है। एसीबी ने इनके अलावा छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी सरोज लोहिया, बच्चा लोहिया एवं अतीमा खन्ना, मध्य प्रदेश के भोपाल निवासी मनीष जैन और राजीव द्विवेदी, महाराष्ट्र के पुणे निवासी अजीत जयसिंह राव, अमित प्रभाकर सोलंकी और सुनील मारूत्रे कुंभकर को भी घोटाले के संबंध में पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। इनमें से कोई भी पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हुआ है।

38 करोड़ से अधिक का घोटाला

एसीबी की अब तक की जांच में झारखंड में हुए शराब घोटाले में सरकार को 38 करोड़ से ज्यादा का नुकसान होने की बात सामने आई है। जांच का दायरा बढ़ने पर यह रकम और बढ़ने का अनुमान है। इस बीच, एजेंसी ने इस केस में जेल में बंद झारखंड राज्य बेवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के वित्त महाप्रबंधक के पद पर तैनात रहे सुधीर कुमार दास, पूर्व महाप्रबंधक सुधीर कुमार और शराब दुकानों के लिए मैनपावर सप्लाई करने वाली प्लेसमेंट एजेंसी मार्शन इनोवेटिव सिक्योरिटी सर्विसेज प्रा. लि. के स्थानीय प्रतिनिधि नीरज कुमार को अदालत के आदेश पर दो दिनों के रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू की है।

बढ़ते जा रहे हैं कोराना के मामले

अलर्ट मोड पर है हेल्थ विभाग

रायपुर, 13 जून। छत्तीसगढ़ में कोविड के केस लगातार बढ़ते जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में गुरुवार को कोविड के 12 नए मरीज मिले हैं। इनमें रायपुर से 6 और बिलासपुर से 4 और दुर्ग से 2 मरीज हैं। वहीं 15 रिकवर भी हुए हैं। प्रदेश में अब तक कोविड के कुल 87 केस मिल चुके हैं। इनमें से 45 रिकवर हो चुके हैं। वहीं, 42 एक्टिव हैं। इनमें 35 राज्य में कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए पूरा प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सरकारी जिला अस्पतालों और दूसरे हेल्थ सेंटर्स में टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल सभी तरह के स्टाफ को कोविड के दौरान खुद को बचाने और मरीजों की देखभाल कैसे करनी है इसकी ट्रेनिंग दी जा रही है।

सैंपल कलेक्शन से लेकर कोविड मरीज के इलाज तक की ट्रेनिंग स्टाफको दी जा रही है।

कुल छह जिलों में मिले हैं मरीज

इसके साथ ही इमरजेंसी सिच्युएशन से निपटने के लिए मॉकड्रिल भी कराई गई है। प्रदेश में अब तक छह जिलों में कोविड के संक्रमित मिले हैं। रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, बालोद, बस्तर और बेमेतरा जिले में कोविड के पेशेंट मिल चुके हैं।

किस जिले में कितने केस

छत्तीसगढ़ में कोविड के सबसे ज्यादा एक्टिव केस रायपुर में हैं। यहां सबसे ज्यादा 26 मरीज हैं। बिलासपुर में 20, दुर्ग में 10, बालोद, बस्तर, महासमुंद और बेमेतरा जिले में दो -दो पेशेंट हैं। राज्य नोडल अधिकारी डॉ खेमराज सोनवानी ने बताया कि कोविड के केस में वृद्धि हुई है लेकिन अच्छी बात ये है कि रिकवरी भी तेजी से हो रही है।

रायपुर-बिलासपुर रेड जोन

अभी के हालातों को देखते हुए रायपुर और बिलासपुर जिले रेड जोन में हैं। यहां तेजी से कोविड के मरीज मिले हैं। हालांकि स्वास्थ्य मंत्री लगातार कोविड को लेकर समीक्षा कर रहे हैं। राज्य के हेल्थ विभाग को हर स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट जारी किया गया है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण, युवा मतदाताओं की संख्या में हो रही वृद्धि

रायपुर, 13 जून। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम पुनः शुरू हो गया है। इसके लिए जिला स्तर पर निर्वाचन शाखा में जाकर संपर्क किया जा सकता है। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार राज्य में प्रति तीन महीने के अंदर मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम कराया जाता है। जिसके तहत मतदाताओं के नाम की त्रुटियां सुधारी जाती है। वहीं मतदाता अपना स्थान परिवर्तन करता है तो इसका नाम अन्यत्र मतदान केंद्र में जोड़े जाने का काम किया जाएगा। नये मतदान के समय मतदाता इधर उधर भटकते रहते है। आयोग के अनुसार जिन मतदाताओं की मौत हो चुकी है उनका नाम काटा जाएगा तथा नये नाम जोड़े जाएंगे। इसके लिए जिला स्तर पर निर्वाचन शाखा पर यह काम सौंपा गया है। वहीं तहसील स्तर पर बुथ लेबल अधिकारी बीएलओ सुधार का नाम करते हैं। दूसरे राज्यों से आए मतदाता भी अपना नाम जोड़वा सकते हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार वर्तमान में छत्तीसगढ़ में मतदाताओं की संख्या दो करोड़ से अधिक हो गई है। उनमें से युवा मतदाताओं का प्रतिशत ज्यादा है।

प्रदेश में दो करोड़ से अधिक मतदाता हुए

विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा करने राज्यपाल बुलाएंगे शीघ्र कुलपतियों की बैठक

समय पर परीक्षा परिणाम उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन शैक्षणिक कैलेंडर का पालन करने का निर्देश देंगे

रायपुर, 13 जून। प्रदेश के राज्यपाल एवं समस्त विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति रमेन डेका विश्व विद्यालय के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव, समय पर परीक्षा परिणाम एवं शैक्षणिक कैलेंडर लागू करने के लिए एकेडमी कौंसिल की बैठक अगले महीने बुलाने पर विचार कर रहे हैं।

राजभवन से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में कुल 13 विवि है। जिनमें सात शासकीय एवं 6 निजी विवि है। उच्च शिक्षा विभाग के माध्यम से राज्यपाल के द्वारा विवि का प्रशासन का संचालन किया जाता है।

राज्य में कोरोना संकटकाल में सेमेस्टर का टाइमटेबल गड़बड़ा गया था अब नई शिक्षा नीति के तहत सभी कोर्स की अवधि बढ़ा दी गई है। एकेडमी कौंसिल की बैठक के लिए अभी तिथि निर्धारित नहीं की गई है लेकिन राज्य में शीघ्र ही यह बैठक बुलाई जाएगी जिसमें सभी विवि के कुलपतियों से रायशुमारी की जाएगी।

कुलपति छात्रसंघ चुनाव कराने के पक्ष में नहीं -प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव कराने को लेकर अलग अलग दलों के अलग अलग विचार है इसलिए यहां पर कुलपतियों से रायशुमारी ली जाती है अधिकांश कुलपति छात्रसंघ चुनाव के पक्ष में नहीं है उनका कहना है कि इससे कालेज में गुंडागर्दी और अनुशासनहीनता बढ़ती है। एकेडमी कौंसिल की बैठक का प्रस्ताव अभी नहीं बना है। लेकिन सूत्रों के अनुसार विवि प्रशासन को समय पर उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने समय पर परीक्षा परिणाम घोषित करने तथा अन्य विषयों पर दिशा निर्देश दिये जाएंगे। राजभवन के अनुसार राज्यपाल असम के निजी दौरे पर गये हुए हैं। वहां से लौटने के बाद एकेडमी कौंसिल की बैठक तय किये जाने की संभावना है। महाविद्यालयों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव आयुक्त विवि के कुलपति तथा रजिस्टार को बुलाया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी कौशल किशोर मिश्र, प्रकाशक-मुद्रक उत्तम कुमार अलकरे की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस, प्रेस टॉवर, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित * संपादक-संजय कुमार दुबे, * प्रबंध संपादक- आशीष कुमार तिवारी, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26